@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 16 दिसंबर 2023

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 16 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भजनलाल शर्मा बने राजस्थान के नए मुख्यमंत्री

सिम्मी कौर बब्बर

जयपुर, 15 दिसंबर। बीजेपी में एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू करने वाले भजनलाल शर्मा अपने 55वें जन्मदिन पर राजस्थान के 14वें मुख्यमंत्री बन गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में जयपुर के ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल पर लाखों लोगों के बीच राज्यपाल कलराज मिश्र ने भजनलाल शर्मा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। भजनलाल शर्मा के साथ उनके दो उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ प्रेमचंद बैरवा ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली। इसके साथ ही राजस्थान की राजनीति में पिछले 25 वर्ष से चला आ रहा अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री बनने का युग समाप्त हो गया। राजस्थान के राजनीति एक नई पीढ़ी में प्रवेश करती नजर आई। गुलाबी नगरी जयपुर की हल्की गुलाबी सर्दी की सुबह शुक्रवार को केसरिया रंग में रंगी नजर आ रही थी। एयरपोर्ट से लेकर शपथ ग्रहण स्थल ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल तक और उसके अलावा पूरे जयपुर शहर को भारतीय जनता पार्टी ने केसरिया रंग में रंग दिया था। इसी केसरिया माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर 12:15 बजे जयपुर की धारा पर उतरे और लगभग 12:45 पर उनकी मौजूदगी में राजस्थान के नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह लगभग 15 मिनट चला और उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा ने उपस्थित जनता का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। राजस्थान के लिहाज से यह महत्वपूर्ण क्षण था। क्योंकि राजस्थान की जनता साल 1998 से लेकर अब तक बारी-बारी से अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे को ही मुख्यमंत्री के रूप में देख रहे थे। यानी लगभग 25 वर्ष बाद राजस्थान की राजनीति में एक जेनरेशनल शिफ्ट यानी पीढ़ीगत बदलाव होता देखा गया। समारोह स्थल पर तीन मंच तैयार किए गए थे। एक मंच पर देशभर से आए साधु-संतों को बैठाया गया है। वहीं दूसरे मंच पर देश के गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, वसुंधरा राजे और अन्य राज्यों से आए मुख्यमंत्री तथा वरिष्ठ नेता बैठे नजर आ रहे थे। तीसरा मंच शपथ के लिए बनाया गया था, जिस पर प्रधानमंत्री मोदी, राज्यपाल और शपथ लेने वाले तीनों नेता बैठे। जिस मंच पर वरिष्ठ नेताओं को बैठाया गया था, इस मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, वसुंधरा राजे और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एक साथ बैठे नजर आए। राजनीतिक रूप से तीनों नेता आपस में धुर विरोधी माने जाते हैं। अशोक गहलोत गजेंद्र सिंह शेखावत पर संजीवनी घोटाले में लिप्त होने का आरोप लगाने के साथ ही उन्हें नकारा और निकम्मा मंत्री तक बता चुके हैं। वहीं, गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी गहलोत के खिलाफ मानहानि का केस दायर कर रखा है। लेकिन मंच पर दोनों ही नेता आपस में बातचीत करते नजर आए। इनके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी थीं और तीनों ही नेताओं के बीच काफी आत्मीयता से बातचीत होती नजर आई।

आज भजनलाल शर्मा का जन्मदिन भी है। उनके परिवार ने अपने अस्थायी निवास चंबल पावर हाउस के गेस्ट हाउस में बर्थडे सेलिब्रेट भी किया। पहले उन्होंने गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन किए, इसके बाद उन्होंने अपने माता-पिता के चरण धोकर उनका आशीर्वाद भी लिया। वहीं, मनोनीत डिप्टी ष्टरूप्रेमचंद बैरवा ने आज शपथ लेने से पहले मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन किए और डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने भी गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन किए। बीजेपी विधायक भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार दोपहर 1:04 बजे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की मौजूदगी में राजस्थान के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने भाजपा विधायक प्रेमचंद बैरवा को राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। जयपुर की विद्याधर नगर विधानसभा सीट भाजपा विधायक राजकुमारी दीया कुमारी ने राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

रक्षा मंत्रालय ने किया बीईएल के साथ 5300 करोड़ का करार

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। केंद्र की मोदी सरकार सैन्य मोर्चे पर सेनाओं को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दे रही है। इसी क्रम में रक्षा मंत्रालय सेना की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से विषम क्षेत्रों में दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने वाली तोपों के लिए रक्षा मंत्रालय ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ करार किया है। इस करार के तहत मध्यम और भारी कैलिबर वाली तोपों की मारक क्षमता बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक फ्यूज की खरीद की जाएगी। रक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, बीईएल के साथ कुल 5,336.25 करोड़ रुपये के इस सौदे के तहत सेना के लिए 10 साल तक इलेक्ट्रॉनिक फ्यूज की खरीद की जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते का एक उद्देश्य आयात घटाने के साथ गोला-बारूद के भंडार बढ़ाना भी है। ये इलेक्ट्रॉनिक फ्यूज देश की उत्तरी सीमाओं के साथ ऊंचाई वाले और विषम क्षेत्रों में दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम तोपों में प्रयोग किए जाएंगे। ताकि दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके। मंत्रालय ने यह भी बताया है कि 10 साल के लिए किए गए इस सौदे के पीछे एक उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना भी है। इस अभियान के तहत भारतीय कंपनियों द्वारा सेना के लिए गोला-बारूद तैयार करने को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य गोला-बारूद निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करना, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां प्राप्त करना और आपूर्ति श्रृंखला में किसी व्यवधान की आशंका को दूर कर स्टॉक सुरक्षित करना है।

महुआ की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई अब जनवरी में

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने कैश-फॉर-क्वेरी मामले में लोकसभा से निष्कासन के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस पार्टी (ञ्जरूष्ट) की नेता महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई 3 जनवरी 2024 तक के लिए स्थगित कर दी है। जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच के सामने मामले को रखा गया। इसके बाद इसे जनवरी तक के लिए टाल दिया गया। मोइत्रा ने बुधवार को अपनी याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई का अनुरोध किया था। इसके बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने आश्वासन दिया था कि शीर्ष अदालत तत्काल सूचीबद्ध करने के अनुरोध पर विचार करेगी। पिछले हफ्ते मोइत्रा को पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। मोइत्रा ने उनके निष्कासन की सिफारिश करने वाली लोकसभा की आचार समिति पर पर्याप्त सबूत के बिना फैसले लेने और मनमानी का आरोप लगाया है। महुआ मोइत्रा ने अपनी याचिका में अयोग्यता को चुनौती देने के साथ आचार समिति के निष्कर्षों पर चर्चा के दौरान लोकसभा में खुद का बचाव करने की अनुमति नहीं दिए जाने की बात कही है।

गौरतलब है कि लोकसभा सदस्यता छीने जाने के खिलाफ महुआ मोइत्रा ने सोमवार को ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कैश के बदले सवाल मामले में घिरने और आचार समिति की तरफ से लोकसभा में रिपोर्ट रखे जाने के बाद सदन के अध्यक्ष ने उन्हें निष्कसित कर दिया था। इसी के खिलाफ टीएमसी सांसद सर्वोच्च न्यायालय पहुंचीं हैं। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और उनके खिलाफ लोकसभा स्पीकर से शिकायत कर जांच की मांग की। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहादराई द्वारा प्रदान किए गए थे। लोकसभा स्पीकर को लिखे अपने पत्र में दुबे ने कहा था कि उन्हें वकील और महुआ के पूर्व दोस्त जय अनंत का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने मोइत्रा और जाने-माने बिजनेस टाइकून दर्शन हीरानंदानी के बीच सवाल पूछने के लिए रिश्वत के आदान-प्रदान के सबूत साझा किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जय ने एक विस्तृत शोध किया है जिसके आधार पर उन्होंने निष्कर्ष निकाला है कि हाल ही में, मोइत्रा ने संसद में उनके द्वारा पूछे गए कुल 61 में से लगभग 50 प्रश्न दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनी के व्यावसायिक हितों को बचाने के लिए थे।

सपा नेता अबू आजमी के पार्टनर वाराणसी के विनायक ग्रुप पर मनी लांड्रिंग का केस

वाराणसी, 15 दिसंबर। वाराणसी के बड़े रियल एस्टेट कारोबारी विनायक ग्रुप के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया है। सूत्रों के मुताबिक ईडी ने यह कार्रवाई विनायक निर्माण प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ वाराणसी में दर्ज करायी गयी एफआईआर और बीते अक्टूबर माह में आयकर विभाग के छापों की रिपोर्ट के आधार पर की है। ईडी की जांच के दायरे में विनायक ग्रुप के पार्टनर एवं समाजवादी पार्टी, महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी भी हैं। ईडी के अधिकारी जल्द ही विनायक निर्माण प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक आभा गणेश कुमार गुप्ता, विमला दिलखुश, सर्वेश कुमार अग्रवाल के साथ प्रमोटर और साझीदारों को भी नोटिस देगा, जिसमें उनसे बीते दस वर्षों में खरीदी गयी चल-अचल संपत्तियों और बैंक खातों से जुड़ी जानकारी मांगी जाएगी। तत्पश्चात उनको सम्मन भेजकर ईडी कार्यालय में तलब करके पूछताछ की जाएगी। बता दें कि आयकर विभाग ने बीते अक्टूबर माह के पहले सप्ताह में विनायक ग्रुप के वाराणसी, मध्य प्रदेश और अबू आजमी के मुंबई और लखनऊ के ठिकानों को खंगाला था, जिसमें बड़े पैमाने पर मनी लांड्रिंग अंजाम देने और बेनामी संपत्तियों को खरीदने के प्रमाण मिले थे। साथ ही, तमाम राजनेताओं की काली कमाई खपाने के सुराग भी मिले थे। जांच में सामने आया था कि तमाम नेताओं ने नोटबंदी के दौरान अपनी काली कमाई को वाराणसी और मुंबई के रियल एस्टेट में खपाने के लिए अबू आजमी और उसके करीबियों की मदद ली थी। दोनों शहरों में संपत्तियों की कीमतों में होने वाली बेतहाशा वृद्धि इसकी वजह थी। वहीं, लखनऊ में होटल व्यवसाय और कृषि भूमि में निवेश हुआ था। जांच में 200 करोड़ रुपये से अधिक टैक्स चोरी के पुख्ता सुराग हाथ लगे थे। बताते चलें कि जांच के बाद आयकर विभाग ने विनायक ग्रुप की कई संपत्तियों को जब्त किया था।

राजस्व अधिकारियों को निर्धारित समय में निपटाने होंगे मामले

कौमी संवाददाता

शिमला, 15 दिसंबर। हिमाचल प्रदेश में अब राजस्व अधिकारी व्हाट्सएप, मेल और एसएमएस के माध्यम से समन की तामील कर सकेंगे। प्रदेश सरकार ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान भू राजस्व संशोधन विधेयक को पारित किया था। शुक्रवार को राजपत्र में इसे प्रकाशित कर दिया गया है। अब इस अधिनियम के तहत राजस्व अधिकारियों को चार महीनों में मामलों का निपटारा करने के लिए कहा गया है। इसके अतिरिक्त भूमि की इंतकाल कार्यवाहियों की प्रक्रिया में शीघ्रता लाने के आशय से सार्वजनिक नोटिस की अवधारणा को स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है। राजस्व अधिकारियों के समक्ष अपील और अन्य मामलों में देरी माफी का प्रावधान करने का प्रस्ताव भी किया गया है। इसके लिए आवेदक को सक्षम अधिकारी के समक्ष देरी के कारण स्पष्ट करने होंगे। अधिनियम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए और राजस्व मामलों के निपटान में देरी के कारण लोगों को पेश आ रही कठिनाइयों और समस्याओं का समाधान करने के लिए इस कानून में बदलाव करने का सदन में प्रस्ताव किया गया। मौजूदा अधिनियम के तहत राजस्व मामलों के निपटारे के लिए कोई समयसीमा निर्धारित नहीं की गई है। वहीं, हिमाचल सरकार ने भूमि खरीद पर स्टांप ड्यूटी में संशोधन कर महिलाओं को बड़ी राहत दी है। अब महिलाओं को 80 लाख रुपये तक की भूमि खरीद पर चार फीसदी स्टांप ड्यूटी देनी होगी, इससे पहले यह छूट 50 लाख रुपये तक थी। पुरुषों को 50 लाख पर छह फीसदी और इससे अधिक की खरीद पर आठ फीसदी का प्रावधान है। इसके अलावा जनरल पावर आफ अटार्नी (जीपीए) शुल्क को 100 से 1000, 150 से 1500 और 200 से 2000 रुपये किया गया है। न्यूनतम 1000 पर 5000 रुपये स्टांप ड्यूटी किया गया है। प्रदेश सरकार ने विधानसभा में स्टांप ड्यूटी विधेयक में यह संशोधन प्रस्ताव पेश किया था। शुक्रवार को इसे राजपत्र में प्रकाशित किया गया है।

गंभीर आपराधिक मामलों के 14 वांछितों की सूची जारी

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। गैरकानूनी वारदात और आतंक की घटनाओं को अंजाम देने से जुड़े आरोपियों को पकड़ने की कवायद जारी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ह्वढ्ढ) ने 13 तस्वीरें जारी की हैं। इसमें एक तस्वीर केरल के कॉलेज प्रोफेसर की हथेली काटने वाले आरोपी की है। ह्वढ्ढ ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि केरल के थोडुपुझा में करीब 13 साल पहले कॉलेज प्रोफेसर- टीजे जोसेफ की हथेली काटने का मामला सामने आया था। चार जुलाई, 2010 को सामने आए इस मामले में ह्वढ्ढ ने लोगों से वॉट्सऐप पर सूचना मांगी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (क्कस्नढ्ढ) से जुड़े मामलों में यह आरोपी एनआईए की वांटेड सूची में शामिल है। आरोपी की पहचान सवाद के रूप में की गई है। वह एर्नाकुलम का रहने वाला है। वॉट्सऐप नंबर- 9497715294 पर इस आरोपी के संबंध में कोई भी सूचना भेजी जा सकती है। एनआईए ने आश्वस्त किया है कि आरोपी के बारे में सूचना भेजने वाले लोगों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। एनआईए की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि केरल के पल्लकड़ में रहने वाले श्रीनिवासन की हत्या के मामले में भी कई आरोपियों की तलाश की जा रही है। एनआईए के अनुसार, पीएफआई से जुड़े तमाम आरोपी दूसरे समुदाय के लोगों की हत्या कर आतंक और खौफ का माहौल कायम करना चाहते थे। 16 अप्रैल, 2022 को हुई श्रीनिवासन की हत्या मामले में जिन चार वांटेड आरोपियों की तलाश की जा रही है, इनकी पहचान अब्दुल वहाब, अब्दुल राशिद और अयूब टीए के रूप में हुई है।

चंद्रयान-3 बस एक शुरुआत, 2040 तक इंसान को चांद पर भेजेगा भारत

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को अपने एक बयान में कहा कि चंद्रयान-3 सिर्फ एक शुरुआत है और भारत ने वादा किया है कि वह 2040 तक इंसान को चांद पर भेजेगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज हम इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि अंतरिक्ष क्षेत्र को समर्थन दिया जाएगा। साथ ही 2047 तक देश के विकसित बनने की परिकल्पना की गई है। बता दें कि इसरो के गगनयान मिशन में तीन सदस्यों वाले क्रू को अंतरिक्ष में भेजने की परिकल्पना की गई है। क्रू को पृथ्वी की कक्षा में 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर भेजा जाएगा। यह मिशन तीन दिन का होगा और उसके बाद क्रू के सदस्यों को सुरक्षित धरती पर वापस लाया जाएगा और उनकी समुद्र में सुरक्षित लैंडिंग कराई जाएगी। ऐसा करते ही भारत दुनिया का चौथा ऐसा देश बन जाएगा, जिसने अंतरिक्ष में इंसानों को भेजा हो। भारत से पहले अमेरिका, रूस और चीन यह कारनामा कर चुके हैं। भारत का लक्ष्य है कि 2040 तक गगनयान मिशन को अंतरिक्ष में लॉन्च कर दिया जाए। गगनयान मिशन के तहत कुल तीन अंतरिक्ष मिशन भेजे जाएंगे। इनमें से दो मिशन मानवरहित होंगे और एक मिशन मानव युक्त होगा। बता दें कि हाल ही में चंद्रयान-3 के प्रोपेल्शन मॉड्यूल को चंद्रमा की कक्षा से वापस पृथ्वी की कक्षा में वापस लाया गया। मानव मिशन के लिए यह परीक्षण बेहद अहम था। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसके लिए इसरो को बधाई दी। बता दें कि चंद्रयान-3 मिशन को 14 जुलाई 2023 को लॉन्च किया गया था और 23 अगस्त 2023 को इसके विक्रम लैंडर ने चांद की सतह पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की थी। भारत का चंद्रयान-3 मिशन सफल रहा।

गृह मंत्री संसद में चुप हैं और टीवी पर साक्षात्कार दे रहे: मल्लिकार्जुन खरगे

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि संसद की सुरक्षा में चूक मुद्दे पर गृह मंत्री कोई बयान क्यों नहीं दे रहे हैं? जबकि वह टेलिविजन में साक्षात्कार जरूर दे रहे हैं। खरगे ने यह भी पूछा कि क्या इस मुद्दे पर सवाल करने वाले सांसदों को सस्पेंड करना न्याय है? कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूछा, संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर विपक्षी सांसदों को अवैध तरीके से निलंबित करना कहां का न्याय है? उन्होंने कहा कि विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने दोनों सदनों में अपनी संयुक्त रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए सुबह मुलाकात की थी। संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर सदन में हंगामा करने पर गुरुवार को सांसदों को निलंबित कर दिया गया। निलंबित किए गए कई सांसदों ने निलंबन के खिलाफ सदन के परिसर में शांति विरोध प्रदर्शन किया। खरगे ने कहा, गृह मंत्री टीवी पर साक्षात्कार दे सकते हैं, लेकिन वह सदन में हुए इस मुद्दे पर बयान देने के

लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट जारी करते हुए कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा के इस मुद्दे पर सवाल उठाना हमारा कर्तव्य है। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश भी खरगे की बात पर सहमति जताई है। इंडिया गठबंधन पार्टियों के नेताओं ने 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर गृह मंत्री अमित शाह को दोनों सदनों में बयान देने की मांग की है। जयराम रमेश ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के इस मुद्दे पर गृह मंत्री ने बयान देने से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया है। यह घटना बुधवार दोपहर एक बजकर एक मिनट पर हुई। लोकसभा में पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल शून्य काल की कार्यवाही को संचालित कर रहे थे। मालदा उत्तर से भाजपा सांसद खगेन मुर्मू अपनी बात रख रहे थे। तभी दो शख्स दर्शक दीर्घा से नीचे कूद गए। नीले रंग की जैकेट पहना एक शख्स सांसदों की सीट पर कूदने लगा। वह लगभग तीन कतार लांघकर आसन की तरफ जाने लगा। अफरा-तफरी के माहौल के बीच कुछ सांसदों ने हिम्मत दिखाकर उसे घेर लिया। मार्शल भी दौड़कर आ गए। तभी उस युवक ने जूते के अंदर से कुछ पदार्थ निकाला। इसके बाद वहां पीले रंग का धुआं उठने लगा। बाद में सांसदों और मार्शलों ने मिलकर दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद पीठासीन अधिकारी ने कार्यवाही स्थगित कर दी।

शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर 10 जनवरी तक करें फैसला

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। महाराष्ट्र की सियासत के लिए एक बार फिर बड़ी खबर सामने आ रही है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नारवेकर को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट के शिवसेना विधायकों की अयोग्यता संबंधी याचिका पर फैसला लेने के लिए थोड़ा और समय दे दिया है। पहले 31 दिसंबर तक का समय दिया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 10 जनवरी कर दिया है। बता दें, सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्तूबर को नार्वेकर को पार्टी में विभाजन के बाद एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुटों द्वारा दायर याचिकाओं पर निर्णय लेने के लिए समय सीमा देने का मौका दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द से जल्द फैसला आना चाहिए। जिसके बाद सुनवाई को 30 अक्तूबर तक के लिए टाल दिया गया था। इसके बाद 30 अक्तूबर को सुनवाई हुई और इसमें विधायकों की अयोग्यता पर निर्णय लेने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को 31 दिसंबर तक का समय दिया गया था। 17 अक्तूबर को सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा था कि हम समय सारिणी से संतुष्ट नहीं हैं। बता दें शीर्ष अदालत ने इससे पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके समर्थित विधायकों को अयोग्य ठहराने के लिए उद्धव ठाकरे गुट द्वारा दायर याचिकाओं पर फैसला करने में देरी पर विधानसभा अध्यक्ष को कड़ी फटकार लगाई थी और कहा था कि स्पीकर शीर्ष अदालत के आदेशों को खारिज नहीं कर सकते। फैसला लेने में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष को उच्चतम न्यायालय की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष से कहा था कि वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत 56 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं को जल्द अपने सामने सूचीबद्ध करें। कोर्ट ने अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने के लिए एक समय-सारणी निर्धारित करने का भी निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि स्पीकर संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत कार्यवाही को अनिश्चितकाल तक टालकर नहीं रख सकते।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मुस्लिम पक्षकारों को सुप्रीम कोर्ट से झटका

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर विवाद में मुस्लिम पक्षकारों को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 14 दिसंबर को दिए फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। बता दें कि हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर का तीन अधिवक्ता आयुक्तों की टीम द्वारा सर्वे करने का आदेश दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को शाही ईदगाह विवाद से जुड़े 18 मामलों में से 17 मामलों की सुनवाई की। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने मथुरा स्थित शाही ईदगाह परिसर का सर्वे करने का निर्देश दिया। यह सर्वे अधिवक्ता आयुक्तों की टीम करेगी। हालांकि सर्वे कब शुरू होगा, इसकी तारीख आनी अभी बाकी है। हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्षकारों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अब सुप्रीम कोर्ट 9 जनवरी को इस मामले पर सुनवाई करेगा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर की 13.37 एकड़ जमीन को लेकर विवाद है। इस जमीन का कमिश्नर सर्वे वाराणसी की ज्ञानवापी परिसर की तरह होगा। अधिवक्ता आयुक्तों की टीम विवादित परिसर में जाकर सबूत जुटाएगी और कोर्ट को अपनी रिपोर्ट देगी। हाईकोर्ट 18 दिसंबर को इस मामले पर फिर सुनवाई करेगा, जिसमें सर्वे के तरीके, सर्वे करने वाली टीम के सदस्यों के नाम, सर्वे कब होगा और सर्वे की फोटो और वीडियोग्राफी कैसे होगी? इस पर निर्देश दिए जाएंगे। हिंदू पक्ष का दावा है कि शाही ईदगाह मस्जिद में मंदिर होने के प्रमाण मौजूद हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और वादी अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह का दावा है कि शाही ईदगाह मस्जिद की दीवारों पर कमल पुष्प, ओम और शेषनाग की आकृति मौजूद है और ये

आकृतियां सनातन धर्म की प्रतीक हैं। यही वजह है कि हिंदू पक्ष ने हाईकोर्ट में मस्जिद परिसर का सर्वे कराने का निर्देश दिया है। वहीं मुस्लिम पक्ष का दावा है कि मस्जिद परिसर में ऐसे कोई चिन्ह या आकृति मौजूद नहीं हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर और शाही ईदगाह मस्जिद का यह पूरा विवाद 13.37 एकड़ जमीन पर मालिकाना हक को लेकर है। इस जमीन के 11 एकड़ में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर है तो बाकी बचे 2.37 एकड़ में शाही ईदगाह मस्जिद बनी है। हिंदू पक्ष का दावा है कि पूरी जमीन श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर की है और पूरी जमीन उन्हें देने की मांग कर रहा है। वहीं मुस्लिम पक्ष इस दावे से इनकार कर रहा है। जानकार दावा करते हैं कि इस विवाद का इतिहास 350 साल पुराना है। साल 1670 में जब दिल्ली में मुगल शासक औरंगजेब का शासन था, उसी दौरान ठाकुर केशव देव मंदिर को तोड़कर उसके ऊपर शाही ईदगाह मस्जिद बनवाई गई थी। मस्जिद के निर्माण में मंदिर के ही अवशेषों का इस्तेमाल किया गया था। यही वजह है मस्जिद में सनातन धर्म के प्रतीक होने का दावा किया जा रहा है।

पाकिस्तान में हिली धरती, 4.2 तीव्रता का भूकंप आया

नई दिल्ली/इस्लामाबाद। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में आज (शुक्रवार) सुबह 9:13 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.2 मापी गई। यह जानकारी नई

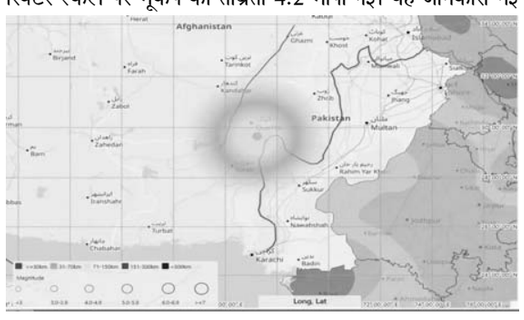

दिल्ली में नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने दी है। एनसीएस के अनुसार पाकिस्तान से अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले पाकिस्तान में चार दिसंबर को भूकंप के झटके महसूस किए थे।

ईरान में रस्क पुलिस मुख्यालय पर आतंकी हमला, 11 की मौत

तेहरान। ईरान के रस्क पुलिस मुख्यालय पर रात करीब दो बजे हुए आतंकी हमले में वरिष्ठ पुलिस अफसरों समेत 11 लोग मारे गए। हमले में कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्रमुख अखबार तेहरान टाइम्स के अनुसार, रस्क पुलिस मुख्यालय दक्षिण-पूर्वी ईरान में है। सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर अली रेजा मरहेमाती ने शुक्रवार को कहा कि यह स्थान तेहरान से लगभग 1,400 किलोमीटर दूर है। इस हमले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कई अन्य सैनिक मारे गए। मरहेमाती ने इस हमले के लिए आतंकवादी समूह जैश-अल-अदल को जिम्मेदार ठहराया है। इससे पहले जैश अल-अदल ने एक बस पर आत्मघाती बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली थी। विस्फोट में ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड के 27 सदस्य मारे गए थे। अखबार ने मरहेमाती के हवाले से कहा है कि जवाबी कार्रवाई में कई आतंकवादी मारे गए। पुलिस प्रवक्ता ने घात लगाकर किए गए हमले को कायरतापूर्ण और आतंकवादी हमला कहा है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी समूह जैश अल-अदेल समूह ने ली है।

ईरान ने 33 देशों के नागरिकों के लिए खत्म की वीजा बाध्यताएं, सूची में भारत का नाम भी शामिल

तेहरान। ईरान ने 33 देशों के नागरिकों के लिए कई वीजा बाध्यताएं खत्म करने का एलान किया है। जिन देशों के नागरिकों के लिए वीजा बाध्यताएं खत्म की गई हैं, उनमें भारत भी शामिल है। ईरान सरकार के इस कदम का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना है ताकि ज्यादा से ज्यादा विदेशी नागरिक ईरान घूमने आ सकें। ईरान के संस्कृति मंत्री, पर्यटन और हस्तशिल्प मंत्री एजातुल्ला जारगामी ने यह जानकारी दी।

इन देशों के नागरिकों को मिलेगी सुविधा

एजातुल्ला जारगामी ने कहा कि पर्यटन बढ़ाने का साथ ही ईरान को लेकर जो माहौल बनाया जाता है, उसे भी खत्म करना इस फैसले का उद्देश्य है। बता दें कि जिन 33 देशों के नागरिकों के लिए वीजा बाध्यताएं खत्म की गई हैं, उनमें भारत, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सऊदी अरब, कतर, कुवैत, लेबनान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, ट्यूनिशिया, तंजानिया, जिम्बाब्वे, मॉरीशस, सेशेल्स, इंडोनेशिया, ब्रूनेई दारुसलाम, जापान, सिंगापुर, कंबोडिया, मलेशिया, वियतनाम, ब्राजील, पेरु, क्यूबा, मैक्सिको, वेनेजुएला, बोस्निया और हर्जेगोविना, सर्बिया, क्रोएशिया और बेलारूस का नाम शामिल है।

बता दें कि ईरान ने जिन देशों को नागरिकों को सुविधा दी है, उनमें पाकिस्तान का नाम शामिल नहीं है। ईरान तुर्किए, अजरबैजान, ओमान, चीन, अर्मेनिया, लेबनान और सीरिया के लोगों को पहले ही वीजा बाध्यताएं खत्म करने की सुविधा दे चुका है। ईरानी मीडिया के अनुसार, ईरान में इस साल पर्यटकों की संख्या में पिछले साल के मुकाबले 48 फीसदी का उछाल आया है और यह 44 लाख के आंकड़े तक पहुंच गई है।

इमरान खान को तोशाखाना मामले में दो दिन की एनएबी की हिरासत में भेजा गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को दो दिन के लिए राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की हिरासत में भेज दिया। इससे पहले दिन में विरोध प्रदर्शन करने में इमरान खान के वकील और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के एक नेता को लाहौर उच्च न्यायालय के बाहर गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में खान (71) पर तोशाखाना नियमों के उल्लंघन का आरोप है। पाकिस्तान के शीर्ष नेताओं को विदेश यात्रा के दौरान मिलने वाले उपहारों को तोशाखाना में रखा जाता है। इमरान का यह वकील उच्चतम न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ वकीलों की हड़ताल में भाग ले रहा था, जिसमें नौ मई की हिंसा में कथित रूप से शामिल नागरिकों पर मुकदमा चलाने की सैन्य अदालतों को अनुमति दी गयी है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस के मुताबिक पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं वकील शेर अफजल मारवत को लोक व्यवस्था अध्यादेश के तहत गिरफ्तार किया गया।

वेस्ट बैंक में इजराइली सैनिकों की छापेमारी में 11 फलस्तीनियों की मौत

वेस्ट बैंक। इजराइली सेना की वेस्ट बैंक में की गई छापेमार कार्रवाई में 11 फलस्तीनी नागरिक मारे गए। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों बताया कि वेस्ट बैंक के जेनिन में इजराइली सैनिकों ने छापेमारी की, जिसमें कम से कम 11 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। साथ ही कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उत्तरी वेस्ट बैंक में इजराइली ऑपरेशन के दौरान एक जख्मी युवक की मौत हुई। साथ ही रात में दो फलस्तीनियों की मौत हुई थी। वहीं, इजरायली सेना ने कहा कि 12 दिसंबर को शुरू हुए ऑपरेशन में कई जगहों पर तलाशी ली गई और सैकड़ों संदिग्धों से पूछताछ की गई।

इजरायली सेना ने कहा कि उन्होंने छह विस्फोटक

प्रयोगशालाओं, भूमिगत सुरंग शाफ्ट और विस्फोटक उपकरणों को नष्ट किया है। फलस्तीनी कैदी क्लब एडोवोकेट समूह ने कहा कि 12 दिसंबर की सुबह छापेमारी शुरू होने के बाद से इजराइली सैनिकों ने सैकड़ों नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से अधिकांश को रिहा कर दिया गया है।

जेनिन में फलस्तीनी रेड क्रिसेंट के निदेशक महमूद अल-सादी ने बताया कि इजरायल मरीजों को ले जाने वाले एम्बुलेंस को कैंप में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पास छह एम्बुलेंस हैं, लेकिन हम उन मरीजों तक भी नहीं पहुंच सकते, जिन्हें अस्पताल ले जाने की जरूरत है, जिनमें से कुछ को डायलिसिस की जरूरत है। इधर, सेना ने अपने बयान में कहा कि विस्फोटों और गोलीबारी के कारण चार सैनिक मामूली रूप से घायल हो गए। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में देखा गया कि सैनिकों ने एक मस्जिद पर कब्जा कर लिया, जहां दूर से छिटपुट गोलीबारी की आवाजें सुनी जा सकती थीं।

गाजा में हमास की कमर टूटी, आत्मसमर्पण के लिए मजबूर

गाजा। इजराइल के आक्रामक सैन्य अभियान ने फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास की कमर तोड़ कर रख दी है। गाजा पट्टी में छिड़े युद्ध के 70वें दिन शुक्रवार को भी हमास के आतंकवादियों का हथियार डालने का सिलसिला जारी है। अब तक सैकड़ों आतंकवादी समर्पण कर चुके हैं। इजराइली सैन्य बलों ने कमल अदवान अस्पताल के पास मुठभेड़ में हमास के कई गुर्गों को मार गिराया। प्रमुख अखबार द यरुशलम पोस्ट के अनुसार, इजरायल-हमास युद्ध आज 70वें दिन में प्रवेश कर गया। हमास के आतंकवादी बड़े समूहों में आईडीएफ के सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण कर रहे हैं। आज सुबह भी हमास के आतंकवादियों ने हथियार डाल दिए। अखबार के अनुसार इजराइल रक्षा बलों के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कॉनरिकस ने कहा है कि गाजा में इजराइल भारी कीमत चुका रहा है, लेकिन उसका

लक्ष्य अटल है।

इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) की जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कमल अदवान अस्पताल के क्षेत्र में हमास की एक इमारत से बड़ी संख्या में हथियार मिले हैं। यहां मुठभेड़ में सैनिकों ने कई आतंकवादियों को मार गिराया। आईडीएफ के अनुसार, बड़ी संख्या में पहुंचे सैनिकों को देखकर हमास के आतंकवादी घबरा गए। इस दौरान 70 से अधिक आतंकवादी हथियार लेकर अस्पताल से बाहर निकल आए। उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। बाद में इनको पूछताछ के लिए खुफिया निदेशालय की यूनिट 504 भेज दिया गया। आईडीएफ ने कहा है कि इस दौरान उसे आतंकी संगठन हिजबुल्लाह से लोहा लेना पड़ रहा है। हिजबुल्लाह ने पांच रॉकेट दागे । इनमें से एक रॉकेट लेबनान से दागा गया। वह अब तक सैकड़ों रॉकेट और मिसाइलें दाग चुका है। सुरक्षा बल उसे माकूल जवाब दे रहे हैं। इस युद्ध पर अमेरिका की चिंता पर द टाइम्स ऑफ इजराइल रिपोर्ट छापी है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने गुरुवार को इजराइल में शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की है। सुलिवन ने तेल अवीव में इजराइली अधिकारियों से बाइडेन प्रशासन की प्राथमिकता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस चाहता है कि इजराइली रक्षा बल गाजा में युद्ध को कुछ हफ्ते में खत्म कर दे। हालांकि, इजराइली नेताओं ने अपनी यह प्रतिज्ञा दोहराई कि आईडीएफ आतंकवादी समूह की हार तक गाजा पट्टी में सैन्य आक्रमण जारी रखेगा।

पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों की वापसी की समय सीमा बढ़ाई

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच अफगान नागरिकों की स्वदेश वापसी और पश्चिमी देशों में भेजे जाने की समय सीमा को पाकिस्तान ने 29 फरवरी तक बढ़ा दी है। यह फैसला अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि थामस वेस्ट के पाकिस्तान दौरे के बाद लिया गया है। थामस वेस्ट ने पाकिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी से मुलाकात की। इसके एक सप्ताह के बाद कार्यवाहक सूचना मंत्री मुर्तजा सोलंगी ने कहा, यह फैसला अफगान नागरिकों को स्वदेश और किसी पश्चिमी देश में जाने के लिए पर्याप्त समय देने के उद्देश्य से लिया गया है। इस फैसले से शरणार्थियों को वैद्य कानूनी दस्तावेज प्राप्त करने में भी सुविधा मिलेगी। बिना दस्तावेज वाले अफगान शरणार्थियों को दूसरे देशों में भेजने के लिए पाकिस्तान पुनर्वास योजना बना रहा है। इसी संबंध में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र ने बिना दस्तावेज वाले अफगान शरणार्थियों को जबरन पाकिस्तान से निकाले जाने की आलोचना की है।

बिलावल भुट्टो को पीपीपी ने प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने पार्टी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो को आम चुनाव में प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी ने कहा कि बिलावल भुट्टो के पिता आसिफ अली जरदारी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे। पीपीपी ने यह घोषणा पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएन-एल) पार्टी द्वारा हाल में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार होने का ऐलान किये जाने के बाद किया है। मीडिया को संबोधित करते हुए पीपीपी के सूचना सचिव फैसल करीम कुंडी ने कहा कि बिलावल प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे और ''हमारी यह इच्छा कि हम 2008 को फिर से दोहराएं और आसिफ जरदारी को राष्ट्रपति बनाएं। उन्होंने कहा कि पीपीपी चुनाव के लिए ''पूरी तरह से तैयार'' है। आसिफ जरदारी वर्ष 2008 में हुए चुनावों के बाद पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने थे और वह 2013 तक इस पद पर रहे थे। बिलावल ने अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया था।

यूक्रेन को सदस्यता देने के लिए यूरोपीय संघ वार्ता शुरू करने पर हुआ सहमत, कीव को मिली अप्रत्याशित सफलता

ब्रसेल्स। यूक्रेन को यूरोपीय संघ में शामिल होने की दिशा में एक बड़ी सफलता उस समय मिली जब यूरोपीय संघ के नेताओं ने इस संबंध में सदस्यता वार्ता शुरू करने पर सहमति जताई। यह यूक्रेन के लिए एक बड़ी राजनीतिक जीत है। वह भी ऐसे समय में जब रूस का हमला लगातार बढ़ता जा रहा है और अमेरिकी सैन्य सहायता भी अनिश्चित हो गई है।

यूरोपीय संघ के राजनयिकों और अधिकारियों ने कहा कि वार्ता के लिए अप्रत्याशित हरी झंडी हंगरी के प्रधान मंत्री विक्टर ओर्बन ने दी है। जिन्होंने इससे पहले कहा था कि वह इस तरह के समझौते को रोक देंगे। ओर्बन ने पुष्टि की कि वह यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में मतदान से दूर रहे थे, जिसे उन्होंने खराब निर्णय कहा था। इस स्तर पर यह स्पष्ट नहीं था कि बदले में उसे वास्तव

में क्या मिल सकता है। ऐसे में इस तरह के निर्णय को मंजूरी देने को असामान्य माना जा रहा है। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा, यह यूक्रेन के लिए एक जीत है। पूरे यूरोप के लिए एक जीत है। एक जीत जो प्रेरित करती है, प्रेरणा देती है और मजबूत करती है। जेलेंस्की ने कहा कि मैं इस दिन प्रत्येक यूक्रेनी को बधाई देता हूं... इतिहास उन लोगों द्वारा बनाया जाता है जो स्वतंत्रता के लिए लड़ते हुए नहीं थकते। यूक्रेन को रूसी सेनाओं के खिलाफ लगभग दो साल से जारी युद्ध में अपने पश्चिमी सहयोगियों के समर्थन की सख्त जरूरत है। हाल ही में यूक्रेन बाइडन प्रशासन की तरफ से यूक्रेन को मिलने वाला 60 बिलियन डॉलर का सहायता पैकेज नहीं मिल सका था। यूरोपीय आयोग के प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यह एक रणनीतिक निर्णय और एक ऐसा दिन है जो हमारे संघ के इतिहास में अंकित रहेगा। उन्होंने कहा, लेकिन 26 सदस्य देश इस बात पर अड़े थे कि यह निर्णय अवश्य लिया जाना चाहिए, इसलिए हंगरी ने निर्णय लिया कि यदि 26 सदस्य ऐसा निर्णय लेते हैं, तो उन्हें अपने रास्ते पर जाना चाहिए और हंगरी इस बुरे निर्णय में भाग नहीं लेना चाहता है।

भारत के साथ हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण समझौता रिन्यू नहीं करेगा मालदीव

मेल। मालदीव एक के बाद एक भारत को झटका दे रहा है। हाल ही में भारतीय सैनिकों की वापसी की मांग करने के बाद अब मालदीव ने भारत के साथ हुए हाइड्रोग्राफिक सर्वे समझौता को खत्म करने का फैसला लिया है।

2019 में हुआ था सर्वे

बता दें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा के दौरान आठ जून, 2019 को हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। जल विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग और खोज के लिए दोनों देशों के बीच यह समझौता हुआ था। जिसे लगातार भारत विरोधी रुख दिखा रही मोहम्मद मोइज्जू की सरकार ने खत्म करने का एलान किया है। गौरतलब है, राष्ट्रपति मोइज्जू को चीन का करीबी समझा जाता है और वह लगातार भारत विरोधी रुख का इजहार करते रहे हैं।

अगले साल होगा खत्म

समझौता अगले साल सात जून को खत्म हो जाएगा। यह समझौता 2019 में मालदीव आईलैंड के पानी पर रिसर्च करने के लिए हुआ था। इस समझौते के तहत भारत को मालदीव आईलैंड के पानी, रीफ, लैगून, कोस्टलाइन, समुद्री धाराओं और टाइड्स पर स्टडी करने की अनुमति दी गई थी। 19 फरवरी से 26 फरवरी 2023 के बीच भारतीय नौसेना ने मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स के साथ

तीसरा जॉइंट हाइड्रोग्राफिक सर्वे किया था। पहला सर्वे मार्च 2021 और दूसरा सर्वे मई 2022 में हुआ था। वहीं, मालदीव सरकार के इस फैसले को इंडिया आउट अभियान के साथ जोड़कर देखा जा रहा है।

राजनयिक समझौतों को रद्द करना

रिपोर्ट के अनुसार, मालदीव ने कहा है कि वह भारत के साथ किए गए हाइड्रोग्राफिक सर्वे समझौते को आगे नहीं बढ़ाएगा। मालदीव के सार्वजनिक नीति के अवर सचिव मोहम्मद फिरुजुल ने कहा कि हफ्ता-14 रोडमैप का हिस्सा अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय और राजनयिक समझौतों को रद्द करना है जो देश की संप्रभुता को खतरे में डाल देंगे। वह गुरुवार को कैबिनेट की बैठक के बाद मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित एक सम्मेलन में बोल रहे थे।

समझौता पांच साल के लिए फिर बढ़ जाएगा

उन्होंने कहा कि मालदीव के राष्ट्रपति और उनके मंत्रिमंडल ने भारत-मालदीव के बीच हाइड्रोग्राफी समझौते को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। हालांकि अगर इसे खत्म करने का कोई आदेश नहीं देता है तो यह समझौता पांच साल के लिए फिर बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और मंत्रिमंडल मालदीव के जल के बारे में जानकारी और आंकड़े देश में ही रखना चाहता है।

इस क्षमता का निर्माण करना चाहती...

अवर सचिव ने यह भी कहा कि सरकार सशस्त्र बलों (एमएनडीएफ) के भीतर इस क्षमता का निर्माण करना चाहती है और एमएनडीएफ के भीतर इस तरह के काम के लिए संसाधनों को विकसित करने के लिए बजट आवंटन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महासागर हाइड्रोग्राफी सर्वेक्षण का काम अब केवल मालदीव के प्राधिकरण के तहत किया जाएगा।

भारतीय मूल की वनिता गुप्ता ने दिया एसोसिएट अटॉर्नी जनरल पद से इस्तीफा

वाशिंगटन। अमेरिका की एसोसिएट अटॉर्नी जनरल भारतीय-अमेरिकी वनिता गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अगले साल वह फरवरी में पद से हट जाएंगी। वह न्याय मंत्रालय में तीसरी रैंकिंग का सर्वोच्च पद पाने वाली पहली अश्वेत महिला हैं। साल 2021 में उन्होंने ये इतिहास रचा था। न्याय विभाग (डीओजे) के अनुसार, साल 2021 में वनिता को एसोसिएट अटॉर्नी जनरल चुना गया था। अब अगले साल वह पद से हट जाएंगी। गारलैंड ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि गुप्ता ने हिंसक अपराध और बंदूक हिंसा से निपटने और अपराध के पीड़ितों का समर्थन करने के लिए विभाग के प्रयासों में एक अभिन्न भूमिका निभाई। इसके अलावा भी उन्होंने कई अहम फैसले लिए।

अटॉर्नी जनरल मेरिक बी. गारलैंड ने कहा कि वनिता गुप्ता ने संघीय कानून द्वारा संरक्षित प्रजनन स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रजनन अधिकार कार्यबल का नेतृत्व किया। अगर गुप्ता की सेवा पर

ध्यान दें तो वो कई विभागों में काम कर चुकी हैं। उन्होंने विभाग के सिविल लिटिगेटिंग डिवीजनों, अनुदान देने वाले घटकों, न्याय तक पहुंच के लिए कार्यालय, सूचना नीति कार्यालय, सामुदायिक संबंध सेवा, संयुक्त राज्य अमेरिका ट्रस्टी कार्यक्रम और विदेशी दावा निपटान आयोग में भी अपने सेवा दी है।

यहां से की पढ़ाई

वनिता गुप्ता ने येल विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई की। उसके बाद न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ से कानून की डिग्री प्राप्त की, जहां उन्होंने बाद में कई वर्षों तक एक नागरिक अधिकार मुकदमा क्लिनिक पढ़ाया। 49 साल की गुप्ता ने शादी नहीं की है।

शुल्क प्रथाओं के खिलाफ लड़ाई...

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

'पाकिस्तान को बचना है तो भारत से व्यापार करना ही होगा', पीएम मोदी के फैन हुए ये पाकिस्तानी बिजनेसमैन

वाशिंगटन। पाकिस्तान के नेतृत्व को इस डर से बाहर आना होगा कि अगर वह भारत से रिश्ते सुधारेंगे तो इससे उनकी राजनीतिक छवि खराब होगी। पाकिस्तान-अमेरिका मूल के एक बिजनेसमैन साजिद तरार ने यह बात कही है। साजिद तरार ने दोनों देशों के बीच अच्छे संबंधों की वकालत की। एक इंटरव्यू में साजिद तरार ने कहा कि 'अब पाकिस्तान के पाले में गेंद है कि वह भारत से अच्छे रिश्ते बनाए। पीएम मोदी एक मजबूत नेता हैं।'

पाकिस्तान जाकर पीएम मोदी ने उठाया था बड़ा कदम

साजिद तरार ने कहा कि 'पूर्व में उन्होंने (पीएम मोदी) एक बड़ा राजनीतिक जोखिम लेते हुए पाकिस्तान का दौरा किया था, तब वह पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम नवाज शरीफ के घर गए थे। यह काफी बड़ा कदम था। वह मजबूत नेता हैं और मैं उनका प्रशंसक हूं।' बता दें कि साजिद तरार अमेरिकन मुस्लिम संगठन के संस्थापक हैं और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक हैं। तरार ने कहा कि 'मैं कई बार भारत गया हूं और मेरा भारत से एक मजबूत रिश्ता है। भारत में उन्हें बहुत प्यार मिलता है। हम सभी शताब्दियों से एक ही उपमहाद्वीप में रहते आए हैं। पाकिस्तानी अमेरिकी बिजनेसमैन ने कहा कि 'पाकिस्तानी नेतृत्व को बड़ा कदम उठाते हुए भारत से व्यापार और पर्यटन बढ़ाना होगा। भारत से व्यापार करना पाकिस्तान के लिए अस्तित्व बचाने का मामला है। पाकिस्तान को भारत से रिश्ते सुधारने ही पड़ेंगे।

फार्मा कंपनी पर ईडी का छापा, दिल्ली एनसीआर समेत पंजाब में तलाशी जारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को चंडीगढ़ की एक फार्मास्युटिकल कंपनी और उसके प्रमोटरों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के तहत छापा मारा है। दिल्ली-एनसीआर और पंजाब में लगभग 12 जगहों पर छापेमारी चल रही है। यह छापेमारी कथित बैंक धोखाधड़ी के मामले में हो रही है। इससे पहले अक्तूबर में भी ईडी ने छापेमारी की थी। जानकारी के लिए बता दें कि केंद्रीय एजेंसी पहले ही पैराबोलिक ड्रग्स के प्रमोटरों विनीत गुप्ता (54) और प्रणव गुप्ता (56) और सीए सुरजीत कुमार बंसल (74) को गिरफ्तार कर चुकी है।

नोएडा में शादी की सुबह पति बना हैवान, सुहाग सेज की जगह नव विवाहिता पहुंची अस्पताल

नोएडा। हाथों में मेहंदी लगाई हजारों अरमान लेकर अपनी ससुराल में डोली से उतरी एक महिला के साथ उसके पति ने ऐसी हैवानियत की कि वह सुहागरात की सेज की बजाय अस्पताल की बेड पर जा पहुंची। महिला के भाई की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर-126 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार सिंह ने बताया कि वैभव क्षात्रा ने थाना सेक्टर-126 में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी बहन की शादी 6 दिसंबर वर्ष 2023 को विवेक बिंद्रा के साथ हुई थी। वह नोएडा के सेक्टर-94 स्थिति सुपरनोवा सोसाइटी में रहता है। पीड़ित का आरोप है कि 7 दिसंबर की सुबह के समय विवेक बिंद्रा अपनी मां प्रभा से झगड़ा कर रहा था। इस बात को लेकर उसकी बहन यामिका ने बीच बचाव किया तो उसका जीजा आक्रोशित हो गया। उसने उसकी बहन को कमरा मे बंद करके जमकर पीटा, जिससे उसके पूरे शरीर पर गहरा जख्म हुआ। कान से सुनाई नहीं दे रहा है। आरोप यह भी है कि उसके जीजा ने उसकी बहन के बाल नोच लिए, जिसकी वजह से उसे चक्कर आ रहा है। पीड़ित के अनुसार गंभीर हालत में उसने अपनी बहन को दिल्ली स्थित कैलाश दीपक हॉस्पिटल में भर्ती करवाया है। पीड़ित का आरोप है कि उसके जीजा ने उसकी बहन का मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी विवेक बिंद्रा के खिलाफ धारा 323, 504 ,427, 325 के तहत मुकदमा दर्जकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में आवारा कुत्ते को खाना खिलाने को लेकर सोसाइटी में बवाल

नोएडा। नोएडा में आवारा कुत्तों को लेकर वाद विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला एक सोसाइटी का आया है, जहां पर खुले में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर पशु प्रेमी और सोसाइटी के लोग आपस में भिड़ गए और काफी कहासुनी हुई। मिली जानकारी के मुताबिक, बुधवार रात को नोएडा के सेक्टर 137 स्थित सुपरटेक इकोसिटी सोसाइटी में सार्वजनिक स्थान पर एक महिला कुत्तों को खाना खिला रही थी। सोसाइटी निवासियों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। महिला और निवासियों के बीच करीब घंटे तक बहस होती रही। पुलिस के हस्तक्षेप करने के बाद मामले को शांत कराया जा सका। इस मामले में समिति की ओर से गुरुवार को सेक्टर 142 थाने में महिला के खिलाफ शिकायत दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दोनों ही पक्षों को समझा बुझा कर मामले को वहीं समाप्त कर दिया गया। यह कोई पहला मामला नहीं है, इस तरीके के मामले लगातार सामने आते रहते हैं।

एफआईआर में दावा- स्मोक से हो सकता था सांसदों की जान को खतरा, ललित झा ने नहीं इन लोगों ने जलाया था मोबाइल

नई दिल्ली। देश की राजधानी में लोकतंत्र के मंदिर कहे जाने वाले संसद भवन की सुरक्षा में जिस तरह की चूक हुई उससे पूरा देश स्तब्ध है। अब इस मामले में शामिल सभी लोगों पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस यूनिट एक-एक कर शिकंजा कस रही है।

आरोपियों के जूते से हुई थी छेड़छाड़, एफआईआर में आई सामने

दोनों आरोपी सागर शर्मा और मनोरंजन डी के जूते में अतिरिक्त रबर जोड़कर उसमें जगह बनाई गई थी। दोनों आरोपियों के पास से दो पर्चे भी बरामद किए गए थे। एक पर्चे में अंग्रेजी में जय हिंद लिखा था और तिरंगे की फोटो लगी थी। इस पर हिंदी में भी स्लोगन लिखे थे। वहीं दूसरी पर्ची में मणिपुर मुद्दे को लेकर अंग्रेजी में स्लोगन लिखे थे।

स्मोक क्रैकर से हो सकता था सांसदों की जान को खतरा

दिल्ली पुलिस ने एफआईआर में कहा है कि स्मोक क्रैकर से सांसदों की जान को खतरा हो सकता था।

ललित ने नहीं उसके दो दोस्तों ने जलाए थे सभी आरोपितों के मोबाइल

दिल्ली पुलिस ने संसद भवन

की सुरक्षा में सेंध मामले में राजस्थान के रहने वाले महेश और कैलाश को भी हिरासत में ले लिया है। ललित झा ने वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड कर अपना और चारों आरोपियों का मोबाइल राजस्थान जाकर महेश और कैलाश को सौंप दिया था। पुलिस को इन्होंने बताया है कि दोनों ने सभी आरोपितों के मोबाइल जला दिए। पुलिस जांच में सामने आया है कि ललित झा बिहार का रहने वाला है। महेश और कैलाश , ललित झा के दोस्त हैं।

महेश और कैलाश ने दिया लॉजिस्टिक सपोर्ट

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने संसद भवन की सुरक्षा में सेंध मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया है दोनों पर अन्य आरोपियों के साथ मिले होने का शक है। दोनों से स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस पूछताछ कर रही हैं। इन पर आरोपियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देने का आरोप है। महेश और कैलाश दोनों राजस्थान के रहने वाले हैं और ये भी भगत सिंह संगठन से जुड़े हुए हैं।

महेश भी जाने वाला था दिल्ली

महेश भी संसद में हंगामा करने के मकसद से दिल्ली आने वाला था लेकिन किसी कारणवश उसे परिजनों ने रोक दिया था।

दिल्ली पुलिस ने बनाई कई टीमें

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की कुछ टीमें बनाई गई हैं, जो आरोपियों को अलग-अलग जगह लेकर जाएंगी। एक टीम मैसूरू जाएगी मनोरंजन के ठिकाने तलाशेगी। एक टीम नीलम आजाद को लेकर हिसार जाएगी।एक टीम लखनऊ जाकर जांच करेगी जहां से सागर ने जूते खरीदे और सोल को कटवा कर कैविटी यानी सामान छिपाने की जगह बनवाई थी। एक टीम कोलकाता जाएगी। सेल की टीम राजस्थान में भी सबूत खंगालने जाएगी। जहां ललित ने घटना के बाद भागकर फोन नष्ट किए और महेश के साथ आगे की प्लानिंग की।

कोहरे ने फिर रोकी ट्रेनों की रफ्तार, विक्रमशिला एक्सप्रेस सवा चार घंटे लेट

नई दिल्ली। दिल्ली आने वाली कई ट्रेनें शुक्रवार को भी काफी विलंब से चल रही हैं। पिछले दिनों की तुलना में देरी से चलने वाली ट्रेनों की संख्या में कमी आई है, लेकिन भागलपुर-आनंद विहार टर्मिनल सहित बिहार आने वाली कई ट्रेनें चार घंटे विलंब से चल रही हैं। दक्षिण व पश्चिम दिशा से आने वाली अधिकांश ट्रेनों के समय में सुधार हुआ है। पिछले दिनों तेलंगाना एक्सप्रेस, जीटी एक्सप्रेस, तमिलनाडु एक्सप्रेस, भोपाल एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें काफी विलंब से चल रही थीं। इस दिशा की अधिकांश ट्रेनें आधे से एक घंटे की देरी से पहुंची। सिर्फ आंध्र प्रदेश एक्सप्रेस सवा तीन घंटे की देरी से चल रही है। वहीं, लोकल ट्रेनों में चलने वाले यात्रियों की परेशानी बनी हुई है। मथुरा से गाजियाबाद के बीच चलने वाली मेमू सहित कई ट्रेनें आधे से एक घंटे की देरी से चल रही हैं।

देरी से चलने वाली प्रमुख ट्रेनें

भागलपुर-आनंद विहार टर्मिनल विक्रमशिला एक्सप्रेस-सवा चार घंटे
मुजफ्फरपुर-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस-चार घंटे
विशाखापट्टनम-नई दिल्ली आंध्र प्रदेश एक्सप्रेस-सवा तीन घंटे
बरौनी-नई दिल्ली हमसफर क्लोन एक्सप्रेस-सवा चार घंटे
हलदिया- आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस-पौने तीन घंटे
दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति-तीन घंटे
राजेंद्र नगर-नई दिल्ली बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस-दो घंटे
सिकंदराबाद-हजरत निजामुद्दीन-डेढ़ घंटे
यशवंतपुर-हजरत निजामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस-एक घंटा
बेंगलुरु सिटी-हजर निजामुद्दीन कर्नाटक एक्सप्रेस-एक घंटा
मथुरा-गाजियाबाद मेमू-सवा घंटे

खाटू श्याम दिल्ली धाम दर्शन कर लौट रही थीं दो महिलाएं, फॉर्च्यूनर ने मारी जोरदार टक्कर; एक की मौत

बाहरी दिल्ली। अलीपुर खाटू श्याम दिल्ली धाम मंदिर के सामने आज सुबह सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पास के ही एक सरकारी अस्पताल में रखवा दिया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से जानकारी जुटा रही है।

दूसरी महिला की हालत गंभीर

जीटी करनाल पर आए दिन सड़क हादसे होने की घटना रुकने का नाम नहीं ले रही। खाटू श्याम दिल्ली धाम मंदिर में आई दो महिलाएं रोड पार कर रही थी, तभी तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर गाड़ी ने महिलाओं को टक्कर मार दी। जिसमें से एक महिला की मौके पर मौत हो गई , वहीं एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना के बाद रोड पर लगा लंबा जाम

जानकारी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस व दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान जीटी करनाल पर काफी लंबा जाम भी लग गया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने जाम खुलवाया।

दिल्ली पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर नजदीकी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि फॉर्च्यूनर की रफ्तार काफी तेज थी। टक्कर मारने के बाद कर चालक वहां से फरार हो गया। गाड़ी के नंबर के आधार पर दिल्ली पुलिस आरोपित कार चालक की तलाश में जुटी है।

दिल्ली में 4.9 डिग्री तक लुढ़का पारा, सीजन की सबसे ठंडी रही शुक्रवार की सुबह; 18 के बाद कहर बरपाएगी सर्दी

नई दिल्ली। दिल्ली में बीते कुछ दिनों से ठंड का कहर बरकरार है। शुक्रवार को भी सर्दी का यही सितम जारी है और आज की सुबह इस सीजन की सबसे ठंडी सुबह के रूप में दर्ज हुई है।

शुक्रवार सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस सीजन का अब तक का सबसे कम दर्ज तापमान है। यह सामान्य से 4 डिग्री कम है।वहीं आज सुबह 8.30 बजे सफदरजंग और पालम में दृश्यता 800 मीटर मापी गई, जो बीते कुछ दिनों से ज्यादा है।

18 के बाद बदलेगा मौसम

राष्ट्रीय राजधानी में 18 के बाद और तेजी से ठंड बढ़ेगी। न्यूनतम तापमान पांच डिग्री तक आ जाएगा। वहीं 21 तारीख के बाद और क्रिसमस से पहले वर्षा होने की भी संभावना है।

स्काईमेट वेदर के अनुसार महीने के तीसरे और चौथे सप्ताह में सर्दी जोर पकड़ सकती है। उधर न्यूनतम तापमान में कुछ और गिरावट आने से अब बृहस्पतिवार को सुबह दिल्ली में अभी तक की सबसे ठंडी दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह इस सीजन का अभी तक का सबसे कम है। दूसरी तरफ सुबह सात बजे पालम और सफदरजंग में दृश्यता का स्तर सिर्फ 600 मीटर तक रह गया।

सप्ताह भर रहेगा ऐसा मौसम

अधिकतम तापमान 24.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है। हवा में नमी का स्तर 100 से 35 प्रतिशत तक रहा। सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.0 डिग्री की दृष्टि से मुंगेशपुर जबकि सबसे कम अधिकतम तापमान 21.9 डिग्री के लिहाज से पालम और मयूर विहार सबसे ठंडे इलाके रहे।

मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार को सुबह कोहरा होगा। दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 24 और न्यूनतम छह डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

कमोबेश ऐसा ही मौसम सप्ताह भर बना रहेगा। सुबह के बाद धीरे धीरे दिन की ठंडक में भी इजाफा होगा।

गाजियाबाद में शादियों में लूटने वाला बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पुलिस और बदमाश के बीच देर रात मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में एक बदमाश गोली लगने के बाद गिरफ्तार किया गया। आरोपी के गैंग के अन्य सदस्यो की पुलिस तलाश कर रही है। इस गैंग ने गाजियाबाद के लोनी और उसके आसपास के इलाके में पुलिस को परेशान कर रखा था। गैंग के बदमाश शादी समारोह में लोगों से बैग लूट कर फरार हो जाते थे। गैंग के एक बदमाश के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई है। बदमाश पर दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

गाजियाबाद में एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य ने बताया की थाना लोनी पुलिस की एक बदमाश से मुठभेड़ हुई है। पुलिस को सूचना मिली थी की शादी समारोह में लूट करने वाले गैंग का एक बदमाश

लोनी आने वाला है। पुलिस चेकिंग कर रही थी, इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक आती दिखाई दी। इसको रोके जाने पर बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। यह बदमाश लोनी के बंथला फ्लाईओवर से उतार रहा था, जहां पुलिस ने इसे रोका। उसके बाद फायरिंग करता हुआ यह बदमाश बंद फाटक की तरफ भागने लगा। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह सड़क पर गिर गया। इसके बाद पुलिस ने इसको गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में बदमाश में अपना नाम दिलबर बताया। पुलिस के मुताबिक इसके ऊपर दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं और हाल फिलहाल में लोनी और उसके आसपास में शादी समारोह में हुई चार लूट इसने कबूल की है। दरअसल इस गैंग के बदमाश बैंक्वेट हॉल या शादी समारोह स्थल के बाहर रेकी करते थे। जिसके पास पैसों व ज्वेलरी वाला बैग दिखता था, उसे लूट कर फरार हो जाते थे।

सिग्नेचर ब्रिज हादसे पर दिल्ली पुलिस का एक्शन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने वजीराबाद में सिग्नेचर ब्रिज पर ऑटो से स्टंट करने वाले पर कड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले पर संज्ञान लेते हुए मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत पहले ऑटो को जब्त किया और उसके बाद 32 हजार रुपये का चालान काटा है। दिल्ली पुलिस ने एक्स पर लिखा कि सिग्नेचर ब्रिज पर ऑटो रिक्शा द्वारा स्टंट करने के प्रकरण का संज्ञान लेते हुए दिल्ली यातायात पुलिस ने ऑटो रिक्शा को सीज करते हुए मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कई धाराओं में 32,000 रुपये का चालान काटा है। सिग्नेचर ब्रिज पर ऑटो से स्टंट करने का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इसमें तेज रफ्तार ऑटो

पर सवार एक युवक लटककर जाते हुए दिख रहा था। इस दौरान एक साइकिल सवार भी उससे टकराकर घायल हो गया। साइकिल सवार की ओर से पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली। वीडियो संज्ञान में आने के बाद वजीराबाद थाना पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने और स्टंट करने का मामला दर्ज किया।

सिग्नेचर ब्रिज पर ऑटो रिक्शा द्वारा स्टन्ट करने के प्रकरण का संज्ञान लेते हुए दिल्ली यातायात पुलिस ने ऑटो रिक्शा को सीज़ करते हुए मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कई धाराओं में कुल ?32,000 का चालान किया। पुलिस के अनुसार, घायल साइकिल सवार की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। वायरल वीडियो बाइक सवार के हेलमेट में लगे कैमरे से बना हुआ है। बाइक सवार सिग्नेचर ब्रिज पर जा रहा था। उसके आगे चल रहे ऑटो पर युवक लटककर बगल से गुजरने वाले वाहनों पर हाथ मार रहा था। इस बीच युवक आगे चल रहे एक साइकिल सवार से टकरा गया। आसपास मौजूद लोगों ने मामूली रूप से घायल साइकिल सवार को उठाया।

NAME CHANGE
I, Dharambir S/o Maman Singh R/o F 21/40 second floor sector 15 rohini delhi 110085 have changed my name from Dharambir to Dharambir singh for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Lalita Rani W/O Vijay Sharma R/O 758/22, khandra road Gandhi nagar Gurgaon haryana 122001 have changed my name to Lalita Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Jagrathi W/o Late Sumant Singh Nagar R/O H.No.A-90, gali No.5 Tukmirpur Extn, Karawal Nagar, North East Delhi-94, have changed my name from JAGAN to JAGRATHI for all future purposes, vide affidavit dated 15 Dec 2023.

NAME CHANGE
I,Bala W/o Dharambir Singh R/O F 21/40 second floor sector 15 rohini delhi 110085 have changed my name from Bala to Rajbala for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ONU KUMAR S/O ASHOK KUMAR residing at 83/5 BHUTON WALI GALI NANGLOI DELHI-110041 have changed my name to ONU GOEL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
My client Shri Satbir S/o Sh. Mangat Ram R/o D-47, Aali Vihar, Sarita Vihar, New Delhi-110076 has debarred/ disowned his son Kamal Kumar from all his moveable/immovable properties and assets and severed all relations with him due to his misbehavior towards my client, my client shall not be responsible for any acts done by him in future.
Ajit Singh Tomar Advocate
531, LAWYER'S CHAMBER BLOCK, SAKET COURT, NEW DELHI-110017

NAME CHANGE
I, ARJUN SINGH S/O GURJIT SINGH residing at 3499 3RD FLOOR KUCHA LAL MAN, NEAR DELHI GATE, DARYA GANJ, DELHI-110002 Declare that ARJUN is my first name and my surname is SINGH

NAME CHANGE
I, NISHA Wife of VIJAY SINGH SHANKHALA R/o H NO-233, BALSAMAND, NAGAUR, RAJASTHAN-341304 have changed my name from NISHA to NISHA KANWAR for all future purposes vide affidavit dated 15/12/2023 before Notary Public, Delhi.

COURT NOTICE
BEFORE THE MOTOR ACCIDENT CLAIMS (HON'BLE SUBORDINATE JUDGE, KARAIKAL.)
MACTOP. No. 38/2022
Vetrivel, S/o Singaravelu, No. 33, Nalankulam Street, Thirunallar, Karaikal, District.
Puducherry State. .,.....Petitioner
Vs
Yasin Altaf Gosani, S/o Altaf, No. B-284/1 F/F, Chhattapur, ENC PH-2, SOUTH DELHI 110 074.
.....2nd Respondent
SUBSTITUTED NOTICE
Petitioner filed MACTOP No. 38/2022 claiming compensation for injuries sustained in Road accident on 03.11.2021 by your vehicle No. DL-4 CAD 5655. Hearing date is 12-01-2024. Notice sent to your address returned. Hence substituted service is given to you by this Publication. If you fail to appear on 12-01-2024 in person or pleader before the said Tribunal at Karaikal, the case will be decided exparte.
-/BY ORDER OF THE COURT/-

Lost and found
I, ASHA W/o PRAKASH R/O 2327 GALI KUIN WALI BASTI BALMIKI SITA RAM BAZAR DELHI-06. inform I have lost/misplaced E-stamp paper vide No. IN-DL 08969075642753V on behalf of representatives/Parties. If anybody finds, contact Asha MOBILE NO 9210609529

NAME CHANGE
I, SAKUNTALA DEVI M/o JC-812966N Rank NB/SUB Name RAJEEV KUMAR R/o VILL-SOHARI, PO-MALANGAR, TEH-BANGANA, DIST-UNA, (HIMACHAL PRADESH)-170308 have changed my name from SAKUNTALA DEVI to SHAKUNTLA DEVI for all future purposes. Vide Affidavit dated 15/12/2023 before Notary Delhi (India)

PUBLIC NOTICE
Be it know to General Public that my client Sh. DAYANAND S/o Sh. PRABHATI AND SMT. SUMAN both R/o 451, DHANSA VILLAGE SOUTH WEST DELHI-110073 has disowned and debarred their son namely SUNNY KUMAR S/O DAYANAND R/O 451, DHANSA VILLAGE SOUTH WEST DELHI-110073, his wife SHEETAL and his Daughters MISHTI & RAKSHI, and MANISH S/O DAYANAND R/O 451, DHANSA VILLAGE SOUTH WEST DELHI-110073 his wife SEEMA, from moveable and immovable properties due to their misbehavior, misconduct and disobedient attitude and my client has severed all relations with all of them. If in future if anybody deals with them shall do at his/her own risk and my clients shall not be responsible in any manner for their any kind of act and deeds.
MANOJ KUMAR TOMAR
ADVOCATE
DWARKA DISTRICT COURT HALL NO-2, SEAT NO-20, FIRST FLOOR, LAWYERS CHAMBER BLOCK, DWARKA SOUTH WEST DELHI-110075

NAME CHANGE
I, NO-3191814F Rank-HAV Name-SADIL KUMAR BAGARIA S/o BHOLU RAM BAGARIA residing at VILL-SUNARI, PO-SEFRAGUNWAR, TEH-KHETRI, DISTT-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-332716, have changed my minor son's name from RINKU KUMAR to PRINCE BAGARIA for all future purposes vide affidavit dated 15/12/2023 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
श्रीमती मैक्सिमा तिग्गा पत्नी श्री रेमंड तिग्गा, खसरा संख्या 63/3 के बाहर 100 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली संपत्ति संख्या एम-16 पर बिना छत के अधिकार के निर्मित फ्रीहोल्ड आवासीय दूसरी मंजिल (सामने की ओर) की मालिक हैं। गाँव का क्षेत्र - हस्तसाल, दिल्ली कॉलोनी, जिसे मोहन गार्डन के नाम से जाना जाता है, ब्लॉक - एम, उत्तम नगर, नई दिल्ली में। बिक्री विलेख के आधार पर दिनांक 04/05/2018 को एसआर आईआईबी, जनकपुरी के कार्यालय में दस्तावेज़ संख्या 11171, पुस्तक संख्या 01, वॉल्यूम संख्या 3189, पृष्ठ संख्या 14-23 के रूप में विधिवत पंजीकृत किया गया, नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेज़ में दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं है। यानि स्वर्गीय श्री यशवन्त गहलोत की एसएमसी और स्वर्गीय श्रीमती चित्रा देवी गुप्ता की एसएमसी, हमारे ग्राहक घोषणा कर रहे हैं कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्रीमती सीमा शर्मा को बिकने जा रही है, और इसे मोतीलाल द्वारा वित्तपोषित किया गया है। ओसवाल होम फाइनेंस लिमिटेड, डी-31, पहली मंजिल, आचार्य निकेतन मयूर विहार, फेज-1 दिल्ली - 110091। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at-09958871432

NAME CHANGE
I, KALAN DEVI Mother of JC-501434P Rank-SUB Name-JOGINDER SINGH R/o VPO-BHAMBOTAR, TEH- MUKERIAN, DIST-HOSHIARPUR, PUNJAB-144224, have changed my name from KALAN DEVI to RAM KALI for all future purposes vide affidavit dated 15/12/2023 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारी ग्राहक श्री किरण बीर सिंह पुत्र श्री मोकम सिंह फ्रीहोल्ड आवासीय फ्लैट संख्या यूजीएफ-102, एम.आई.जी. के मालिक हैं। छत के अधिकार के बिना ऊपरी भूतल पर, क्षेत्रफल 600 वर्ग फुट यानी। 55.74 वर्ग मीटर, प्लॉट नंबर 1, खसरा नंबर 172 में से, ग्राम इंदरगढ़ी परगना डासना तहसील और जिला में आवासीय कॉलोनी राधा कृष्ण एन्क्लेव गाज़ियाबाद, यू.पी. में स्थित है। सदाचार से, आज तक की बिक्री विलेख और अपना मूल बिक्री विलेख दिनांक 15.01.2021 को दस्तावेज़ संख्या 387, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 17806, पृष्ठ संख्या 251-274 दिनांक 15.01.2021, एसआरओ- I गाजियाबाद के रूप में खो दिया है, इसे निष्पादित किया गया था श्री विपिन सिरोही पुत्र श्री एससी सिरोही के पक्ष में, अब हमारा ग्राहक यह घोषणा कर रहा है कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री सर्वेश सिंह पुत्र श्री लाखन सिंह को बिकने जा रही है। आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड दुकान नंबर 15, 16, और 17, पहली मंजिल, कृष्णा कॉम्प्लेक्स, निठारी, सेक्टर -31 के पास, नोएडा गौतमबुद्ध नगर यूपी द्वारा वित्त पोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारङ्गस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at-09958871432

नगर निगम हाऊस की बैठक में प्रस्तुत सभी 12 प्रस्ताव सदन की सहमति से हुए पास, महापौर रेनू बाला गुप्ता ने की अध्यक्षता

करनाल। नगर निगम हाऊस की गुरूवार को हुई साधारण बैठक महापौर रेनू बाला गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा, मुख्यमंत्री के विधानसभा प्रतिनिधि संजय बठला, वरिष्ठ उप महापौर राजेश अग्घी, उप महापौर एडवोकेट नवीन कुमार तथा पार्षदगण व निगम के तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में महापौर ने दिव्य नगर योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत शहर में अनुमानित 20 करोड़ रुपये की लागत की दो बड़ी परियोजनाओं पर काम करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसमें 8 किलोमीटर लम्बाई की विभिन्न सडक़ों तथा शहर के मुख्य-मुख्य पार्क व चौक-चौराहों का सौंदर्यकरण करवाया जाना है। इन दोनो कार्यों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करके मुख्यालय भेजी जा चुकी है। इनकी अनुमति जल्द ही मिल जाएगी और उसके बाद उक्त दोनो कार्यों की निविदा आमंत्रित कर काम करवाया जाएगा। उन्होंने सम्बंधित कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए कि मुख्यालय से सम्पर्क कर शीघ्र अनुमति लें और प्रक्रिया को आगे बढ़ाएं।

नगर निगम आयुक्त ने बैठक में पार्षदों को जानकारी देते बताया कि शहर के विकास, सौंदर्यकरण और साफ-सफाई को बढ़ावा देने के लिए नगर निगम लगातार काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रगति पर चल रहे विकास कार्यों को समय पर पूरा करवाने के लिए निगम अभियंताओं को निर्देश दिए गए हैं। जो एजेंसी निर्माण कार्यों में देरी कर रही है, उसे ब्लैकलिस्ट करने को भी कहा गया है। अभियंताओं को निर्देश दिए कि सफाई कर्मचारियों के हाजिरी स्थल पर शैड व शौचालयों का निर्माण जल्द करवाया जाए। शहर में विभिन्न चौक-चौराहों पर लगे सिटी गाईड मैप से मैप खराब हो चुके हैं, उन्हें भी ठीक करवाया जाए। सामुदायिक व सार्वजनिक शौचालयों के बेहतर रख-रखाव के लिए एक निजी एजेंसी का ठेका दिया गया है। इसके लिए 213 सीट्स को हैंडओवर किया जा चुका है। कॉलोनियों में मौजूद सीवरों को गली के लेवल पर लाने के लिए अलग से टैण्डर लगाया गया है। मेन होल के टूटे ढक्कन भी बदले जाएंगे, यह अलग से मंगवाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि मार्किट क्षेत्र में रात्रि सफाई करवाई जाएगी। इसकी तकनीकी स्वीकृति के लिए फाईल को मुख्यालय भेजा गया है। दो वर्ष के लिए इसका टैण्डर लगाया जाएगा। गली-मोहल्लों में भय का प्रयाय बने आवारा कुत्तों से नागरिकों को निजात मिलेगी। निगमायुक्त ने बताया कि इसके लिए 3 बार टैण्डर लगाए गए हैं, परंतु कोई भी एजेंसी सामने नहीं आई है। अब इस कार्य को नगर निगम अपने स्तर पर करवाएगा। इसके लिए स्लाटर हाऊस में ऑप्रेशन थिएटर तैयार किया जाएगा और वेटरनरी डॉक्टर हायर करके कुत्तों की नसबंदी का कार्य करवाया जाएगा। इस पर सभी पार्षदों की ओर से सहमति जताई गई। उन्होंने बताया कि बंदरों को पकडऩे के लिए भी टैण्डर लगाया गया था, इसके लिए 3 एजेंसियां क्वालिफाई हुई हैं। निविदा प्रक्रिया जल्द पूरी करके सही काम करने वाली एजेंसी को वर्क अलॉट किया जाएगा।

निगमायुक्त ने पार्षदों को जानकारी दी कि निगम के अधीन सामुदायिक केन्द्रों को लीज पर देने की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए आगामी 21 दिसंबर को खुली बोली करवाई जाएगी। इसके पहले 18 दिसंबर को प्री-बिड मीटिंग रखी गई है, ताकि बोली में भाग लेने वाले बोलीदाताओं की नियम व शर्तों इतयादि समस्या का निदान किया जा सके। उन्होंने बताया कि इसकी बुकिंग के लिए सरकार द्वारा पोर्टल बनाया जा रहा है। इनकी ऑनलाईन बुकिंग ही करवाई जाएगी। यह कार्य नगर निगम स्तर पर होगा। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को पशु डेयरियों को पिंगली डेयरी स्थल पर शिफ्ट करने में ओर तेजी लाने के भी निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त आवारा पशुओं को पकडऩे तथा शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के अभियान को भी जारी रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी पार्षदों से आग्रह किया कि आगामी 16 दिसंबर से नगर निगम क्षेत्र में विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रारम्भ होने जा रही है, जो करीब एक महीने तक चलेगी। उन्होंने बताया कि 16 दिसंबर को होने वाले कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लाईव जुड़ेंगे और देशवासियों को अपना संदेश देंगे। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं का नागरिकों को लाभ दिया जाएगा। इसके लिए एक वैन भी वार्ड का जाएगी। उन्होंने पार्षदों से कहा कि इसके लिए वार्ड में ऐसी जगह का चयन करें, जहां अधिक संख्या में नागरिक एकत्र होकर विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सकें। इस मौके पर महापौर ने भी जानकारी दी कि आगामी 23 दिसंबर को शहर में गीता जयंती मनाई जाएगी। इस दिन प्रात: 11 बजे सभी 1 मिनट के लिए गीता पाठ करें। उन्होंने बताया कि शहर में विभिन्न चौक-चौराहों पर लगी एल.ई.डी. स्क्रीन पर भी गीता पाठ चलाया जाएगा।

कॉलोनी नियमितकरण मामलों में आएगी ओर तेजी- मीटिंग में महापौर रेनू बाला गुप्ता ने भवन शाखा को निर्देश दिए कि वह निगम क्षेत्र की कॉलोनियों के नियमितकरण मामलों में ओर तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि अधिकारी साप्ताहिक लक्ष्य लेकर इस काम को करें। इस पर एटीपी ने जानकारी दी कि नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग की ओर से 39 कॉलोनियों की सूची निगम में आई थी। इनमें से 8 कॉलोनियां सरकार की ओर से पास कर दी गई हैं, इनकी नोटिफिकेशन आनी बाकी है। इसके अतिरिक्त 20 कॉलोनियों के केस तैयार करके भेजे जा चुके हैं। शेष प्रक्रियाधीन हैं, जो जल्दी मुख्यालय भेजे जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त 2018 में वैध हुई कॉलोनियों के कुछ हिस्से अनअप्रूव्ड रह गए थे। ऐसे 88 पैच हैं। इनमें से 28 का रिकॉर्ड उपलब्ध है और 22 पैच के केस तैयार किए जा चुके हैं, जिन्हें मुख्यालय आगामी कार्यवाही हेतू प्रेषित किया जाएगा। अन्य पैच की प्रक्रिया भी जल्द पूरी कर ली जाएगी। इस पर निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी कॉलोनियों को वैध करवाने की प्रक्रिया 28 फरवरी से पहले-पहले पूरी कर सरकार के पास भेजी जाए।

शहरवासियों की सुविधा के लिए लाएं बड़ा प्रोजेक्ट- निगमायुक्त ने अभियंताओं को निर्देश दिए कि शहरवासियों की सुविधा के लिए कोई बड़ा प्रोजेक्ट लेकर आएं। उन्होंने कहा कि जनसंख्या बढऩे के साथ-साथ शहर में ट्रैफिक भी बढ़ रही है। इसके लिए वह शहर का यातायात विश्लेषण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए अंडरपास इत्यादि बनाए जा सकते हैं। इसके लिए शहर में किसी एक जगह का चयन कर ऐसी परियोजना लाएं, अगर वह सही साबित होती है तो उसे दूसरे क्षेत्रों में भी लागू किया जाए। उन्होंने बैठक में मौजूद पार्षदों से कहा कि उनके पास शहर के विकास के कोई अच्छा प्लान हो तो उसे अवश्य बताएं।

हाऊस की मीटिंग में प्रस्तुत एजेंडा में सभी 12 प्रस्ताव हुए पास- गुरूवार को हुई हाऊस की मीटिंग में 12 प्रस्तावों का एजेंडा रखा गया था। मीटिंग में मौजूद पार्षदों ने अपनी सहमति देकर सभी प्रस्तावों को पास कर दिया। सदन में वार्ड 12, 14 व 18 के पार्षद को छोड़ शेष सभी पार्षद तथा मनोनती पार्षद दीपक गुप्ता मौजूद रहे। करीब 4 घण्टे चली मीटिंग शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गई। उप निगम आयुक्त अरूण भार्गव ने एजेंडा प्रस्तुत किया।

यह थे प्रस्ताव- 12 प्रस्तावों के एजेंडा में से 1 बीती 10 अक्तूबर को हुई बैठक की कार्रवाई की पुष्टि करने को लेकर था।

प्रस्ताव-2, वार्ड नम्बर 20 के गांव उचाना में पंजाबी राजपूत समाज के लिए चौपाल का निर्माण करवाने बारे था, जिसे सभी पार्षदों की सहमति से पास कर दिया गया।

डीपु होल्डरों में महिलाओं की होगी 50 प्रतिशत भागीदारी-ज्योति शर्मा

पानीपत। केंद्र व राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण को लेकर ठोस कदम उठाए हैं । अब महिलाओं की डिपो होल्डर में 50 प्रतिशत की भागीदारी होगी। यह बात जिला परिषद की अध्यक्ष ज्योति शर्मा ने वीरवार को गांव नोल्था डुंगरान में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित किया जा रहे जन संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि लोगों को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में लोगों मे विशेष उत्साह दिखाई दिया। गांव के लोग मोदी सरकार की गारंटी वैन का स्वागत करने के लिए दूर दराज से पहुंचे। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य संबंधित विभिन्न रोगों की जांच करवाई व प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों ने किस तरह से योजना का लाभ लिया वह भी लोगों के साथ अपना अनुभव साझा किया।

चैयरमेन ने कहा कि आज पूरे देश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन दिए जा रहें हैं। सरकार की तरफ से फैमिली आईडी, प्रॉपर्टी आईडी, आधार कार्ड ,आयुष कार्ड की त्रुटियों को ठीक करने के लिए कैंपों का आयोजन किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प के तहत जनसंवाद कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निदान किया जाता है व शिवरों में अधिकारी लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराते हैं व उनके लाभ कैसे ले सकते हैं उनकी जानकारी देते हैं।

उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो जाएगा। विकसित भारत के लिए सबसे पहले हमें खुद को तैयार करना होगा । क्योंकि भारत की पहचान कौशल के साथ है। जब तक हम विकसित नहीं होंगे भारत विकसित कैसे कहलाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक पूरे भारत को विकसित करने का सपना लिया है इसको लेकर सरकार ने विभिन्न विभागों की जो योजनाएं बनाई है हम इन योजनाओं का लाभ लेकर विकसित हो सकते हैं। सरकार की ये योजनाएं पूरी तरह हम सबको समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों का लाभ आम व्यक्ति को पहुंचे यही सरकार का लक्ष्य व उद्देश्य है । इसी को लेकर विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे देश में गांव-गांव वार्ड-वार्ड जा रही है। इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों को विकसित भारत संकल्प शपथ दिलाई। इस मौके पर सीटीएम राजेश सोनी ,जिला मंत्री रोशन लाल महला, सरपंच स्वीटी , बाल मुनि, जितेंद्र, बीडीओ विवेक, जिला परिषद सदस्य रेखा रानी मौजूद रहे।

हम सब की भागीदारी से ही भारत होगा विकसित-हरपाल मलिक

पानीपत। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिले के गांव नॉल्था में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि ग्रामीणों को कार्यक्रम में संबोधित करते हुए ब्लॉक समिति चेयरमैन हरपाल मलिक ने कहा कि हम सब मिलकर ही भारत को विकसित कर सकते हैं । इस दिशा में हमें जोरदार प्रयास करने होंगे। इसमें सभी ग्रामीण सहयोग देंगे तभी यह संभव होगा। कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा उनका फूल गुलदस्ते देकर स्वागत किया। विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्रति ग्रामीणों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। स्कूली बच्चों व ग्रामीणों ने मोदी सरकार की गारंटी वाली गाड़ी का स्वागत

किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का संबोधन एलईडी के माध्यम से सुना। विभिन्न विभागों द्वारा स्कूल परिसर में स्टॉल लगाए गए थे जिन पर जाकर ग्रामीण सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ले रहे थे। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष हरपाल मलिक ने कहा कि देश की बड़ी आबादी गांव में बसती है मोदी सरकार का सपना है कि गांव में किसी भी तरह की समस्या ना रहे तभी भारत विकसित होगा। उन्होंने कहा कि गांव-गांव जाकर सरकारी अधिकारी लोगों की समस्याओं को सुन रहे है व मौके पर उनका निदान हो रहा है । कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने हरियाणवी संस्कृति से जुड़े गीत गाकर लोगों का मनोरंजन किया वहीं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने मंच के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ ग्रामीणों के सामने रखें । किस प्रकार से ग्रामीण इन योजनाओं का लाभ ले सकते हैं व कौन उनके पात्र है इसके बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में गांव के प्रतिभावान खिलाडिय़ों , लोकल कलाकारों, मेधावी छात्रों को, उत्कृष्ट महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मुक्त गैस कनेक्शन भी वितरित किए। इस मौके पर तहसीलदार सौरभ शर्मा, कृषि विभाग के उपनिदेशक आदित्य डबास, एसडीओ देवेंद्र कुमार, बिजली विभाग के एसडीओ मनोज ,एक्शन आदित्य कुंडू, खंड एवं विकास पंचायत अधिकारी विवेक , एस एच ओ बलराज,सरपंच बलराज, सरपंच स्वीटी, बाल मुनि,रोशन लाल माहला, संजय मालिक, जिला परिषद सदस्य रेखा रानी, डॉक्टर जगबिर, सत्यनारायण आदि मौजूद रहे।

'जो प्रभु का हो जाये वह हो जाता है बंधन से मुक्त'

यमुनानगर। इस्कॉन द्वारा यमुनानगर के सिटी पैलेस में गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष में श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के संवाद पर चर्चा हुई। कथा व्यास वृंदावन से हयग्रीव दास ब्रह्मचारी ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण कह रहे हैं कि जो मुझे प्राप्त कर लेता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता। वह मेरे परमधाम को प्राप्त होता है। जहां कभी भी जन्म मृत्यु नहीं होती, बुढ़ापा और बीमारी नहीं होती। उन्होंने कहा कि अगर शरीर है तो जन्म भी होगा मृत्यु भी होगी, बुढ़ापा भी आएगा बीमारियां भी आएगी। यह हमेशा शरीर के साथ रहती हैं। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पच तत्वों के बने इस भौतिक शरीर में इसके अलावा सूक्ष्म शरीर भी होता है, जो मन बुद्धि और अहंकार से लिपट होता है। इससे दूर जाने का एकमात्र मार्ग सत्संग और भक्ति ही है। इसी से प्रभु को पाया जा सकता

है। इस अवसर पर नगर निगम के मेयर मदन चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीमद् भागवत गीता में हर समस्या का समाधान है। हम सबको श्रीमद् भागवत गीता पढ़नी चाहिए उसे पर अमल करना चाहिए।

'स्ट्रोक के मामले में जल्दी इलाज से कम होगा मौत का आंकड़ा'

पानीपत। मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के न्यूरोसर्जरी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉक्टर अनिल कुमार कंसल ने स्ट्रोक के इलाज से जुड़ी लेटेस्ट तकनीक की जानकारी दी। उन्होंने कहा का स्ट्रोक के मामले में जल्दी इलाज से मौत का आंकड़ा कम हो सकता है। डाक्टर अनिल कुमार पत्रकारवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि देश में स्ट्रोक केस का बड़ा बोझ है। यहां स्ट्रोक के 68.6 फीसदी केस हैं, स्ट्रोक से होने वाली मौतों का आंकड़ा 70.9 फीसदी है तथा 77.7 फीसदी मामलों में विकलांगता हो जाती है. स्ट्रोक मौत का दूसरा सबसे आम कारण है। हर साल लगभग 185,000 स्ट्रोक केस सामने आते हैं, जिसमें हर 40 सेकंड में एक स्ट्रोक और हर 4 मिनट में स्ट्रोक से एक मौत होती है। उन्होंने जानकारी दी कि स्ट्रोक के मामले में सर्जरी कैसे की जाए, ये स्ट्रोक के प्रकार,

गंभीरता और मरीज की हेल्थ पर निर्भर करता है. इस्केमिक स्ट्रोक के लिए थ्रोम्बेक्टोमी, हेमोरेगिक स्ट्रोक के मामले में ब्लीडिंग को रोका जाता है और टूटे हुए एन्यूरिज्म की रिपेयर की जाती है। ये सर्जरी विकलांगता को कम कर सकती हैं और रिकवरी में इससे सहायता मिलती है। स्मोकिंग के साथ ही अन्य प्रकार के नशा करने से यह बीमारी अधिक हो रही है। इसके साथ ही तनाव भी इससे में प्रमुख कारक होता है। न्यूरोलॉजी के यूनिट हेड डॉक्टर मनोज खनल ने स्ट्रोक के बाद गोल्डन पीरियड में अस्पताल पहुंचने का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि जैसे ही को स्ट्रोक का केस होता है पास के अस्पताल में जहां कम से कम सीटी स्कैन की की सुविधा हो मरीज को एक घंटे के अंदर-अंदर यदि ले जाया जाता है तो यह उसका गोल्डन पीरियड होगा। उसे इलाज मिल सकेगा। डॉक्टर खनल ने कहा कि स्ट्रोक के सामान्य लक्षणों में सुन्नता, कमजोरी, कंफ्यूजन, बोलने में परेशानी, विजन की परेशानी, गंभीर सिरदर्द और समन्वय की समस्याएं शामिल हैं।

ऑनलाइन, ई-टेंडर, पोर्टल सरकारी खजाने के पक्के खाले : हरविन्द्र कल्याण

करनाल। ऑनलाईन सर्विस व ई-टेंडर व्यवस्था सरकारी खजाने के पक्के खाले के समान हैं जिनके माध्यम से सरकारी योजनाओं का 100 फीसदी लाभ पात्र व्यक्ति के खाते में पहुंचता है। ऑनलाईन सेवाओं से भ्रष्टाचार से मुक्ति मिली है और पारदर्शिता बढ़ी है। भाजपा के सवा 9 साल के प्रशासन में 19 लाख नए बी.पी.एल. कार्ड बनाए गए हैं। इनमें से घरौंडा हलका के 12.50 हजार कार्ड है। सभी बीपीएल कार्ड धारकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे और आने वाले समय में इनकी आवास की समस्या को भी दूर किया जाएगा। यह बात आज घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के गांव पिंगली और हसनपुर पहुंचने पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। पिंगली में सरपंच प्रतिनिधि नरेश शर्मा और हसनपुर में जगबीर सिंह व अन्य ग्रामीणों द्वारा विधायक का स्वागत किया गया। इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश सुनाया गया। हरियाणा के विकास संबंधी लघु फिल्म दिखाई गई। जन संपर्क एवं भाषा विभाग के कलाकारों ने विकासात्मक गीत प्रस्तुत किए। घरौंडा नगर पालिका के अध्यक्ष हैप्पी गुप्ता ने संकल्प शपथ दिलाई। विधायक कल्याण ने विभिन्न विभागों के तारे में छात्रों द्वारा बनाई गई रंगोली का अवलोकन किया।

उन्होंने कहा की यात्रा का उद्देश्य जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाना, पत्रों को उनका लाभ दिलाना, फीडबैक प्राप्त करना है। साथ ही 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्रों की सूची में शामिल करना है। उन्होंने कहा कि देश 1000 साल गुलाम रहा। मुगलों व अंग्रेजों ने यहां की धन दौलत को तो लूटा ही, देश की समृद्धि प्राचीन संस्कृति को भी तहस-नहस किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने, इसके लिए यह अपेक्षित है कि हर व्यक्ति ईमानदारी में निष्ठा से कार्य करें विधायक ने कहा कि कोरोना काल को छोडक़र 9 साल में हर क्षेत्र में सरकार ने विकास कराया है। योजनाएं पहले भी बनती थी, नारे पहले भी लगाए जाते थे लेकिन वे अधूरे रह जाते थे। भाजपा राज में हर योजना पर गंभीरता से काम हो रहा है। आज आयुष्मान चिरायु योजना के तहत 5 लाख रुपये तक के सालाना इलाज की सुविधा उपलब्ध है। हरियाणा में करीब 800 प्राइवेट अस्पताल पैनल पर हैं। उन्होंने कहा कि गरीब की कोई बिरादरी नहीं होती। योजनाओं का लाभ वर्ग के गरीबों को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनते ही घोटाले पर लगाम लग गई। देश का खजाना भरने लगा। नतीजतन सडक़ों, गलियों, नालियों, चौपालों, समुदाय केन्द्रों, स्टेडियमों, अस्पतालों का निर्माण होने लगा। गांव में आज 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। नौकरियां मेरिट पर दी जा रही है। उनमें हलके के गांव कोहंड में 82 युवाओं को नौकरी मिल चुकी है। कांग्रेस ने 10 साल में बुढ़ापा पेंशन 500 बढ़ाई तो भाजपा ने 9 साल में 2 हजार। भाजपा सरकार ने विवाह शगुन योजना की राशि 31 से बढ़ाकर 71 हजार और मकान मरम्मत की राशि 25 हजार से बढ़ाकर 80 हजार कर दी है इस मौके पर उन्होंने दयाल योजना पर भी निवृत्त प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 2015 में फर्जी राशनकार्ड, पेंशन व फर्जी दाखिले बंद होने से सरकार को एक हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है।

बावल पालिका की दुकानों की नींव में घुसा सीवर का पानी, खतरे की आशंका

रेवाड़ी। बावल नगरपालिका व न्यू शॉपिंग कॉम्पलेक्स की दुकानों की नींव में सीवर का गंदा पानी लगातार जाने से दुकानदारों में खतरे का अंदेशा बना हुआ है। बावल के दुकानदार राजेंद्र सैनी, डालचंद सेन, गौरव आदि ने बताया कि उन्होंने वर्ष 1987 में पालिका की इन दुकानों को किराए पर लिया था। इन दुकानों के निकट बहुत बड़ा करोड़ों की लागत से एक शॉपिंग कॉम्पलेक्स भी बनाया गया है। यहीं पर महिला व पुरुषों के लिए शौचालय भी बना है। पिछले 6 माह से इस शौचालय का गंदा व बदबूदार पानी सीवर के माध्यम से उनकी दुकानों की साइड से नींव में घुस रहा है। इतना ही नहीं बदबू के माहौल के बीच उन्हें कारोबार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत कई बार पालिका व उच्च अधिकारियों से की गई है। इतना ही नहीं बावल के विधायक व जनस्वास्थ्य मंत्री डा. बनवारी लाल भी इस समस्या से आंखें मूंदे हुए हैं। बृहस्पतिवार को इन दुकानदारों ने पालिका की नवनियुक्त सचिव अन्न जलवायु को भी ज्ञापन सौंपकर दुकानों को हो रहे नुकसान से बचाने की गुहार लगाई है।

ड्रोन की मदद से 100 रुपये प्रति एकड़ में यूरिया नैनो का करेगा छिड़काव

सोनीपत। रबी सीजन में नैनो यूरिया का प्रयोग बढ़ाने के लिए कृषि विभाग ने पहल शुरू कर दी है। कृषि विभाग फिलहाल 5 हजार एकड़ भूमि पर ड्रोन की मदद से नैनो यूरिया का छिड़क़ाव करेगा। इसका लाभ मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण कराने किसान को ही मिल सकेगा। कृषि विभाग स्वयं मात्र 100 रुपये प्रति एकड़ में आपके खेत में नैनो यूरिया का छिडक़ाव करेगा।

रासायनिक खादों के अत्यधिक प्रयोग से फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। खेत में आवश्यकता से अधिक खाद का छिड़काव किए जाने से फसल उत्पादन का लागत मूल्य भी बढ़ जाता है। यही नहीं खाद की मांग भी अधिक रहती है। ऐसे में सरकार किसानों को दानेदार यूरिया की बजाए नैनो यूरिया के इस्तेमाल को प्रेरित कर रही है। तरल रूप में मौजूद नैनो यूरिया के इस्तेमाल से खेत में आवश्यकता से अधिक यूरिया के छिड़काव

से बनने वाली समस्याएं दूर हो सकती हैं। कृषि विभाग को पांच हजार एकड़ भूमि पर ड्रोन से नैनो यूरिया का छिड़काव करने का लक्ष्य दिया गया है। पहले आओ और पहले पाओ की नीति पर सबसे पहले जिन किसानों ने पंजीकरण करवाया उनके खेत में कृषि विभाग की टीम ड्रोन के माध्यम से छिडक़ाव करेगी।

योजना को सिरे चढ़ाने के लिए कृषि उपनिदेशक डॉ. पवन शर्मा ने खाद एजेंसियों व कृषि अधिकारियों की बैठक ली है। बैठक में सहायक कृषि अभियंता, गुण नियंत्रण अधिकारी, इफको, कृभको व हैफेड के अधिकारी मौजूद रहे।

खुद उपलब्ध करायेगा विभाग

छिडक़ाव आधुनिक तकनीक से लैस ड्रोन के माध्यम से किया जाएगा। सेंसर की मदद से ड्रोन खेत के प्रत्येक भाग में एक समान यूरिया का छिडक़ाव करेगा। इतना ही नहीं नैनो यूरिया भी कृषि विभाग स्वयं उपलब्ध कराएगा।

रासायनिक खाद के अधिक छिड़काव से यह होते हैं नुकसान

किसान आवश्यकता से अधिक नाइट्रोजन युक्त उर्वरक का छिडक़ाव करते हैं तो मिट्टी की उपजाऊ शक्ति कम हो जाती है। मिट्टी में पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ जाता है। वायु प्रदूषण बढ़ता है, लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ता है। अत्यधिक छिडक़ाव से फसलों की गुणवत्ता पर पड़ता है, निर्यात प्रभावित होता है। फसल उत्पादन की लागत में बढ़ोतरी होती है।

अत्याधिक रासायनिक खादों के इस्तेमाल से फसलों की गुणवत्ता प्रभावित होती है। विभाग ने नया प्रोजेक्ट शुरू किया है, जिसके तहत किसानों को तरल रूप में मौजूद नैनो यूरिया के छिडक़ाव के प्रति प्रेरित किया जा रहा है।

-डॉ. पवन शर्मा, कृषि उपनिदेशक, सोनीपत

मानव तस्करी से जुड़े मामले में छापेमारी के बाद केन्या का नागरिक गिरफ्तार, पीएमएलए के तहत कार्रवाई

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसने अफ्रीकी लड़कियों की भारत में तस्करी से जुड़े एक रैकेट में कथित संलिप्तता को लेकर गोवा से केन्या के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है। न्यूटन मुथुरी किमानी को नौ दिसंबर को धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि वह छात्र वीजा पर भारत आया था। एजेंसी के अनुसार पणजी में एक विशेष पीएमएलए अदालत ने उन्हें 15 दिसंबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। गोवा पुलिस (अंजुना पुलिस स्टेशन) के दो नाइजीरियाई नागरिकों इसरालाइट उर्फ डोरकास्ट मारिया और ओलोक्पा के खिलाफ मानव तस्करी में शामिल होने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी से धन शोधन का मामला उपजा है। एजेंसी ने कहा कि आरोपी भारतीय आतिथ्य उद्योग में नौकरी दिलाने के बहाने युवा अफ्रीकी लड़कियों को गोवा लाता था और उन्हें वेश्यावृत्ति गतिविधियों के लिए मजबूर करता था। एजेंसी ने कहा कि किमानी कई खातों का प्रबंधन कर रहा था, जिसमें कथित मानव तस्करी रैकेट चलाने में शामिल विभिन्न व्यक्तियों की ओर से कुछ राशि जमा की जा रही थी। ईडी ने कहा, 'अवैध तरीकों से उत्पन्न धन को कुछ संदिग्ध हवाला ऑपरेटरों की मदद से एमपेसा ऐप और कुछ विदेशी बैंक खातों के माध्यम से केन्या और अन्य देशों में स्थानांतरित किया जा रहा था। एजेंसी ने इस मामले में कुछ समय पहले अंजुना इलाके में भी तलाशी ली थी और केन्या के दो नागरिकों का रेस्क्यू किया था। ईडी ने कहा कि इसके बाद पंजाब और गुजरात में छापेमारी की गई जहां से आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए।

दुनिया में अवैध वित्तपोषण के जोखिम पर चर्चा के लिए मिले भारत-यूएस के प्रतिनिधि

नई दिल्ली। भारत और अमरीका ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में अवैध वित्त पोषण के जोखिम से निपटने के लिए संयुक्त रूप से काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। भारत और अमेरिका ने हाल ही में 'अमेरिका-भारत एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग (एएमएल) और काउंटरिंग द फाइनेंसिंग ऑफ टेररिज्म (सीएफटी) डायलॉग' की सह-अध्यक्षता की। आतंकवाद और वित्तीय बुद्धिमत्ता के लिए अमेरिका के उप वित्त मंत्री ब्रायन ई नेल्सन ने इसके लिए नई दिल्ली की यात्रा की। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि वार्ता का पुनः आयोजन और सह-अध्यक्षता दोनों देशों की ओर से 'अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में अवैध वित्त जोखिम से निपटने के लिए संयुक्त प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 13 दिसंबर को भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा और आतंकवाद व वित्तीय खुफिया मामलों के अमेरिकी वित्त अवर सचिव ब्रायन ई नेल्सन ने वार्ता की सह-अध्यक्षता की। स वार्ता का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी में वित्त मंत्रालय ने किया था। संयुक्त बयान में यह भी कहा गया है कि दोनों देशों ने वार्ता फिर से शुरू की। यह वार्ता भारत और अमेरिका के साथ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणालियों में अवैध वित्त जोखिम को दूर करने के लिए दोनों देशों के सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने के दृष्टिकोण और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने का एक प्रभावी मंच है।

देश की लॉजिस्टिक्स लागत जीडीपी के आठ से नौ प्रतिशत के बीच, एनसीएईआर की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। इकोनॉमिक पॉलिसी रिसर्च थिंक टैंक नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में कुल लॉजिस्टिक्स लागत देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद के 7.8-8.9 प्रतिशत के बीच है। केंद्र सरकार समग्र रसद लागत को कम करने और भारतीय उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए काम कर रही है। सरकार 2030 तक भारत की बढ़ी हुई लॉजिस्टिक्स लागत को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मौजूदा 13-14 प्रतिशत से घटाकर जीडीपी के 8-9 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) जिसकी पिछले साल शुरुआत की गई थी का उद्देश्य अंतिम छोर तक त्वरित डिलीवरी हासिल करना, परिवहन से संबंधित चुनौतियों को समाप्त करना, निर्माताओं के लिए समय और धन की बचत करना और कृषि-उत्पादों की बर्बादी को रोकना है। रसद लागत को कम करने के लिए, नए पर्यावरण अनुकूल जलमार्ग स्थापित किए जा रहे हैं, निर्यात की सुविधा के लिए एयर कार्गो टर्मिनल स्थापित किए गए हैं, कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं के साथ हवाई अड्डे और मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स सुविधाएं स्थापित की जा रही हैं।

कच्चा तेल 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में उतार-चढ़ाव जारी है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का मूल्य बढ़कर 77 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में

ब्रेंट क्रूड 0.33 डॉलर यानी 0.43 फीसदी की बढ़त के साथ 76.94 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.33 डॉलर यानी 0.46 फीसदी उछलकर 71.91 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

आठ महीनों में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 23.4 फीसदी बढ़कर 10.64 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2023-24 के पहले आठ महीनों में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह बजट अनुमान के 58.34 फीसदी यानी 10.64 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 के पहले आठ महीने अप्रैल-नवंबर के दौरान शुद्ध कर संग्रह 10.64 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 23.4 फीसदी अधिक है। मंत्रालय के मुताबिक रिफंड जारी करने से पहले सकल कर संग्रह अप्रैल-नवंबर की अवधि में 17.7 फीसदी बढ़कर 12.67 लाख करोड़ रुपये हो गया। मंत्रालय ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 202324 में अप्रैल से नवंबर तक 2.03 लाख करोड़

रुपये का रिफंड जारी किया गया। मंत्रालय के मुताबिक जिन मामलों में जारी रिफंड शुरू में विफल हो गया था, उनके लिए विशेष पहल की गई और बाद में वैध बैंक खातों में रिफंड जारी किया गया है। वित्त मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष कर (व्यक्तिगत आयकर और कॉरपोरेट कर) संग्रह 18.23 लाख करोड़ रुपये और अप्रत्यक्ष कर (जीएसटी, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क) संग्रह 15.38 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया है।

डीजीसी ने अयोध्या हवाई अड्डे के लिए एएआई चेयरमैन को एयरोड्रम लाइसेंस दिया

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए 'एयरोड्रम' लाइसेंस जारी किया है। विमान नियामक डीजीसीए के प्रमुख विक्रम देव दत्त ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के चेयरमैन संजीव कुमार को यह लाइसेंस दिया। एएआई ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि अयोध्या अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को सभी मौसम की स्थिति के लिए सार्वजनिक उपयोग श्रेणी में एयरोड्रम लाइसेंस दिया गया है। एएआई के मुताबिक हवाई अड्डे में एयरोनॉटिकल ग्राउंड लाइट (एजीएल) बुनियादी ढांचे के साथ 2,200 मीटर लंबा रनवे है। यह डीवीओआर और इंस्ट्रूमेंट

लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) से युक्त है, जो हवाई अड्डे को रात में और कम दृश्यता या आरवीआर 550 मीटर के दौरान उड़ानों को संचालित करने की अनुमति देता है। उल्लेखनीय है कि अयोध्या में निर्मित मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण लगभग 350 करोड़ रुपये की लागत से विकसित कर रहा है। बहुप्रतीक्षित अयोध्या हवाई अड्डे में 6,500 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाला एक टर्मिनल भवन होगा। यह व्यस्त अवधि के दौरान 600 यात्रियों और सालाना 10 लाख यात्रियों को संभाल सकता है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का विस्तारित रनवे ए-321/ बी-737 प्रकार के विमानों के संचालन के लिए उपयुक्त है।

ई-श्रम पोर्टल पर असंगठित क्षेत्र के 29.21 करोड़ से ज्यादा श्रमिक पंजीकृत

नई दिल्ली। ई-श्रम पोर्टल पर 07 दिसंबर तक असंगठित क्षेत्र के 29.21 करोड़ से ज़्यादा श्रमिक पंजीकृत हो चुके हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने गुरुवार को राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में कहा कि ई-श्रम पोर्टल पर 07 दिसंबर, 2023 तक असंगठित क्षेत्र के 29.21 करोड़ से ज़्यादा श्रमिक पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें से 29.20 करोड़ से

अधिक श्रमिकों को ई-श्रम कार्ड जारी किया गया है।

रामेश्वर तेली ने कहा कि ई-श्रम पोर्टल का मुख्य उद्देश्य आधार से जुड़े हुए सभी असंगठित श्रमिकों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाना है। इसका लक्ष्य ऐसे श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं के वितरण की सुविधा प्रदान करना भी है। उल्लेखनीय है कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने के उद्देश्य से 26 अगस्त, 2021 को ई-श्रम पोर्टल का शुभारंभ किया था। यह असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को 30 व्यापक व्यवसाय क्षेत्रों में 400 व्यवसायों के तहत स्व-घोषणा के आधार पर पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत करने की अनुमति देता है।

अमेरिका में भारत के राजदूत आईबीएम के सीईओ से मिले

नई दिल्ली। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने गुरुवार को इंटरनेशनल बिजनेस मशीन कॉरपोरेशन (आईबीएम) के सीईओ अरविंद कृष्णा के साथ बैठक के दौरान भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी पर चर्चा की। इंडिया हाउस में बैठक के दौरान, उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम जैसी नई और उभरती प्रौद्योगिकियों पर भी चर्चा की। संधू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'इंडिया हाउस में आईबीएम सीईओ अरविंद कृष्णा से मिलकर खुशी हुई और भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी, एआई और क्वांटम सहित नई और उभरती प्रौद्योगिकियों तथा भारत में आईबीएम की शिक्षा एवं कौशल पहलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। आईबीएम एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी है जिसका मुख्यालय आर्मोंक, न्यूयॉर्क में है। यह 175 से अधिक देशों में मौजूद है। इस बीच, भारतीय राजदूत ने हाल ही में अमेरिका में वॉलमार्ट स्टोर में पहली मेड-इन-इंडिया साइकिल के लॉन्च में भाग लेने पर अपनी खुशी व्यक्त की। संधू ने एक्स पर कहा, 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड! अमेरिका में वॉलमार्ट के लॉन्च को देखकर खुशी हो रही है, जो हीरो साइकिल लुधियाना की ओर से निर्मित पहली मेड-इन-इंडिया साइकिल है। इससे पहले, वॉलमार्ट ने घोषणा की थी कि पहली भारत निर्मित साइकिलें छुट्टियों के लिए अमेरिका में चुनिंदा दुकानों पर पहुंच रही हैं। भारत में साइकिलों के अग्रणी निर्माताओं और निर्यातकों में से एक, हीरो इकोटेक लिमिटेड ने वॉलमार्ट के लिए एक 'क्रूजर-स्टाइल' बाइक तैयार की है, जो वयस्क आकार के पुरुषों और महिलाओं दोनों संस्करणों में उपलब्ध कॉनकॉर्ड ब्रांड है।

इस साल देश में बिकेंगे 4.5 लाख करोड़ रुपये के मकान, पिछले वर्ष की तुलना में 38 फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली। देश के सात प्रमुख शहरों में मकानों की बिक्री इस कैलेंडर वर्ष (2023) में 4.5 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकती है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 38 फीसदी अधिक है। 2022 में कुल 3.27 लाख करोड़ रुपये के मकान बिके थे। एनारॉक के मुताबिक, कीमतों में बढ़ोतरी और लग्जरी मकानों की अधिक मांग से इस कैलेंडर वर्ष में अब तक 3.48 लाख करोड़ रुपये से अधिक की आवासीय संपत्तियां बिक चुकी हैं। यह एक साल पहले की तुलना में 7 फीसदी अधिक है।

सात शहरों में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र, कोलकाता, चेन्नई, बंगलूरू, पुणे और हैदराबाद में इस साल जनवरी-सितंबर में 3.49 लाख मकान बिके हैं। आंकड़ा इस साल 4.5 लाख इकाई पहुंच सकता है। 2022 में कुल 3.65 मकान बिके थे।

पुणे : मकानों की बिक्री सर्वाधिक 96फीसदी बढ़कर 39,945 करोड़ रुपये पहुंच गई।

दिल्ली-एनसीआर : 38,895 करोड़ से 29त्न बढ़कर 50,188 करोड़ रुपये पहुंच गई बिक्री।

मुंबई : 41फीसदी बढ़कर 1.64 लाख करोड़ रुपये।

हैदराबाद: 43फीसदी बढ़कर 35,802 करोड़।

बंगलूरू: 42फीसदी बढ़कर 38,517 करोड़।

कोलकाता : 19फीसदी बढ़कर 9,025 करोड़।

थोक महंगाई दर नवंबर में सात महीने के उच्चतम स्तर 0.26 फीसदी पर

नई दिल्ली। देश में थोक महंगाई दर नवंबर में उछलकर आठ महीने के उच्चतम स्तर 0.26 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पहले अक्टूबर महीने में यह -0.52 फीसदी और नवंबर, 2022 में 6.12 फीसदी पर थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर नवंबर में 0.26 फीसदी रही है। इससे पिछले महीने अक्टूबर में थोक महंगाई दर -0.52 फीसदी और नवंबर, 2022 में 6.12 फीसदी पर थी। थोक महंगाई दर सात महीने बाद सकारात्मक दायरे में आई है, जो अप्रैल से लगातार शून्य से नीचे

बनी हुई थी। खाद्य वस्तुओं की महंगाई नवंबर में 8.18 फीसदी रही, जो अक्टूबर में 2.53 फीसदी थी। मंत्रालय के मुताबिक नवंबर, 2023 में थोक महंगाई दर मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं, खनिजों, मशीनरी व उपकरण, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक एवं ऑप्टिकल उत्पादों, मोटर वाहनों, अन्य परिवहन उपकरणों और अन्य विनिर्माण वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण सकारात्मक दायरे में रही है।

इस हफ्ते की शुरुआत में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी की गई आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी के कारण खुदरा महंगाई दर नवंबर में बढ़कर तीन महीने के उच्चस्तर 5.55 फीसदी पर पहुंच गई।

दरअसल, रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने हाल ही में अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति की समीक्षा में नवंबर और दिसंबर में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने के संकेत दिए थे।

सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी, सोना 1 हजार रुपये उछला, चांदी में 2 हजार की बढ़त

नई दिल्ली। लगातार तीन दिनों तक गिरावट का सामना करने के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार में जबरदस्त तेजी नजर आ रही है। देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में सोना 1,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया है। इसी तरह चांदी में भी आज जोरदार तेजी दर्ज की गई है। आज की तेजी के कारण दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी करीब 2 हजार रुपये की मजबूती के साथ 77,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच कर कारोबार कर रहा है। बाजार में आए उछाल के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 63 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 57,650

रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर जाकर कारोबार करता नजर आ रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 63,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 57,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 62,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 58,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 62,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 57,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 62,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 63,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 57,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 62,940 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 57,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 63,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में जोरदार तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरू, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 62,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 57,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एनसीएलटी मुंबई ने आरकॉम की रियल एस्टेट संपत्तियों व शेयरों की बिक्री को मंजूरी दी

नई दिल्ली। दिवाला न्यायाधिकरण एनसीएलटी मुंबई ने दूरसंचार कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस की कुछ रीयल एस्टेट संपत्तियों की बिक्री को मंजूरी दे दी है। फाइलिंग में रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के समाधान पेशेवर की ओर से दायर आवेदन के मामले में राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ का एक आदेश संलग्न किया गया है, जिसमें कंपनी की कुछ देनदारियों से मुक्त संपत्तियों की बिक्री के लिए एनसीएलटी से मंजूरी मांगी गई थी।

आदेश में कहा गया, '... यह न्यायाधिकरण स्पष्ट करता है कि आवेदक/आरपी सीआईआरपी नियमन के नियम 29 के तहत कॉरपोरेट देनदार (जैसा कि ऊपर पैरा 1 में वर्णित है) की परिसंपत्तियों को इस न्यायाधिकरण द्वारा मंजूरी के लिए

समाधान योजना प्रस्तुत करने के बाद बेच सकता है।' आदेश के अनुसार समाधान पेशेवर न्यायाधिकरण की मंजूरी के लिए समाधान योजना पेश करने के बाद कंपनी की संपत्ति बेच सकते हैं। ऑर्डर में कहा गया, 'यह ट्रिब्यूनल सीआईआरपी विनियमों के विनियमन 29 के अनुसार कॉरपोरेट देनदार की परिसंपत्तियों की बिक्री करने के लिए आवेदक को अपनी मंजूरी देता है, जो बिक्री आय को कॉर्पोरेट देनदार की देनदारियों से मुक्त संपत्ति के रूप में माना जाएगा और अनुमोदित समाधान योजना के कार्यान्वयन के दौरान या परिसमापन में वितरित किया जाएगा, जैसा भी मामला हो।' बिक्री के लिए जिन संपत्तियों की पहचान की गई है, उनमें आरकॉम का चेन्नई हैडो कार्यालय शामिल है, जिसमें भूमि और भवन शामिल हैं। बिक्री वाली अन्य संपत्तियों में चेन्नई के अंबत्तूर में भूमि पार्सल लगभग 3.44 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है; पुणे में 871.1 वर्ग मीटर भूमि पार्सल; भुवनेश्वर स्थित ऑफिस स्पेस, कैपियन प्रॉपर्टीज के शेयरों में निवेश और रिलायंस रियल्टी के शेयरों में निवेश शामिल है।

क्या आप भी मानते हैं फ्रूट जूस को फल जितना ही फायदेमंद, जानें क्या है सच्चाई

ब्रेकफास्ट में फ्रूट जूस पीना कई लोग पसंद करते हैं। इसके पीछे की वजह है फ्रूट जूस से मिलने वाले पोषक तत्व और इसे पीने में ज्यादा समय भी नहीं लगता। लेकिन इसकी तुलना में साबुत फल खाना अधिक फायदेमंद हो सकता है। फल खाने से पोषक तत्वों के साथ-साथ और भी कई फायदे मिल सकते हैं। जानें कैसे फल खाना फ्रूट जूस से अधिक फायदेमंद है।

अक्सर हम अपने दिन की शुरुआत नाश्ते में कोई फल खाकर या जूस पीकर करते हैं। फलों में कई प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। कई बार इन्हें साबुत खाने की जगह हम इनका जूस पीना भी पसंद करते हैं, यह सोचकर कि फ्रूट जूस पीना भी साबुत फल खाने जितना ही फायदेमंद हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है, साबुत फल खाना आपकी सेहते के लिए अधिक लाभदायक होता है। आइए जानते हैं, कैसे फल खाना, फ्रूट जूस पीने से अधिक फायदेमंद हो सकता है।

फाइबर की अधिक मात्रा

फ्रूट जूस में फाइबर की मात्रा बिल्कुल न के बराबर होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि फलों को ज्यादातर फाइबर उनके छिलके या बॉडी में पाए जाते हैं। लेकिन, जब जूस निकाला जाता है, तब उस फल के छिलके बच जाते हैं, जिस वजह से जूस में फाइबर नहीं पाया जाता है। फ्रूट जूस का यह सबसे बड़ा नुकसान है। फाइबर ब्लड शुगर को कम करने में मदद करता है और साथ ही पाचन के लिए भी फायदेमंद होता है। इसलिए फ्रूट जूस पीने से आपको यह फायदा नहीं मिल पाएगा।

शुगर लेवल नहीं बढ़ता

फ्रूट जूस में शुगर काफी कंसंट्रेटेड मात्रा में पाया जाता है, जो सेहत के लिए काफी नुकसानदेह हो सकता है। इस वजह से, आपका ब्लड शुगर लेवल अचानक से बढ़ जाता है। इस कारण से, फ्रूट जूस साबुत फल खाने की तुलना में अधिक नुकसानदेह हो सकता है। वही साबुत फल खाने से शुगर लेवल नहीं बढ़ता क्योंकि उसमें फाइबर भी पाया जाता है और इसमें कोई शुगर भी एड नहीं किया जाता, जिस कारण से ब्लड शुगर लेवल नहीं बढ़ता।

दांतो के लिए फायदेमंद

जूस पीते समय आपको कुछ चबाना नहीं पड़ता, जिस वजह से आपकी दांतो की एक्सरसाइज नहीं होती और साथ ही, सलाइवा भी बेहतर तरीके से खाने में नहीं मिलता। वही फल खाने से चबाते समय दांतों की एक्सरसाइज होती है, जिससे दांत मजबूत होते हैं। इसके अलावा, चबाते समय सलाइवा मिलने की वजह से पोषक तत्व बेहतर तरीके से अब्जॉर्ब हो पाता है।

वजन कम करने में मददगार

साबुत फलों में काफी मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जिस वजह से जल्दी-जल्दी भूख नहीं लगती और ओवर इटिंग नहीं करते। इस कारण से हेल्दी वजन मेंटेन करने में काफी मदद मिलती है। यह फायदा फ्रूट जूस से नहीं मिल पाता।

सब कुछ धुंधला है

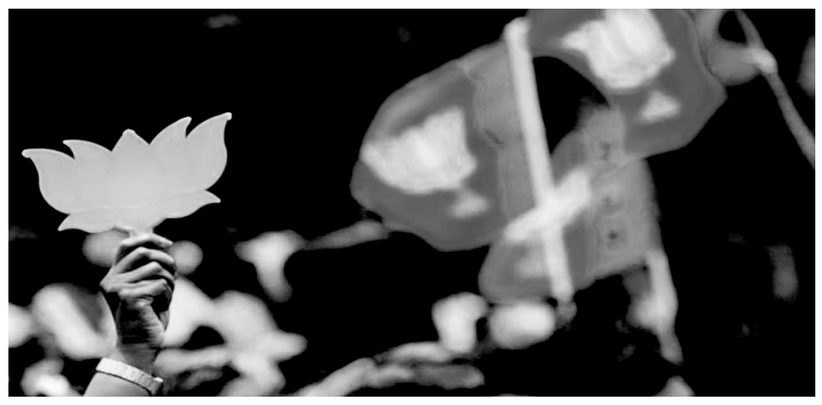

पिछले 10 सालों से भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार है। ये पूर्ण बहुमत भाजपा को 2014 में 31 प्रतिशत वोट के साथ मिला और 2019 में 38 प्रतिशत वोट के साथ। कांग्रेस समेत बाकी दल यही कहकर खुश होते रहे कि भाजपा को बहुमत मिलने के बावजूद बचे 60-70 प्रतिशत वोट हमारे पास रहे। लेकिन इन वोटों के बावजूद सत्ता क्यों नहीं मिली,इस पर कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया।सब कुछ धुंधला है, धुंधला है, मैं सारे ये गम भुला के घूम रहा, ये गीत पिछले साल आए एक अलबम का है और युवाओं के बीच खासा मशहूर है। इस गीत की जो शुरुआती पंक्तियां हैं, वो देश की सियासत और देश के भविष्य की सटीक बयानी कर रही हैं। राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तौर पर हम क्या थे, क्या बनाए जा चुके हैं और अब आगे कैसे होंगे, इस बारे में विचार करें तो वाकई सब धुंधला ही नजर आएगा। आज से 20-30-50 साल पहले के भारत को देखें और आज से उसकी तुलना ईमानदारी से करें तो पता चलेगा कि कैसे संविधान में वर्णित मूल्यों को बड़े शातिराना तरीके से किनारे करते हुए हिंदुत्व की जड़ें गहरी की गईं, फिर देश में नफरत की अमर बेल फैलाई गई और अब समाज में जो स्पष्ट विभाजन हो चुका है, उसे सामान्य साबित किया जा रहा है। और इसका दोष अकेले भाजपा या संघ पर नहीं डाला जा सकता, इस देश के जितने राजनैतिक दल हैं, कांग्रेस समेत, वो सब इसमें भागीदार रहे हैं। क्योंकि अगर भाजपा ने 90 के दशक में ऐलान किया था कि मंदिर वहीं बनाएंगे, तो बाकी दलों ने भी अपनी कमियों और कमजोर फैसलों के कारण यह सुनिश्चित किया कि भाजपा मंदिर वहीं बनाए और केवल यहीं पर न रुके, बल्कि जम्मू-कश्मीर, मथुरा, काशी और इस तरह के तमाम मंसूबे जो नागपुर ने पाल रखे थे, उन्हें पूरा करके दिखाए।देश में पिछले 10 सालों से भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार है। ये पूर्ण बहुमत भाजपा को 2014 में 31 प्रतिशत वोट के साथ मिला और 2019 में 38 प्रतिशत वोट के साथ। कांग्रेस समेत बाकी दल यही कहकर खुश होते रहे कि भाजपा को बहुमत मिलने के बावजूद बचे 60-70 प्रतिशत वोट हमारे पास रहे। लेकिन इन वोटों के बावजूद सत्ता क्यों नहीं मिली, क्यों विधानसभा चुनावों में जीत नहीं मिली, इस पर कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया। ये विचारधारा और राजनैतिक प्रतिबद्धता का धुंधलापन है, जिसे केवल भाजपा को भला-बुरा कहकर दूर नहीं किया जा सकता। उसके लिए विपक्षी दलों के पास स्पष्ट नजरिया होना चाहिए। खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि हाल में मिली विधानसभा चुनावों में हार के बावजूद अपने प्रदर्शन को लेकर कोई गंभीर मंथन कांग्रेस में दिखाई नहीं दे रहा है। अभी कांग्रेस इसी में खुश है कि भाजपा को मुख्यमंत्री तय करने में एक हफ्ते से अधिक वक्त लग गया। भाजपा ने तीनों राज्यों में एकदम से नए चेहरों को लाकर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठा दिया है, तो अब भाजपा में बगावत हो सकती है, इसी ख्याल से कांग्रेस प्रसन्न हो रही है। इसी को वैचारिक दिवालियापन या प्रतिबद्धता की कंगाली कहते हैं। सही बात है कि धुंधलापन भाजपा के स्तर पर भी है। अगर दृष्टिकोण की स्पष्टता होती तो मुख्यमंत्री चयन में इतना वक्त नहीं लगता। जीते हुए विधायकों को यह तय करने दिया जाता कि उन्हें किसे विधायक दल का नेता चुनना है। मगर सत्ता के केन्द्रीकरण के आदी हो चुके प्रधानमंत्री मोदी और उनके सिपहसालार अमित शाह किसी भी तरह अपनी पकड़ कमजोर नहीं करना चाहते। इसलिए तीनों राज्यों में पूर्व मुख्यमंत्रियों और अन्य दिग्गजों को प्रतीक्षा की कतार में छोड़कर नए चेहरों को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी। अब ये मुख्यमंत्री खुद को उपकृत मानते हुए आलाकमान के सामने वफादारी साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद लोकसभा चुनाव की सभी सीटें अपनी पार्टी के खाते में करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा देंगे।2014 के बाद से ऐसा ही हुआ है कि लोकसभा के बाद विधानसभा चुनावों में जीत मिली, फिर विधानसभाओं के जरिए राज्यसभा में पार्टी की ताकत बढ़ी, उसके बाद मनमाने फैसले लेने में आसानी हुई, फिर दोबारा लोकसभा में जीत मिली और फिर से विधानसभा चुनावों में जीत मिली है। यही क्रम चला तो अगले चुनाव यानी 2024 में भाजपा की जीत के दावे खारिज नहीं किए जा सकते। और अगर ये दावे सही हुए तो फिर उसके बाद के विधानसभा चुनावों में जीत की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। यानी एक जीत से दूसरी जीत का मार्ग प्रशस्त होगा। उससे भाजपा की ताकत बढ़ेगी, लेकिन क्या देश ताकतवर बन पाएगा। क्या भाजपा की ताकत से डर कर चीन अरुणाचल से लेकर लद्दाख तक अपने कब्जे के इरादे को छोड़ देगा, क्या भाजपा की ताकत रुपए की ताकत बढ़ा देगी, क्या हमारे देश के विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के सम्मानजनक केंद्र बन जाएंगे, क्या खेतों में फसलें लहलहाने लगेंगी, क्या गंगा का मैल भाजपा की ताकत पाकर दूर हो जाएगा, क्या हिमालय की बर्फ इतनी सख्त हो जाएगी कि अपनी तराई में पल रहे गांवों की रक्षा कर सके, क्या हवा में घुला प्रदूषण भाजपा की आंधी से दूर हो जाएगा, क्या देश के युवाओं को नौकरी के लिए परीक्षा और नियुक्ति के इंतजार के जंजाल से आजादी मिल जाएगी। ऐसे सवालों की लंबी सूची है और जवाब तलाशने के लिए पिछले 10 सालों के भाजपा शासन को देखें तो निराशा ही होगी। जो काम 10 सालों में नहीं हुआ, वो अगले 10 सालों में भी कैसे हो पाएगा। कांग्रेस और बाकी सभी विपक्षी दलों को इन्हीं सवालों के साथ जनता के बीच जाना चाहिए।

मगर अभी फिर से विमर्श के मुद्दे भाजपा ही दे रही है, वही नैरेटिव सेट कर रही है। जैसे अभी संसद में केन्दीय गृहमंत्री अमित शाह ने पं.नेहरू की जम्मू-कश्मीर को लेकर गलतियां बताईं। एक उलझे हुए जटिल ऐतिहासिक मुद्दे का अति सरलीकरण करते हुए बताया कि केवल दो दिन नेहरू रुक जाते तो पीओके बनता ही नहीं। अमित शाह ने ये बात बिल्कुल मोदीजी की तर्ज पर कही। जैसे नोटबंदी के लिए श्री मोदी ने कह दिया था कि इससे भ्रष्टाचार दूर होगा, आतंकवाद खत्म हो जाएगा, काला धन मिट जाएगा। और जब कांग्रेस के सांसद के घर 3 सौ करोड़ से अधिक की नगदी मिलती है, तो श्री मोदी इसे कांग्रेस का भ्रष्टाचार बताते हुए ये बिल्कुल भूल जाते हैं कि इतनी नकदी मिलने का मतलब है नोटबंदी फेल हो गई है। कांग्रेस सांसद से पहले यूपी में इत्र के व्यापारी के घर भी ऐसे ही रकम पकड़ाई थी, मप्र में कुछ सरकारी अधिकारियों के घर ऐसे ही नोट निकले थे। यानी भ्रष्टाचार एक पार्टी तक सीमित नहीं है और इतनी आसानी से नहीं मिट सकता, जैसा प्रधानमंत्री मोदी दावा करते आए हैं। ऐसे ही जम्मू-कश्मीर की समस्या केवल पीओके बनने या अनुच्छेद 370 के कारण नहीं हुई, उसके लिए बहुत सारे अन्य कारक भी जिम्मेदार रहे, जिनका जिक्र अमित शाह ने अपनी राजनैतिक सुविधा के लिए नहीं किया।राहुल गांधी ने कहा भी कि अमित शाह इतिहास से अनजान हैं। मैं उनसे इतिहास जानने की उम्मीद नहीं कर सकता, उन्हें इसे दोबारा लिखने की आदत है...। बिल्कुल सही कहा। लेकिन इससे आगे होना ये चाहिए कि अगर अमित शाह या भाजपा इतिहास को दोबारा लिखने की कोशिश में हैं, तो कांग्रेस और बाकी विपक्षी दल उस कोशिश को रोकने में जुट जाएं। ये काम तथ्यों को जनता के बीच पहुंचाने से होगा। दस सालों में ये दिख गया कि मीडिया भाजपा के साथ है, सोशल मीडिया पर भी उसी का जोर है। तो फिर एक ही तरीका बचा है कि जनता तक सीधी पहुंच कायम की जाए। टीवी चैनल में दो-चार प्रवक्ता एंकरों को जवाब देते हैं और फिर उसकी वाहवाही सोशल मीडिया पर होती है, इससे कुछ हासिल नहीं होना है। इस समय पूरे इंडिया गठबंधन को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो जनता के बीच जाकर उन्हें तथ्यों के साथ इतिहास बताएं, संविधान में दिए गए उनके अधिकारों को आसान भाषा में समझाएं और ये भी बताएं कि मंदिर-मस्जिद की लड़ाई में उनका कितना नुकसान हो चुका है और कितना नुकसान होगा।प्रो.मनोज झा, जवाहर सरकार, गौरव वल्लभ, आलोक शर्मा जैसे और लोग इंडिया को तलाशने होंगे, जो जनता को भाजपा की चालाकियां तथ्यों के साथ दिखा सकें। ये एक लंबी प्रक्रिया है, मगर राजनैतिक बदलाव जनता को साथ लिए बिना नहीं हो पाएगा। इसके अलावा कांग्रेस को सगों और ठगों का फर्क भी समझना होगा। क्या यह महज संयोग है कि कांग्रेस की हार के बाद ही शर्मिष्ठा मुखर्जी की अपने पिता प्रणव मुखर्जी पर लिखी किताब विमोचित होती है और उसके वही हिस्से मीडिया के जरिए चर्चा में आते हैं, जिन पर राहुल गांधी, सोनिया गांधी और राजीव गांधी की आलोचना की गई है। क्या शर्मिष्ठा मुखर्जी के साथ पी.चिदम्बरम की तस्वीर कांग्रेस आलाकमान सहज ढंग से लेंगे या इसमें छिपे संदेश को समझेंगे।

संपादकीय

संसद भवन की सुरक्षा में बड़ी सेंध

एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पार्टी के दो नवनिर्वाचित मुख्यमंत्रियों- मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव और छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत कर रहे थे, उसी दौरान नए संसद भवन को चार लोगों ने अपने निशाने पर ले लिया। इन लोगों ने लोकसभा के भीतर रंगीन धुआं छोड़ दिया। लोकसभा में दर्शक दीर्घा से दो लोगों ने छलांग लगाकर साबित कर दिया कि देश की सबसे बड़ी पंचायत अब भी वैसी ही असुरक्षित है जिस प्रकार आज से ठीक 22 साल पहले थी जब इसी दिन पुराने भवन पर एक बड़ा आतंकी हमला हुआ था। संयोग से तब भी भाजपा की ही सरकार थी। हालांकि उस घटना और आज के घटनाक्रम के स्वरूप में बड़ा फर्क है लेकिन जो बात स्पष्ट तौर पर उभरकर आई है, वह यही कि सुरक्षा अब भी एक बड़ा मुद्दा है।दोपहर करीब एक बजे आसंदी पर वरिष्ठ सदस्य राजेन्द्र अग्रवाल विराजमान थे और पश्चिम बंगाल के माल्हदा के सांसद खरगेन मुर्मु अपने सवाल पूछ रहे थे। तभी एक व्यक्ति दर्शक दीर्घा से कूद पड़ा और नारे लगाता हुआ एक से दूसरी बेंच पर छलांगें लगाने लगा। वह अपने जूते से रंगीन धुंआ छोड़ने वाला स्प्रे निकालने के लिये प्रयासरत भी दिखा। उसके पीछे-पीछे एक महिला ने भी छलांग लगा दी। वे लोग नारेबाजी कर रहे थे। सदन में तैनात मार्शल तो बाद में हरकत में आये, कांग्रेस और बसपा के सांसदों ने घेराबन्दी कर उन्हें पकड़ लिया। तत्पश्चात मार्शलों के द्वारा वे पुलिस के हवाले कर दिये गये। इनकी जो शिनाख्त की गई है उसके अनुसार महिला का नाम नीलम (42) है, जो हिसार के रेड स्केवर की बताई गई है। दूसरा लातूर (महाराष्ट्र) का अमोल शिंदे (25) है। जब पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर ले जाया जा रहा था, वह महिला %तानाशाही नहीं चलेगी', %तानाशाही बन्द करो', %मणिपुर में महिलाओं के साथ अत्याचार बन्द करो' जैसे नारे लगा रही थी।

यह समझने की बात है कि ये चारों पेशेवर अपराधी या प्रशिक्षित आतंकवादी नहीं हैं, बल्कि देश के मौजूदा हाल से त्रस्त आम आदमी के नुमाइंदे हैं। जिस तरह भगत सिंह ने असेंबली में बम फेंक कर अंग्रेजी हुकूमत के कानों तक विरोध की आवाज पहुंचाई थी, यह उसी तरह का काम था। हालांकि देश अब आजाद है और अपनी आवाज पहुंचाने के दसियों वैध तरीके हैं, इसलिए इस तरह के काम को किसी भी नजर से सही नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि यह सरकार के लिये सबक है कि लोगों को व्यथित करने वाले मुद्दों को संवेदनशीलता और वरीयता के साथ डील करना सीखे।

बेशक सुरक्षा में इस बड़ी खामी के जिम्मेदार सीधे-सीधे गृह मंत्री अमित शाह हैं। इन लोगों द्वारा किये गये इस कृत्य का वास्तविक उद्देश्य क्या था, यह तो पूछताछ से ही सामने आ सकेगा परन्तु जिस तरीके से सुरक्षा कवच को भेदा गया है वह अत्यंत चिंताजनक है। बताया जा रहा है कि ये चारों लोग मैसूर के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के पास पर संसद भवन के भीतर घुसे थे। इस घटना को इसलिये भी बड़ी चिंता का सबब मानना चाहिये क्योंकि वह दर्शाती है कि दो दशक पहले संसद भवन पर हुए हमले के बावजूद अब भी सरकार नहीं चेती है। कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पुष्टि की कि दोनों के पास रंगीन धुंआ छोड़ने वाले कुछ उपकरण भी थे। उन्होंने भी सुरक्षा में इसे गम्भीर चूक बतलाया है। समाजवादी पार्टी की सदस्य डिंपल यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह अच्छा हुआ कि कोई बड़ी घटना नहीं हुई।

इसे पहले (2001) के मुकाबले इसलिये कोई कम बड़ा हादसा नहीं कहा जा सकता क्योंकि उस घटना में हमला बाहर ही हुआ था। उस समय हमलावरों को पुलिस बल तथा सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी का परिचय देते हुए भीतर आने के पहले ही रोक दिया था। उन्हें अंदर तक न पहुंचने देने में कुछ पुलिस वालों ने अपनी जान तक न्यौछावर कर दी थी। तब सुरक्षाकर्मियों समेत 9 लोगों की जान गई थी। इस घटना में यह खैर रही कि वे कोई खतरनाक वस्तु लेकर अंदर नहीं आए। इससे सांसदों की जान को खतरा भी हो सकता था।उल्लेखनीय है कि कुछ अरसा पहले से ही नये संसद भवन का इस्तेमाल हो रहा है जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया था। बड़ी इवेंटबाजी के साथ प्रारम्भ हुए इस नये भवन का यह पहला ही शीतकालीन सत्र है। इस पर सजावट आदि पर तो खूब खर्च हुआ है, मोदी ने संविधान व राजदण्ड के प्रतीक सेंगोल वगैरह लाने के प्रपंच भी खूब रचे थे लेकिन लगता है कि सुरक्षा जैसे बेहद अहम मुद्दे पर उसका ध्यान नहीं है। फिर, यह सरकार हमेशा देश के सुरक्षित हाथों में होने की जो बात करती रही है, उसकी भी पोल खुल गई है। यह घटना बतलाती है कि सरकार की सुरक्षा व्यवस्था बेहद लचर है और देश के सांसद तक असुरक्षित हैं।सबसे शर्मनाक मंज़र पेश किया वहां मौजूद मीडिया ने। रंगीन धुआं छोड़ता उपकरण पहले एक चैनल वाले के हाथ में लग गया जिसे उसने लाइव दिखाना शुरू कर दिया। टीआरपी की अपार सम्भावना को भांपते हुए तथा अन्य से पिछड़ने की आशंका के चलते चैनल वालों के बीच उसे लेकर शर्मनाक छीना-झपटी हुई।

धारा 370 को सर्वोच्च न्यायालय ने किया निरस्त, पर अनेक मुद्दे रह गये अनुत्तरित

सॉलिसिटर-जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया था कि अगस्त 2019 में धारा 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर को दिया गया केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा केवल एक %अस्थायी% उपाय था। उस वक्त सरकार ने कहा था कि वह उग्रवाद और आतंकवाद को खत्म करने के लिए यह कदम उठा रही है। अब मोदी सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या आतंकवाद खत्म हो गया है, विशेषकर इसलिए कि सरकार द्वारा उठाये गये कदम को अस्थायी बताया गया था।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 11 दिसंबर को अपने फैसले में संविधान की धारा 370 को निरस्त करने को बरकरार रखा, जिसके बहुआयामी निहितार्थ हैं। शीर्ष अदालत ने धारा 370 की उपधारा (बी) को हटा दिया, लेकिन उसने सीधे तौर पर यह घोषणा नहीं की कि धारा 370 का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा। उपधारा (बी) के अस्तित्व समाप्त होने की पृष्ठभूमि में, यह माना जा सकता है कि धारा 370 अप्रचलित हो गई है और अस्तित्वहीन है।बेशक, आरएसएस, भाजपा और मोदी जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाली धारा 370 के प्रावधानों को निरस्त करने की अपनी योजना की सफलता का दावा कर सकते हैं और इसे 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान एक बड़ी राजनीतिक जीत के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर सकते हैं। परन्तु संभवत- हिंदू मध्यम वर्ग के मतदाताओं और भक्तों के एक वर्ग के मानस को प्रभावित करने में सफल होने पर, यह निकट भविष्य में राजनीतिक कार्रवाइयों और जवाबी प्रतिक्रियाओं की एक श्रृंखला शुरू कर देगा।

पीठ ने फिर भी फैसला सुनाया कि म्मू-कश्मीर की कोई आंतरिक संप्रभुता नहीं ह और 1947 के विलय पत्र के माध्यम से उसने भारत संघ को पूर्ण रूप से और अंतत- आत्मसमर्पित कर दिया था, और धारा 370 एक अस्थायी उपाय मात्र था। निश्चित रूप से यह जम्मू-कश्मीर के आम लोगों की गलती नहीं है कि उनके पास ंतरिक संप्रभुता% नहीं है जो अन्य राज्यों द्वारा प्राप्त संप्रभुता से अलग है। यदि जम्मू-कश्मीर ने पूरी तरह से और अंतत- आत्मसमर्पण कर दिया था, तो सरकार ने रक्षा, विदेशी मामलों और मौद्रिक लेनदेन को 370 के दायरे में क्यों रखा और बाकी सब कुछ स्थानीय प्रशासन पर छोड़ दिया, जिसे दिन-प्रतिदिन शासन करना था।ऐसी स्थिति में सभी निर्णय और प्रशासनिक कार्रवाइयां अप्रासंगिक मानी जायेंगी और उनकी कोई संवैधानिक या कानूनी वैधता नहीं होगी। संप्रभुता एक व्यापक शब्द है और यह भारतीय संदर्भ तक ही सीमित नहीं है। वास्तव में यह एक राजनीतिक अवधारणा है जो प्रमुख शक्ति या सर्वोच्च सत्ता को संदर्भित करती है। राजशाही में, सर्वोच्च शक्ति ंप्रभु या राजा में निहित होती है। आधुनिक लोकतंत्रों में, संप्रभु शक्ति लोगों के पास होती है और इसका प्रयोग प्रतिनिधि निकायों के माध्यम से किया जाता है। जाहिर है कि जम्मू-कश्मीर में एक विधानसभा थी, इसके सदस्यों का चुनाव राज्य की जनता द्वारा किया जाता था।इसमें कोई संदेह नहीं कि राष्ट्रपति ने इसे रद्द करने का आदेश दिया। लेकिन उन्होंने गणतंत्रीय लोकतंत्र की रीतियों और मर्यादाओं का पालन करते हुए मोदी सरकार की कैबिनेट के सुझाव पर इसे मंजूरी दे दी। इससे यह भी अंदाजा लगाया जा रहा है कि मोदी सरकार ने किसी गलत इरादे से यह कवायद नहीं की, बल्कि सरकार ने साफ शब्दों में सर्वोच्च न्यायलय को अपनी मजबूरियां बताईं, पर न्यायालयी आदेश में मजबूरी नहीं झलकती है।चूंकि इस मामले में मोदी सरकार ने अपने कैबिनेट फैसले के साथ राष्ट्रपति से संपर्क किया था, जाहिर है, राष्ट्रपति को इस धारा के दूसरे प्रावधान के तहत राज्य सरकार की ओर से कार्य करने वाली राज्य सरकार या केंद्र सरकार की सहमति सुरक्षित करने की आवश्यकता नहीं थी।% 370(1)(डी) संविधान के सभी प्रावधानों को जम्मू और कश्मीर में लागू करते समय, क्योंकि शक्ति का ऐसा प्रयोग धारा 370(3) के तहत शक्ति के प्रयोग के समान प्रभाव रखता है, उसके लिए राज्य सरकार की सहमति या सहयोग आवश्यकता नहीं थी।%

सॉलिसिटर-जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया था कि अगस्त 2019 में धारा 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर को दिया गया केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा केवल एक अस्थायी उपाय था। उस वक्त सरकार ने कहा था कि वह उग्रवाद और आतंकवाद को खत्म करने के लिए यह कदम उठा रही है। अब मोदी सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या आतंकवाद खत्म हो गया है, विशेषकर इसलिए कि सरकार द्वारा उठाये गये कदम को अस्थायी बताया गया था। गृह मंत्रालय द्वारा राज्यसभा में जारी एक हालिया बयान में स्वीकार किया गया है कि जम्मू और कश्मीर में 2018 से 2022 के बीच 761 आतंकवादी घटनाएं देखी गईं। इन सभी हमलों में 174 नागरिकों की मौत हुई है। इसके अलावा राज्य में राजनीतिक अस्थिरता भी बनी हुई है। मोदी सरकार ने नेताओं का भरोसा खो दिया है। इनमें से कई लोग घर में नजरबंद रह रहे हैं।यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि संविधान पीठ के न्यायाधीशों में से एक ने धारा 370 के निरस्तीकरण को बरकरार रखते हुए कम से कम 1980 के दशक से जम्मू-कश्मीर में राज्य और राज्य के बाहर के सक्रिय तत्वों द्वारा मानवाधिकारों के उल्लंघन की जांच करने और %सुलह के उपायों की सिफारिश करने के लिए सच्चाई और सुलह आयोग की स्थापना की सिफारिश की। यह कहते हुए कि ागे बढ़ने के लिए, घावों को ठीक करने की आवश्यकता है,सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठता में दूसरे नंबर पर न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ने कहा, स्मृति के लुप्त होने से पहले, इस आयोग का गठन शीघ्रता से किया जाना चाहिए। इसे समयबद्ध तरीके से किया जाना चाहिए। युवाओं की एक पूरी पीढ़ी पहले से ही अविश्वास की भावनाओं के साथ बड़ी हुई है और क्षतिपूर्ति का हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य उन्हीं के प्रति है।

हालांकि जम्मू-कश्मीर के लोग निराश हैं, लेकिन इस आदेश में आशा की एक उज्ज्वल किरण भी है। पीठ ने मोदी सरकार को जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश दिया है। यह %जितनी जल्दी हो सके किया जाये इसने कहा और साथ ही उसने चुनाव आयोग को 30 सितंबर, 2024 तक जम्मू और कश्मीर विधानसभा के चुनाव कराने का निर्देश दिया।एक बार जब कश्मीर के लोग अपने मार्गदर्शन और भविष्य का फैसला करने के लिए अपनी सरकार बना लेते हैं, तो वे घाटी में बाहरी लोगों के जमीन खरीदने के प्रावधान को खत्म कर सकते हैं। यह उन मुख्य कारकों में से एक है जिसने आरएसएस और भाजपा नेतृत्व को सुरक्षा प्रदान करने वाले 370 को निरस्त करने के लिए प्रेरित किया। यदि अदालत को लगता है कि धारा 370 में संशोधन के लिए संसद द्वारा धारा 367 का सहारा लेना संवैधानिक रूप से अमान्य% था तो वह इसे निरस्त करने की मंजूरी कैसे दे सकती है। इसने यह भी कहा कि धारा 370 को धारा 367 के तहत शक्ति के प्रयोग से संशोधित नहीं किया जा सकता है, जो केवल एक व्याख्यात्मक खंड है और कोई संशोधन शक्ति या प्रावधान नहीं है। ग़लत तो ग़लत है। दुर्भावनापूण% राजनीतिक इरादे को रेखांकित करना बहुत मुश्किल है।

मोदी सरकार इस बारे में कोई ठोस और उचित स्पष्टीकरण नहीं दे सकी कि किस वजह ने उसे राज्य को विभाजित करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण था कि कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के विघटन पर निर्णय लेने में सर्वोच्च न्यायालय की अनिच्छा पर %निराशा% व्यक्त की, और कहा कि वह धारा 370 को निरस्त करने के फैसले से सम्मानपूर्वक असहमत है।इस पृष्ठभूमि में कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी ने जानना चाहा- %कब तक केंद्र सरकार रिमोट कंट्रोल से राज्य पर शासन करने का इरादा रखती है? डर किस बात का है? सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में विरोधाभास है। हालांकि इसमें कहा गया है कि वे राज्य को केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के फैसले की वैधता पर फैसला नहीं करेंगे। इसे एक खुला मामला घोषित करते हुए उन्होंने लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने को उचित ठहराया।

दुर्भाग्य से कश्मीरी लोगों के घावों पर मरहम लगाने का अवसर खो गया है। कश्मीर के लोगों ने सब कुछ अपने भाग्य पर छोड़ दिया है। उन्हें सुरंग के अंत में प्रकाश की कोई झिलमिलाहट दिखाई नहीं देती। यही कारण है कि वे अच्छी या प्रतिकूल टिप्पणी करने से बचते रहे। शीर्ष अदालत के इस आदेश से राजनीतिक नेताओं और आम लोगों को राहत नहीं मिली है।

...तो गंभीर रूप ले सकता है अनीमिया

अनीमिया एक ऐसी स्थिति होती है जिसमें शरीर के अंदर खून की कमी हो जाती है। अगर समय रहते इसका निदान न किया जाए तो यह गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए जरूरी है कि आपको अनीमिया, उसके लक्षण व कारणों के बारे में पूरी जानकारी हो। साथ ही यह भी पता हो कि ऐसी कौन-सी चीजें हैं, जिन्हें खाने से अनीमिया को ठीक किया जा सकता है।

गंभीर रूप की ओर इशारा करते हैं। अगर अनीमिया लगातार बना रहे तो डिप्रेशन का रूप ले सकता है।

अनीमिया के प्रकार और कारण

अनीमिया 3 तरह का होता है– माइल्ड, मॉडरेट और सीवियर। अगर बॉडी में हीमोग्लोबिन 10 से 11 के आसपास हो तो इसे माइल्ड अनीमिया कहते हैं। वहीं अगर हीमोग्लोबिन 8 से 9 होता है तो इसे मॉडरेट अनीमिया कहते हैं। जबकि सीवियर अनीमिया में हीमोग्लोबिन 8 से कम होता है। यह एक गंभीर स्थिति होती है,

अनीमिया के लक्षण

सबसे पहले तो यह जानने की जरूरत है कि किन लोगों को अनीमिया आसानी से अपनी गिरफ्त में ले सकता है। ऐसे लोग जो लंबे समय से किसी बीमारी या इंफेक्शन का शिकार हैं उन्हें अनीमिया आसानी से हो सकता है। अनीमिया के कुछ प्रकार अनुवांशिक होते हैं, लेकिन यह खराब डायट और जीवनशैली की वजह से भी हो सकता है। बात करें इसके लक्षणों की, तो थकान, कमजोरी, त्वचा का पीला होना, दिल की धड़कन का असामान्य होना, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, सीने में दर्द, हाथों और पैरों का ठंडा होना, सिरदर्द आदि अनीमिया की तरफ इशारा करते हैं। इसके अलावा स्टूल के कलर में बदलाव, कम ब्लड प्रेशर, स्किन का ठंडा पड़ना, स्प्लीन का साइज बढ़ना भी अनीमिया के लक्षण हैं।

ये लक्षण भी हैं खतरनाक

सिर, छाती या पैरों में दर्द होना, जीभ में जलन होना, मुंह और गला सूखना, मुंह के कोनों पर छाले हो जाना, बालों का कमजोर होकर टूटना, निगलने में तकलीफ होना, स्किन, नाखून और मसूड़ों का पीला पड़ जाना आदि कुछ ऐसे लक्षण हैं जो अनीमिया के एक जिसमें मरीज की हालत के अनुसार खून चढ़ाने की भी नौबत आ जाती है। अनीमिया कई वजहों से हो सकता है। जैसे कि हेमरेज होने या फिर लगातार खून बहने की वजह से भी शरीर में खून की कमी हो जाती है। इसके अलावा फॉलिक ऐसिड, आयरन, प्रोटीन, विटमिन सी और बी 12 की कमी हो जाए तो अनीमिया हो सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, अगर फैमिली हिस्ट्री में ल्यूकेमिया या थैलीसीमिया की बीमारी रही है तो फिर उस स्थिति में अनीमिया होने के चांस 50 फीसदी तक बढ़ जाते हैं।

आयरन की कमी से होता है अनीमिया

अनीमिया रक्त संबंधित बीमारी है जो महिलाओं में ज्यादा पायी जाती है। शरीर में आयरन की कमी के कारण यह समस्या होती है। विटमिन बी12, फोलिक ऐसिड, कैल्शियम युक्त आहार आदि इससे बचाव करते हैं। इन चीजों से इस बीमारी के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

रोज खाएं चुकंदर – चुकंदर में आयरन की भरपूर मात्रा होती है, इसे खाने से शरीर में खून की कमी नहीं होती। इसको रोज अपने खाने में सलाद या सब्जी बनाकर प्रयोग करने से शरीर में खून बनता है। चुकंदर की जड़ों को भी प्रयोग कर सकते हैं, इसमें विटमिन ए और सी होता है।

अंजीर खाएं – अनीमिया के लिए अंजीर काफी फायदेमंद माना जाता है। अंजीर में विटमिन बी12, कैल्शियम, आयरन, फॉस्फॉरस, पोटैशियम जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं जो खून की कमी को दूर करते हैं। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी मददगार है।

टमाटर का सूप पिएं – टमाटर में विटमिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इसमें बीटा केरोटिन और विटमिन ई भी पाया जाता है जो आयरन की कमी को दूर करता है। टमाटर को सलाद के अलावा इसका सूप भी पी सकते हैं।

अंडा खाएं – अंडे में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है, यह एक अच्छा ऐंटिऑक्सिडेंट भी है जो शरीर को बीमारियों से बचाकर आयरन की कमी दूर करने में मदद करता है। एक बड़े अंडे में 1 ग्राम आयरन होता है जो खून की कमी दूर करता है। अंडे को ब्रेकफस्ट में शामिल कर खून की कमी दूर करें।

आयरन से भरपूर अनार – अनार ऐसा फल है जिसमें विटमिन सी और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अनार का सेवन करने से शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है और यह अनीमिया से लड़ने में भी मदद करता है। इसके अलावा अनार कमजोरी और थकान को भी दूर करता है।

फल और सब्जियां ज्यादा खायें – अनीमिया से ग्रस्त लोगों को यह सलाह दी जाती है कि वे फल और हरी सब्जियां ज्यादा खाएं। फल जैसे खजूर, तरबूज, सेब, अंगूर, आदि खाने से शरीर में खून तेजी से बढ़ता है और अनीमिया की शिकायत दूर होती है।

अनीमिया के बारे में खास बातें

अनीमिया मुख्य रूप से तीन तरह का होता है, लेकिन सबसे आम आयरन की कमी से होने वाला अनीमिया है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 90 फीसदी लोगों में यही अनीमिया होता है।

कुछ लोग आइस क्यूब बहुत खाते हैं। अगर ऐसा है तो फिर यह अनीमिया का लक्षण हो सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अनीमिया की एक खास क्वॉलिटी भी होती है। अनीमिया मुख्य रूप से आयरन की कमी से होता है और जब शरीर में आयरन कम हो जाता है तो इंफेक्शन पैदा होने का खतरा नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादातर बैक्टीरिया अपनी पावर बढ़ाने के लिए आयरन पर निर्भर होते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, गर्भवती महिलाओं में अनीमिया होने का अत्यधिक खतरा रहता है। दुनियाभर में 40 फीसदी गर्भवती महिलाओं को अनीमिया होता है। वैसे तो गर्भवती महिलाओं में 20 से 30 फीसदी अधिक ब्लड सप्लाई होता है ताकि गर्भ में पल रहे बच्चे को ज्यादा मात्रा में ऑक्सीजन मिले। लेकिन ऐसा हमेशा संभव नहीं हो पाता कि गर्भवती महिलाओं के शरीर में इतनी अत्यधिक मात्रा में ब्लड प्रड्यूस हो।

वजन करना है कम या बीपी रखना है नॉर्मल तो रोज सुबह पिएं गर्म पानी

शरीर के लिए पानी कितना अहम है इसके बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर रोज सुबह खाली पेट आप गर्म पानी पिएं तो हेल्थ को कई फायदे होते हैं।

पाचन रहे दुरुस्त

गर्म पानी पाचन में मदद करता है। ऐसा खाना जिसे पेट आसानी से पचा नहीं पा रहा हो उसे ब्रेक करने और पचाने में गर्म पानी काफी मदद करता है, इससे पेट साफ रहता है और पाचन संबंधी कोई और समस्या परेशान नहीं करती।

वेट लॉस

पाचन दुरुस्त रहे तो वेट लॉस में भी मदद मिलती है। साथ ही में गर्म पानी फैट लॉस में भी मदद करता है।

पेट दर्द व मरोड़ में राहत

पेट दर्द होने पर या मरोड़ चलने पर भी गर्म पानी काफी राहत देता है। हालांकि इसका ध्यान रहे कि पानी को धीरे–धीरे पिएं, एकदम से गर्म पानी पीना नुकसान कर सकता है। वहीं रोज सुबह गर्म पानी पिएंगे तो ये परेशानियां होंगी ही नहीं।

ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है

सुबह गर्म पानी पीने से ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन को सुधारने में भी मदद मिलती है, यह बीपी को नॉर्मल रखने में भी मदद करता है।

गला रहेगा साफ

अक्सर सुबह उठने पर लोग कफ की शिकायत करते हैं, ऐसे में गर्म पानी पीने पर उन्हें राहत महसूस होगी। गर्म पानी कफ की समस्या को दूर कर गले को साफ रखता है।

बॉडी होगी टॉक्सिन फ्री

शरीर के टॉक्सिन को बॉडी से बाहर निकालने में भी गर्म पानी काफी मदद करता है। यह न सिर्फ हेल्थ पर पॉजिटिव असर डालता है बल्कि स्किन पर भी ग्लो लाता है।

बारिश का मौसम वैसे तो इंजॉय करने वाला मौसम होता है लेकिन अकसर यह बीमारियों वाला मौसम साबित हो जाता है। बरसात होने के बाद तपती गर्मी से राहत तो मिलती है लेकिन उमस के कारण इस मौसम में बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। इस कारण इस मौसम में कई बीमारियां फैलती हैं।

बरसात के मौसम में पानी से फैलने वाली बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। ऐसे में ठीक होने के लिए लोग ऐंटिबायॉटिक्स का सहारा लेते हैं। अकसर लोग बिना डॉक्टर की सलाह के ही ऐंटिबायॉटिक्स ले लेते हैं। अगर आप भी बीमार पड़ने पर बिना डॉक्टर से पूछे ऐंटिबायॉटिक्स दवाइयां खाते हैं तो सावधान हो जाइए। आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। बेवजह ऐंटिबायॉटिक्स का इस्तेमाल आपको अन्य बीमारियों के प्रति असुरक्षित बना सकता है क्योंकि

बेवजह न करें ऐंटिबायॉटिक्स का इस्तेमाल

इससे कई अच्छे बैक्टीरिया मर जाते हैं। ज्यादा इस्तेमाल से शरीर में ऐंटिबायॉटिक्स के लिए प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ जाती है। ऐसे में हो सकता है कि जरूरत पड़ने पर शरीर को इसका फायदा न पहुंचे। बेवजह ऐंटिबायॉटिक्स खाने से बेहतर होगा कि आप बारिश के मौसम में होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक रहें और उनसे बचने की कोशिश करें।

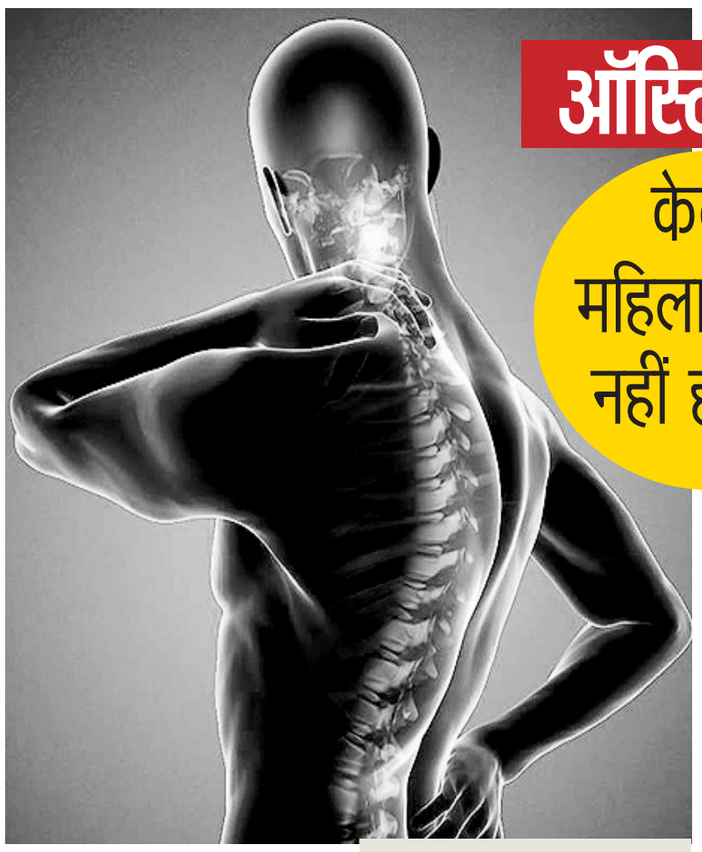

ऑस्टियोपोरोसिस

केवल महिलाओं को नहीं होता है

ऑस्टियोपोरोसिस (अस्थि-सुषिरता) में हड्डियां पतली हो जाती हैं, जिससे वे धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं, उनकी शक्ति समाप्त हो जाती है और सामान्य हड्डियों की तुलना में वे सरलता से टूट जाती हैं। यह रोग लाखों उम्र दराज महिलाओं और पुरुषों को होता है। महिलाओं के गिरने पर उनकी हड्डिया, टूटने के लिये दोगुनी प्रवण होती हैं, लेकिन ऑस्टियोपोरोसिस पुरुषों के लिए भी जोखिम भरा होता है, खासकर यदि वह 80 और 90 वर्ष की आयु में हो। ऑस्टियोपोरोसिस को अक्सर महिलाओं का रोग माना जाता है, इस कारण पुरुषों के संदर्भ में इस घातक रोग पर ध्यान नहीं दिया जाता है, लेकिन पुरूष भी इसके लिए प्रवण होते हैं। सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल के अनुसार, यह सच है कि वृद्ध पुरुषों को वृद्ध महिलाओं की तुलना में आधे फेक्चर होते हैं, लेकिन पुरुष इस रोग के कारण स्थायी विकलांगता के लिए अधिक प्रवण होते हैं और महिलाओं की तुलना में इस रोग से दोगुने पुरुषों की मृत्यु हो सकती है।

- स्वास्थ्यकर आहार लें, जिसमें पर्याप्त विटामिन 'डी' अच्छी वसा (विटामिन 'डी' वसा में घुल जाता है) और कैल्शियम हो। कैल्शियम और विटामिन 'डी' पूरक आहार के रूप में भी उपलब्ध हैं, लेकिन हालिया शोध बताता है कि आहार से खनिज और विटामिन लेने से समानता बेहतर होती है।
- नियमित व्यायाम और शरीर का भार उठाना। ऐसी गतिविधियों में तेज चलना, जॉगिंग और आउटडोर स्पोर्ट्स शामिल हो सकते हैं। बॉडी वेट एक्सरसाइज, जैसे पुश-अप, पुल-अप और लंबी कूद प्रत्येक सप्ताह में दो बार करना चाहिए, ताकि बड़ी मांसपेशियों की शक्ति बढ़े।
- दिनभर सक्रिय रहें। आलस्य वाली जीवनशैली तंदुरूस्ती की शत्रु है और तंदुरूस्ती में हड्डियों की मजबूती भी शामिल है।
- धूम्रपान छोड़ें और शराब का अत्यधिक सेवन न करें।
- हड्डी के घनत्व की नियमित जांच करवाएं।

अमोल नाइकावाडी

ऑस्टियोपोरोसिस कैसे होता है?

हमारे जीवनकाल में हड्डियों में बदलाव होते रहते हैं: पुरानी हड्डी की जगह नई हड्डी आ जाती है। और युवावस्था में शरीर हटने वाली हड्डी की जगह भरने के लिए ज्यादा हड्डी देता है, फिर हमारी हड्डिया विकसित होती हैं और मोटी हो जाती हैं और कंकाल बड़ा तथा मजबूत होता जाता है। हड्डी की वृद्धि और घनत्व जीवन के तीसरे दशक में चरम पर होता है। पुरूषों और महिलाओं, दोनों में हटने वाली हड्डी की दर नई हड्डी बनने की दर से धीरे-धीरे अधिक होती जाती है। 50 वर्ष की आयु के बाद पुरूषों में हड्डी जल्दी नहीं हटती है, जबकि महिलाओं में रजोनिवृत्ति के बाद ऐसा होता है। इसका बड़ा कारण है गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान उनके शरीर में कैल्शियम की मात्रा कम होना। 65 वर्ष की आयु तक महिलाओं और पुरूषों, दोनों में समान दर से हड्डी की क्षति होती है और कैल्शियम तथा हड्डी के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी अन्य खनिजों की स्थिति एक समान हो जाती है। ऑस्टियोपोरोसिस का सीधा सम्बंध आयु से है और इसे 'शांत रोग' (साइलेंट डिजीज) कहा जाता है, क्योंकि इसका कोई लक्षण नहीं होता है, जब तक हड्डी न टूटे। यह बढ़ती आयु में होता है और बाद की अवस्थाओं में इससे कारण हड्डी की क्षति होती है। अपनी आयु के 7वें और 8वें दशक में पुरूष इसके लिए अधिक प्रवण होते हैं। यदि किसी को छोटी आयु में ऑस्टियोपोरोसिस होता है, तो इसका करण कैंसर या गुर्दे का खराब होना है। हालांकि, ऐसे कुछ कारक हैं, जिन पर नियंत्रण करने से हड्डी की भारी क्षति से बचा जा सकता है, जो प्राकृतिक रूप से होता है। महिलाओं की तुलना में पुरूषों में ऑस्टियोपोरोसिस पर कम शोध हुआ है, लेकिन यदि हर कोई कुछ रोकथामपरक उपाय करे, तो हड्डी की ताकत बनी रहेगी।

सर्दी में शरीर को नहीं मिल रहा विटामिन-डी? ये जादुई रेसिपी करेंगी काम

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 70 फीसदी लोगों में विडामिन-डी की कमी है। इनमें से ज्यादा आबादी महिलाओं की ही है। सहेतमंद रहने के लिए शरीर को सभी जरूरी विटामिन और मिनरल्स की जरूरत होती है। भोजन से मिलने वाले इन सभी पोषक तत्वों के बावजूद सर्दियों में शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन-डी नहीं मिल पाता। इस मौसम में लोगो के शरीर में विटामिन-डी की सबसे ज्यादा कमी होती है।

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 70 फीसदी लोगों में विडामिन-डी की कमी है। इनमें से ज्यादा आबादी महिलाओं की ही है। आइए आपको बताते हैं सर्दियों में खाने की कौन सी चीजें शरीर में विटामिन डी की कमी को पूरा कर सकते हैं।

- क्या आपने कभी टैंगो टुना सैंडविच के बारे में सुना है। यह सैंडविच शरीर में विटामिन-डी की कमी को आसानी से पूरा कर सकता है। इसे बनाने के लिए आटे की ब्रेड में लाल प्याज, खीरा, अंकुरित दाल और सेब का इस्तेमाल किया जाता है।
- चिकन में अगर कई तरह की चीजें मिलाकर उसका सलाद बनाया जाए तो इससे भी विटामिन-डी की कमी पूरी हो सकती है। इसके लिए आपको बॉइल चिकन में मशरूम, हरी सरसों, तिल के बीज और बॉयल्ड एग मिलाकर सलाद बनाना होगा।
- कई लोग बॉइल एग का येलो पार्ट अलग कर उसे खाते हैं। अंडे के इस हिस्से को यॉक कहा जाता है। शायद आपको पता नहीं, अंडे के इस भाग में हेल्दी फैट और कार्ब्स होता है। विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए काली और हरी बीन्स के साथ इसका सेवन कीजिए।
- शरीर में विटामिन-डी की कमी को पूरा करने के लिए एवोकैडो को अच्छा फल माना जाता है।

मूंगफली की चटनी

सामग्री

- मूंगफली - 100 ग्राम (भुनी हुई)
- हरी मिर्च- 2
- नमक- स्वादानुसार
- नींबू का रस- 1 चम्मच
- तेल- 1 चम्मच
- सूखी लाल मिर्च- एक
- राई- चौथाई चम्मच।

विधि

सबसे पहले आप मूंगफली को जार में डाल दें उसके बाद हरी मिर्च, नमक, नींबू का रस, और थोड़ा-सा पानी डालकर उसे पीस लें। इसमें आप चाहें तो थोड़ी सी चने की दाल भी भूनकर डाल सकते है। फिर थोड़ा सा पानी डालकर उसे पतला पीस लें। अब इसे किसी कटोरे में निकालें। अब गैस पर फ्राई पैन रखकर उसमें तेल डालें। इसमें लाल मिर्च को आधा-आधा तोड़कर डाले और करी पत्ते को डालकर गैस बंद कर दें। इस तड़के को मूंगफली की चटनी में डालें और चटनी को चम्मच से मिला दें। मूंगफली की चटनी तैयार है।

करेले की सब्जी

सामग्री

- 4 करेला
- 6 करी पत्ता
- 1 चम्मच बनारसी राई
- 1 चम्मच लहसुन पेस्ट
- 1 चम्मच अमचूर
- 1 चम्मच गुड़
- 2 चम्मच वेजिटेबल ऑइल
- 2 चम्मच हरी मिर्च
- 1 चम्मच जीरा
- 1 चम्मच धनिया पाउडर
- 1 चम्मच इमली पेस्ट
- 1 चम्मच कसा हुआ अदरक
- 1 कटा हुआ प्याज
- आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- नमक स्वादानुसार
- आधा चम्मच हल्दी

विधि

सबसे पहले करेले को फ्रेश पानी से धोकर अलग रख दें ताकि उसका सारा पानी सूख जाए। इसके बाद उसे गोलाई में काट लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, बनारसी राई, हरी मिर्च और करी पत्ता डालकर अच्छे से चलाएं। इसके बाद उसमें कटा हुआ प्याज डाल दें। सुनहरा होने तक भूनते हुए इसमें धनिया, लहसुन, अदरक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी और अमचूर पाउडर मिला दें। अब इसमें कुछ बूंदें पानी की डालते हुए अच्छे से चलाएं। अब कटे हुए करेलों को इस तैयार पेस्ट में डालते हुए उसमें स्वादानुसार नमक भी मिलाते हुए अच्छे से चलाएं। अब इस पेस्ट में इमली का पेस्ट डालकर 5 से 7 मिनट तक करेलों को पकने के लिए छोड़ दें। अब इस तैयार करेले के सब्जी में गुड़ डालकर उसे अच्छे से मिला लें। थोड़ी देर गैस पर रखने के बाद गैस बंद करके गरमा गर्म सर्व करें।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन दी दू थ झ ञ द दे दो चा ची

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 2678

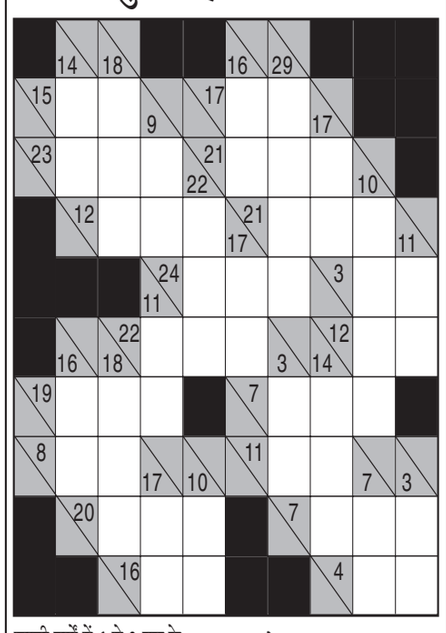

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

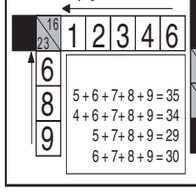

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2677 का हल

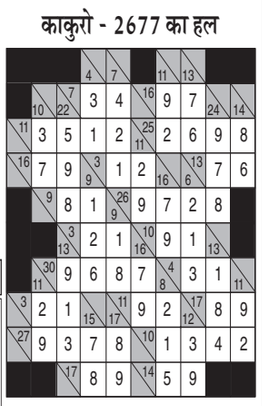

हंसी के फव्वारें

'सुधीर, आज जब मैं पढ़ा रहा था तो तुम बातें कर रहे थें. अध्यापक ने कहा.'

'नहीं सर, आपको भ्रम हो गया लगता है मैं तो नींद में कभी बाते नहीं करता हूँ.'

□ □ □

'कल रात अंधेरे में एक चोर मेरे कमरे में घुस आया.' एक लड़की ने अपने प्रेमी को बताया.

'फिर क्या उसने कुछ चुराया ?' प्रेमी ने पूछा.

'हां, बहुत कुछ चुराकर ले गया, मैं समझी कि तुम आये हो.'

□ □ □

मालिक(नौकर से) : रामू इस वर्ष तुम चार बार अपने दादा के मरने की छुट्टी ले चुके हो अब किस बात की छुट्टी चाहिए?

रामू: मालिक मेरी दादी की शादी है.

□ □ □

एक महिला ने अपनी सखी को बताया,'मेरे लिए पति की देखभाल करना मुश्किल काम नहीं, आखिर मैं अपने चार बच्चों को पाल चुकी हूँ.'

□ □ □

रात्रि का समय था. हवलदार ने एक साइकिल सवार को बिना रोशनी लगाये आते देखा तो उसने रोका और पूछा-'यह साइकिल तुम्हारी है?'

'जी नहीं.'

'तुम्हारा नाम'

'जी वह मेरा अपना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2678

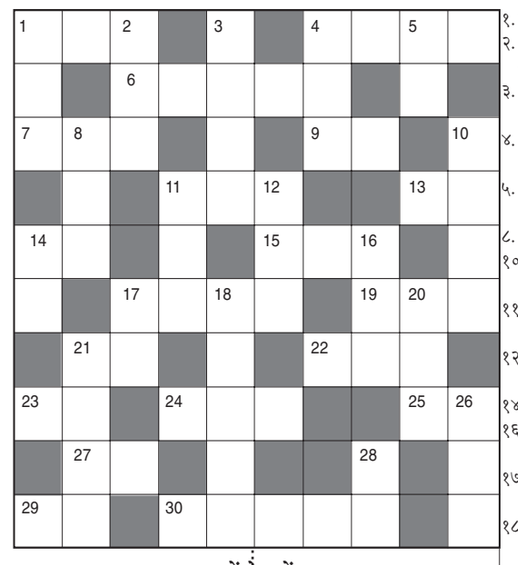

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचेः-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी आँखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६.अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2677

ब्ले	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		फ्ता
हं		मी		ह	वा		ब	ह्मा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	ई	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
ह्मा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	दिं	श		स	त्या		दें		र

सूडोकु -2678

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2677 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 2678

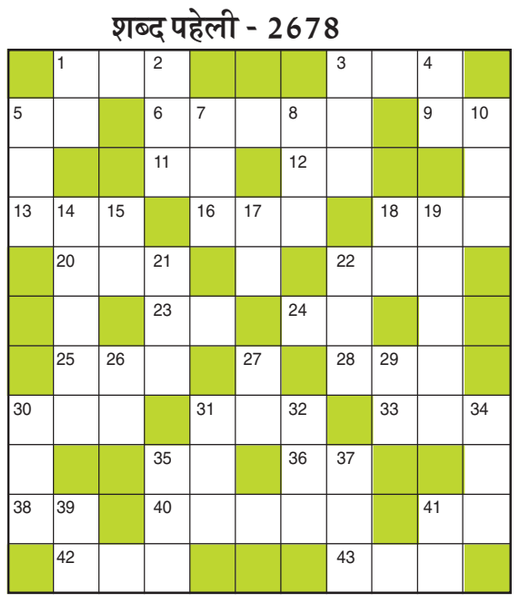

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -2677 का हल

क	म	ला	का	र			कु	रा	न
था	न		र		कै	ला	श		भ	ला
बा			खा	विं	द		ल			य
च	म	क	ना			त		क	स	क
क		या		क	ल	क	ल		ली	
	आ	स		ल		रा		शा	म	
	रा		क	र	ता	र		म		ख
श	म	न		ब			म	त	ल	ब
ह			म		दा	म	न			र
र	थ		ग	र	म		च		दा	दा
	ल	की	र			स	ली	के	दा	र

संसद सुरक्षा उल्लंघन मामला- सीन को 'रिक्रिएट' करेगी पुलिस

नई दिल्ली। संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में स्पेशल सेल शनिवार या रविवार को आरोपितों को संसद परिसर में ले जाकर बुधवार की संसद सुरक्षा उल्लंघन के दृश्य को फिर से रिक्रिएट करेगी। पुलिस सूत्रों की मानें तो क्राइम सीन को रिक्रिएट करने के लिए आरोपितों को संसद ले जाया जाएगा। इससे पुलिस को यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि आरोपित कलर स्प्रे के साथ संसद भवन में कैसे दाखिल हुए। उन्होंने अपनी योजना को कैसे अंजाम दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वारदात के तरीके को समझने के लिए और इसका सुक्ष्म विश्लेषण करने के लिए दिल्ली पुलिस यह तरीका अपनायेगी। स्पेशल सेल आरोपितों को संसद परिसर के गेट से बिल्डिंग के अंदर तक ले जाएगी। गुरुवार को संसद की कार्यवाही चलने के कारण स्पेशल सेल की टीम गिरफ्तारी के बाद का सीन रीक्रिएट नहीं कर पाई है। टीम शनिवार या रविवार को उस दृश्य को फिर से बनाने की कोशिश कर रही है जब संसद सत्र नहीं चल रहा होगा।

बिहार से मुंबई जाने वाली पवन एक्सप्रेस के एसी टू टायर कोच में लगी आग

पटना। बिहार के मधुबनी जिले में शुक्रवार को जयनगर से मुंबई जाने वाली पवन एक्सप्रेस के एसी टू टायर कोच में आग लग गई। रेलकर्मियों ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते आग बुझा लिया। आग लगने की सूचना पर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। बताया गया है कि ट्रेन मुंबई जाने के लिए प्लेटफॉर्म पर खड़ी थी। एक बजे ट्रेन के खुलने का समय था। इस बीच ट्रेन के एसी कोच में आग लग गई। इससे स्टेशन पर अफरा-तफरा मच गई। आनन-फानन में यात्रियों को खिड़की तोड़कर सुरक्षित निकाला गया। बाद में आग लगने वाली बोगी को अगल कर ट्रेन को रवाना किया गया। इसके बाद यात्रियों की जान में जान आई।

प्रधानमंत्री ने राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर भजन लाल शर्मा को बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले भजन लाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शपथ ग्रहण की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले भजन लाल शर्मा जी के साथ ही उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी जी और प्रेमचंद बैरवा जी को बहुत-बहुत बधाई! मुझे विश्वास है कि वीर-वीरांगनाओं का यह प्रदेश आपके नेतृत्व में सुशासन, समृद्धि और विकास के नित-नए मानदंड स्थापित करेगा। यहां के मेरे परिवारजनों ने जिस भरोसे और उम्मीद के साथ हमें भरपूर आशीर्वाद दिया है, उस पर खरा उतरने के लिए भाजपा सरकार जी-जान से जुटी रहेगी।'

कर्नाटक में महिला को नग्न घुमाने की घटना की भाजपा ने की निंदा, पांच सदस्यीय जांच समिति गठित

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कर्नाटक के बेलगावी में आदिवासी महिला को नग्न घुमाने की बर्बर घटना की कड़ी निंदा की है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज यहां एक बयान में कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार सत्ता में आने के बाद से विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ ऐसे अपराध नियमित अंतराल पर हो रहे हैं। इससे राज्य में कांग्रेस सरकार का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार उजागर होता है। उन्होंने कहा कि इस जघन्य घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

शुक्रवार को इस घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है।

यह समिति घटना स्थल का दौरा करेगी और जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगी। इस पांच सदस्यीय समिति में सांसद अपराजिता सारंगी, सुनीता दुग्गल, लॉकेट चटर्जी, रंजीता कोली और पार्टी की राष्ट्रीय सचिव आशा लाकरा शामिल हैं। यह समिति घटना स्थल पर जा कर तथ्यों का पता लगाएगी और अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपेगी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद में मुस्लिम पक्ष को सुप्रीम कोर्ट से भी लगा झटका

ईदगाह परिसर के सर्वे पर रोक से इनकार

नई दिल्ली। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद मामले में मुस्लिम पक्ष को सुप्रीम कोर्ट से भी झटका लगा है। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। बता दें कि कल यानी गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे ईदगाह परिसर के सर्वे को मंजूरी दी थी। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

9 जनवरी को होगी अगली सुनवाई

वकील विष्णु शंकर जैन ने कोर्ट के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शाही ईदगाह मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जो आदेश पारित किया था, उस आदेश को आज वर्चुअली शाही ईदगाह मस्जिद ने और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने मांग की थी कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की कार्रवाई पर रोक लगा दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इससे इनकार कर दिया, कोर्ट ने कहा यह केस 9 जनवरी के लिए निर्धारित है हम उसी दिन उसको सुनेंगे।

हाईकोर्ट में कमीशन की अर्जी स्वीकार

गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि, कटरा केशवदेव परिसर के सर्वे रिपोर्ट के लिए कमीशन जारी करने की अर्जी को स्वीकार कर लिया है। कमीशन की संरचना व रूपरेखा तय करने के लिए 18 दिसंबर की तारीख तय हुई है।

पीएम मोदी 18 को वाराणसी में स्वर्वेद मंदिर का करेंगे उद्घाटन

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 दिसंबर को उत्तर प्रदेश में वाराणसी के उमराहा क्षेत्र में स्वर्वेद महामंदिर का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। विहंगम योग संस्थान (वीवाईएस) की स्थापना की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर 25,000 कुंडों में यज्ञ के बीच समारोह आयोजित किया जाएगा। यह मंदिर विहंगम योग की अविश्वसनीय रूप से शक्तिशाली और उन्नत ध्यान तकनीक के वीवाईएस स्कूल के संस्थापक सद्गुरु सदाफल देव द्वारा लिखित आध्यात्मिक ग्रंथ 'स्ववेंद' का एक भौतिक प्रतिनिधित्व है। संस्थान के मौजूदा प्रमुख सद्गुरु आचार्य स्वतंत्र देव के उत्तराधिकारी संत विज्ञानदेव ने संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने पहले इस मंदिर के निर्माणाधीन स्थल का दौरा किया था, जो प्राचीन दर्शन, आध्यात्मिकता और आधुनिक वास्तुकला का एक मिश्रण है। 17 दिसंबर से शुरू होने वाले दो दिवसीय 25,000 कुंडीय यज्ञ की तैयारियों की निगरानी में व्यस्त विज्ञानदेव ने कहा कि प्रधानमंत्री की मां स्वर्गीय हीराबेन गुजरात के नवसारी जिले में वीवाईएस के दंडकवन वंदा से जुड़ी थीं।

सिंधिया ने कहा- अगले साल से 25 और हवाई अड्डों पर उपलब्ध होगी डिजी यात्रा सुविधा

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि 2024 में 25 और हवाई अड्डों पर डिजी यात्रा सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में घरेलू यात्रियों के लिए यह सुविधा 13 हवाई अड्डों पर उपलब्ध है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को यहां आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में यह बात कही। सिंधिया ने कहा कि डिजी यात्रा पहले चरण में 14 हवाई अड्डों पर और अगले साल दूसरे चरण में 11 हवाई अड्डों पर शुरू की

जाएगी। उन्होंने कहा कि 2024 के अंत तक डिजी यात्रा सुविध 25 और हवाई अड्डों पर उपलब्ध होगी। इससे डिजी यात्रा सुविधा वाले हवाई अड्डों की कुल संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी। हवाई अड्डों पर भीड़-भाड़ से निपटने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि पिछले साल की तुलना में जनशक्ति, एक्स-रे मशीनें, प्रस्थान प्रवेश द्वार, चेक-इन काउंटर और आव्रजन काउंटर बढ़ाए गए हैं। गौरतलब है कि डिजी यात्रा फेशियल रिकगनाइजेशन टेक्नोलॉजी (एफआरटी) के जरिए हवाई अड्डों पर विभिन्न जांच बिंदुओं पर यात्रियों की संपर्क रहित व निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करती है।

व्यापार करने वालों को उजाड़ने के बजाय दुकान आवंटित कराए एमपी सरकार : मायावती

लखनऊ। मध्य प्रदेश में जब से भाजपा सरकार बनी है, इसके बाद खुले में मीट और मछली का कारोबार करने वाले व्यापारियों व दुकानदारों को उजाड़ने का काम शुरू हो गया है। इसको लेकर मायवती ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में खुले में स्वरोजगार करने वालों को उजाड़े नहीं बल्कि सरकार को दुकान आवंटित कराना चाहिए। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश की नई बनी भाजपा सरकार द्वारा बेरोजगारों व अन्य गरीब

मेहनतकशों को रोटी-रोजी उपलब्ध कराने का जरूरी फैसला करने के बजाय, रोजगार के अभाव में मछली, अण्डा, मीट आदि का खुले में स्वरोजगार करने वालों पर दमन शुरू कर देना कितना उचित ? इस विवादित फैसले पर पुनर्विचार जरूरी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ही नहीं बल्कि सभी सरकारों से महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी आदि को दूर करने पर ही पूरी तन्मयता से काम करने की जरूरत है। फिर भी इन वस्तुओं के खुले में व्यापार करने पर इतनी ज्यादा आपत्ति है तो उन्हें उजाड़ने से पहले दुकान एलाट करने की व्यवस्था सरकार क्यों नहीं करती है।

राजस्थान के 14वें मुख्यमंत्री बने भजनलाल

दीया कुमारी-प्रेमचंद बैरवा ने ली उप मुख्यमंत्री पद की शपथ

जयपुर। अल्बर्ट हॉल (रामनिवास बाग) के बाहर शुक्रवार को भजनलाल शर्मा ने अपने जन्मदिन पर ही राजस्थान के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। मनोनीत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और दो उप मुख्यमंत्रियों दीया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा ने भी शपथ ग्रहण की। राज्यपाल कलराज मिश्र ने तीनों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई केन्द्रीय मंत्री, कई राज्यों के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी रही। शपथ समारोह में भाग लेने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी पहुंचे। उनके बगल में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत बैठे। समारोह स्थल पर दो मंच तैयार किए गए थे। एक मंच पर देशभर से आए साधु-संतों को बिठाया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोपहर बाद कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। दोपहर 1.04 बजे भजनलाल शर्मा ने सीएम पद की शपथ ली। 16

केंद्रीय मंत्री और विभिन्न राज्यों के 17 मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री इस समारोह के साक्षी बने।

भजनलाल शर्मा जयपुर की सीट से जीतकर मुख्यमंत्री बनने वाले पहले मुख्यमंत्री है। शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने सचिवालय जाकर पदभार ग्रहण किया। राजस्थान में नई सरकार की ताजपोशी के अवसर पर अल्बर्ट हॉल में एंट्री को लेकर हंगामा हो गया। कई लोग बेरिकेड्स पर गिरे और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। शपथ समारोह में भाग लेने के लिए मप्र के सीएम मोहन यादव, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, गोवा के सीएम प्रमोद सावंत, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे सहित कई वरिष्ठ नेता जयपुर पहुंचे। शपथ समारोह में शामिल होने के लिए जगदगुरु रामभद्राचार्य समेत देश के कई प्रमुख संत भी जयपुर पहुंचे। समारोह में केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी, पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, प्रहलाद जोशी, अश्विनी वैष्णव, गजेन्द्र सिंह शेखावत, भूपेन्द्र यादव, हरदीप सिंह पुरी, अनुराग ठाकुर, अर्जुनराम मेघवाल, नित्यानंद राय, एसपी सिंह बघेल, मनसुख मांडविया शामिल हुए। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, गुजरात के भूपेन्द्रभाई पटेल, हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर, मध्यप्रदेश के मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे, अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू, असम के हिमंता बिस्वा सरमा, गोवा के प्रमोद सांवत, त्रिपुरा के माणिक साहा और मणिपुर के एन बीरेन सिंह, उत्तर प्रदेश के केशव प्रसाद मौर्या व ब्रजेश पाठक, अरुणाचल प्रदेश के चौना मीन, महाराष्ट्र के देवेंद्र फड़नवीस और नगालैंड के यानथुंगो शामिल हुए।

किशोरी से दुष्कर्म मामले में दोषी भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को 25 साल की कैद, दस लाख रुपये का जुर्माना

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में दुद्धी सीट से भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को किशोरी से दुष्कर्म मामले में सजा का एलान हो गया है। भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को कोर्ट ने 25 साल की कैद तथा 10 लाख रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड की धनराशि पीड़िता को मिलेगी।किशोरी से दुष्कर्म के मामले में सोनभद्र की एमपी-एमएलए कोर्ट ने ये फैसला सुनाया है। नवंबर 2014 में म्योरपुर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था और आठ सालों की लंबी सुनवाई के बाद फैसला आया है। एमपी-एमएलए कोर्ट ने भाजपा विधायक रामदुलार गोंड के 25 वर्ष कैद और दस लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

विधायक को किशोरी के साथ दुष्कर्म का दोषी पाया गया है। आठ साल तक चली लंबी कानूनी लड़ाई के बाद बृहस्पतिवार को कोर्ट ने फैसला सुनाया। एमपी-एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश एहसानुल्लाह खां ने अर्थदंड की समूची राशि पीड़िता को देने का आदेश दिया है। कोर्ट के फैसले के बाद भाजपा और विधायक समर्थकों को तगड़ा झटका लगा है। आदेश के बाद रामदुलार गोंड की विधायकी जानी तय मानी जा रही है। विधायक के अधिवक्ता ने फैसले को उच्च अदालत में चुनौती देने की बात कही है। बता दें कि किशोरी से दुष्कर्म के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने 12 दिसंबर को भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को दोषी करार दिया था। मंगलवार को सुनवाई के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश एहसानुल्लाह खान ने सजा सुनाने के लिए 15 दिसंबर की तिथि निर्धारित की थी।

यह 10 साल के दमन से मुक्त होने का स्पष्ट फैसला: सौंदरराजन

हैदराबाद। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने शुक्रवार को कहा कि तेलंगाना के लोगों ने हालिया विधानसभा चुनाव में 10 साल के दमन से 'खुद को मुक्त' करने का स्पष्ट फैसला दिया है। डॉ. सौंदरराजन ने कहा कि चुनावों में, कांग्रेस ने 64 विधानसभा सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया, जिससे राज्य में श्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का लगभग 10 साल पुराना शासन समाप्त हो गया। उन्होंने यहां विधानसभा हॉल में दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करते हुए अपने अभिभाषण में यह बात कही। उन्होंने कहा, 'तेलंगाना अब स्वतंत्रता और स्वतंत्रता की ताजी हवा में सांस ले रहा है क्योंकि यह निरंकुश शासन तथा तानाशाही प्रवृत्ति से मुक्त हो गया है।' उन्होंने कहा कि हाल के चुनाव में लोगों के फैसले ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह 'किसी भी दमन को बर्दाश्त नहीं करेगी' और यह फैसला नागरिक अधिकारों और लोकतांत्रिक शासन के लिए आधारशिला बन गया। राज्यपाल ने दावा किया,'शासकों को लोगों से विभाजित करने वाली लोहे की बाड़ें हटा दी गई हैं। मुझे यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि कांच के घर और बाधाएं हटा दी गई हैं और सच्चे लोगों का शासन शुरू हो गया है।'

मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से झटका, जमानत के लिए दायर पुनर्विचार याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में आरोपित और दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की सुप्रीम कोर्ट की ओर से जमानत नहीं देने के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने पुनर्विचार याचिका खारिज करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 30 अक्टूबर को अपने फैसले में मनीष सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था कि अगर 6 से 8 महीने में मुकदमा खत्म न हो तो सिसोदिया दोबारा जमानत का आवेदन कर सकते हैं। 25 अप्रैल को सीबीआई ने इस मामले में पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। सीबीआई ने इस मामले में मनीष सिसोदिया को भी आरोपित बनाया था। पूरक चार्जशीट में मनीष

सिसोदिया के अलावा जिन लोगों को आरोपित बनाया गया, उनमें बुची बाबू, अर्जुन पांडेय और अमनदीप ढल हैं। बुची बाबू तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसी राव की बेटी के कविता के सीए रह चुके हैं। सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। 25 नवंबर, 2022 को सीबीआई ने पहली चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने 15 दिसंबर, 2022 को पहली चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने आरोपितों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 7, 7ए और 8 के तहत आरोप तय किए थे। पहली चार्जशीट में कोर्ट ने जिन आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट पर संज्ञान लिया है उनमें कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, अरुण रामचंद्र पिल्लै, मुत्थू गौतम और समीर महेंद्रू शामिल हैं।

कांकेर में बलिदान हुए जवान के परिवार को 50 लाख की मदद व सरकारी नौकरी देगी योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में बुधवार को आईईडी विस्फोट में बलिदान हुए बीएसएफ जवान अखिलेश कुमार राय के परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने अखिलेश कुमार राय के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और उनके गृह जिले गाजीपुर की एक सड़क का नामकरण बलिदान जवान के नाम पर करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने एक बयान में गाजीपुर जिले के निवासी बीएसएफ जवान अखिलेश कुमार राय को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने बलिदान जवान के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ है। राज्य सरकार द्वारा दिवंगत जवान के परिवार को हर संभव मदद प्रदान की जाएगी।

हंगामे के कारण लगातार दूसरे दिन नहीं चली लोकसभा

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्षी दलों ने संसद में सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर आज भी जमकर हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही लगातार दूसरे दिन भी बाधित रही। पीठासीन अधिकारी डॉ किरीट सोलंकी ने भोजनावकाश के बाद जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की विपक्षी सदस्यों ने पहले की तरह हंगामा शुरू कर दिया जिसे देखते हुए पीठासीन अधिकारी ने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले सुबह 11 बजे भी जैसे ही प्रश्नकाल शुरू हुआ विपक्षी दलों के सदस्य हाथों में तख्तियां लेकर और नारे लगाते हुए आसन के सामने आकर हंगामा करने लगे जिसे देखते हुए पीठासीन अधिकारी ने सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

'यौन उत्पीड़न': सिविल महिला न्यायाधीश ने शीर्ष अदालत से लगाई 'इच्छा मृत्यु' की गुहार

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश की एक महिला न्यायाधीश ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर 'इच्छा मृत्यु' की अनुमति मांगी है। महिला न्यायाधीश का आरोप है कि एक जिला न्यायाधीश ने उसका यौन उत्पीड़न किया और बार-बार गुहार के बावजूद कहीं से कोई कार्रवाई नहीं की गई जिस वजह से वह बेहद निराश हैं। वह वर्तमान में बांदा जिले में सिविल न्यायाधीश के पद पर हैं। उन्होंने पत्र में दावा किया है कि कथित घटना बाराबंकी में पद पर रहने के दौरान हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित जिला न्यायाधीश ने उनसे रात में मिलने के लिए कहा था। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश को संबोधित सोशल मीडिया पर वायरल पत्र उस शिकायतकर्ता महिला के होने का दावा किया गया है, जिसमें लिखा है, ÷मुझे अब जीने की कोई इच्छा नहीं है। पिछले डेढ़ साल में मुझे चलती-फिरती लाश बना दिया गया है। इस निष्प्राण शरीर को अब इधर-उधर ढोने का कोई प्रयोजन नहीं है। मेरी जिंदगी का कोई मकसद नहीं बचा है। कृपया मुझे अपना जीवन सम्मानजनक तरीके से समाप्त करने की अनुमति दें। उन्होंने पत्र में आगे लिखा, जब मैं खुद निराश हूं तो मैं दूसरों को क्या न्याय दूंगी। पत्र के सोशल मीडिया पर वायरल होने के साथ ही शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर उच्चतम न्यायालय प्रशासन ने मामले का संज्ञान लिया और इलाहाबाद उच्च न्यायालय प्रशासन से उनकी (न्यायाधीश महिला) शिकायत की लंबित जांच की स्थिति के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। शीर्ष अदालत के महासचिव अतुल एम कुरहेकर ने मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर गुरुवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र लिखकर संबंधित न्यायाधीश की शिकायत से निपटने वाली आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के समक्ष कार्यवाही की स्थिति का विवरण मांगा है। महिला न्यायाधीश की ओर से दायर एक रिट याचिका बुधवार को खारिज कर दी गई, क्योंकि आईसीसी उनकी शिकायत पहले से विचार कर रही है। मुख्य न्यायाधीश को भेजे शिकायत में पत्र में दावा किया गया है कि आठ सेकंड की सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि 2022 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और प्रशासनिक न्यायाधीश को शिकायत दी गई थी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने जुलाई 2023 में उच्च न्यायालय की आंतरिक शिकायत समिति में शिकायत दर्ज कराई। पत्र में आगे कहा गया है कि जांच शुरू करने में ही छह महीने और एक हजार ईमेल लग गए तथा प्रस्तावित जांच भी एक सिर्फ दिखावा है। शिकायतकर्ता ने दावा करते हुए कहा ' जांच में गवाह जिला न्यायाधीश के तत्काल अधीनस्थ हैं।

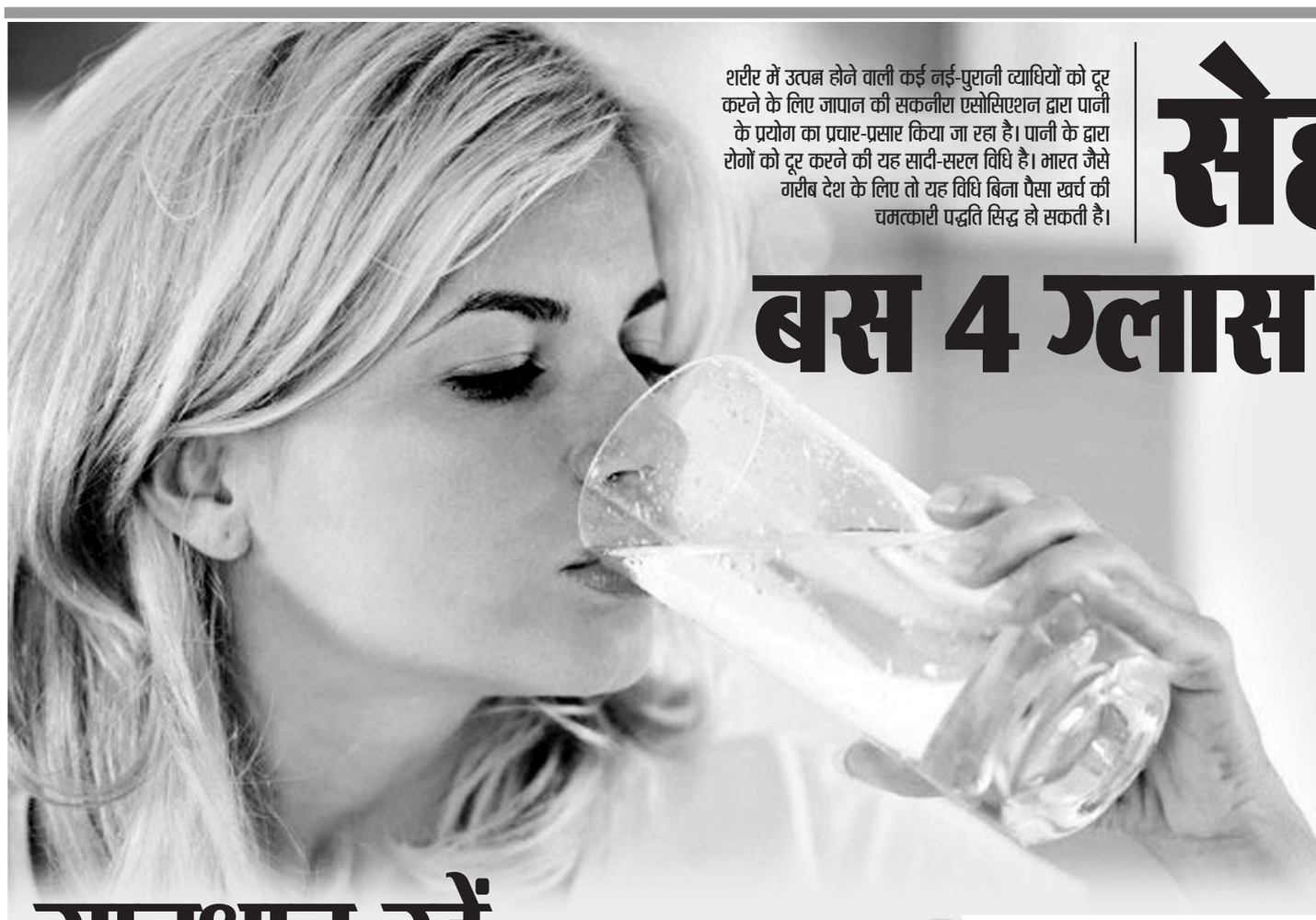

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सेहत का राज बस 4 ग्लास पानी एक साथ

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

● मधुमेह एक माह के लगभग। ● उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
● गैस दो सप्ताह के लगभग। ● टी.बी. छः माह के लगभग। ● कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने स` उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भीतर इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्ट्स है.

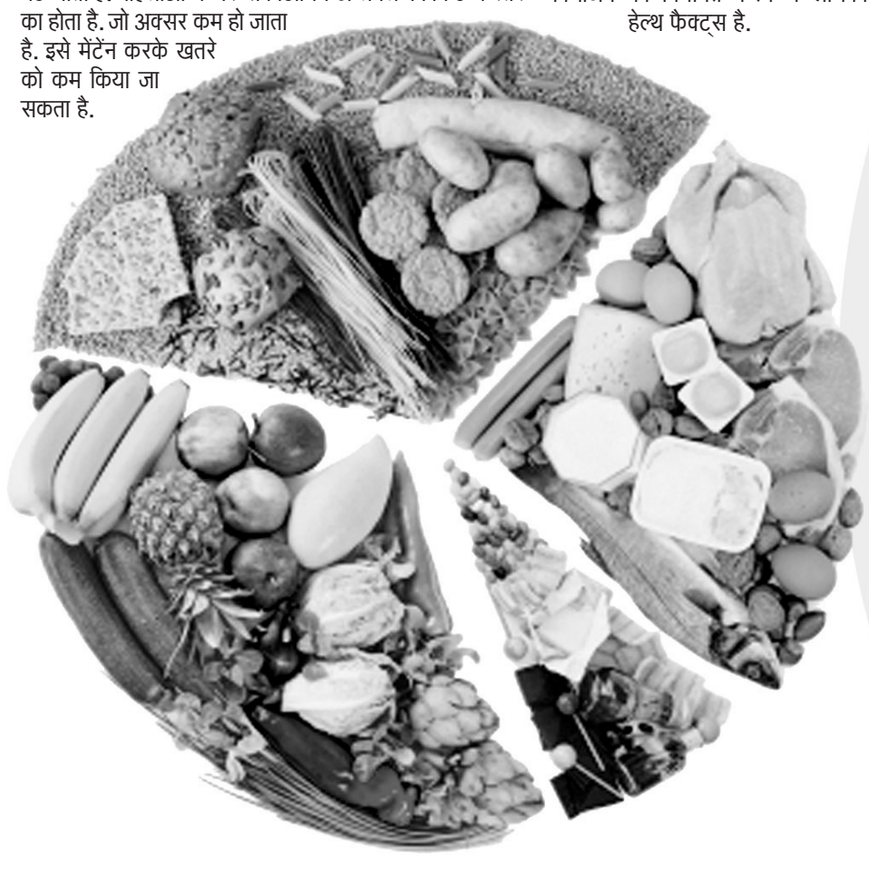

जरा संभलकर मम्मी टू बी...

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

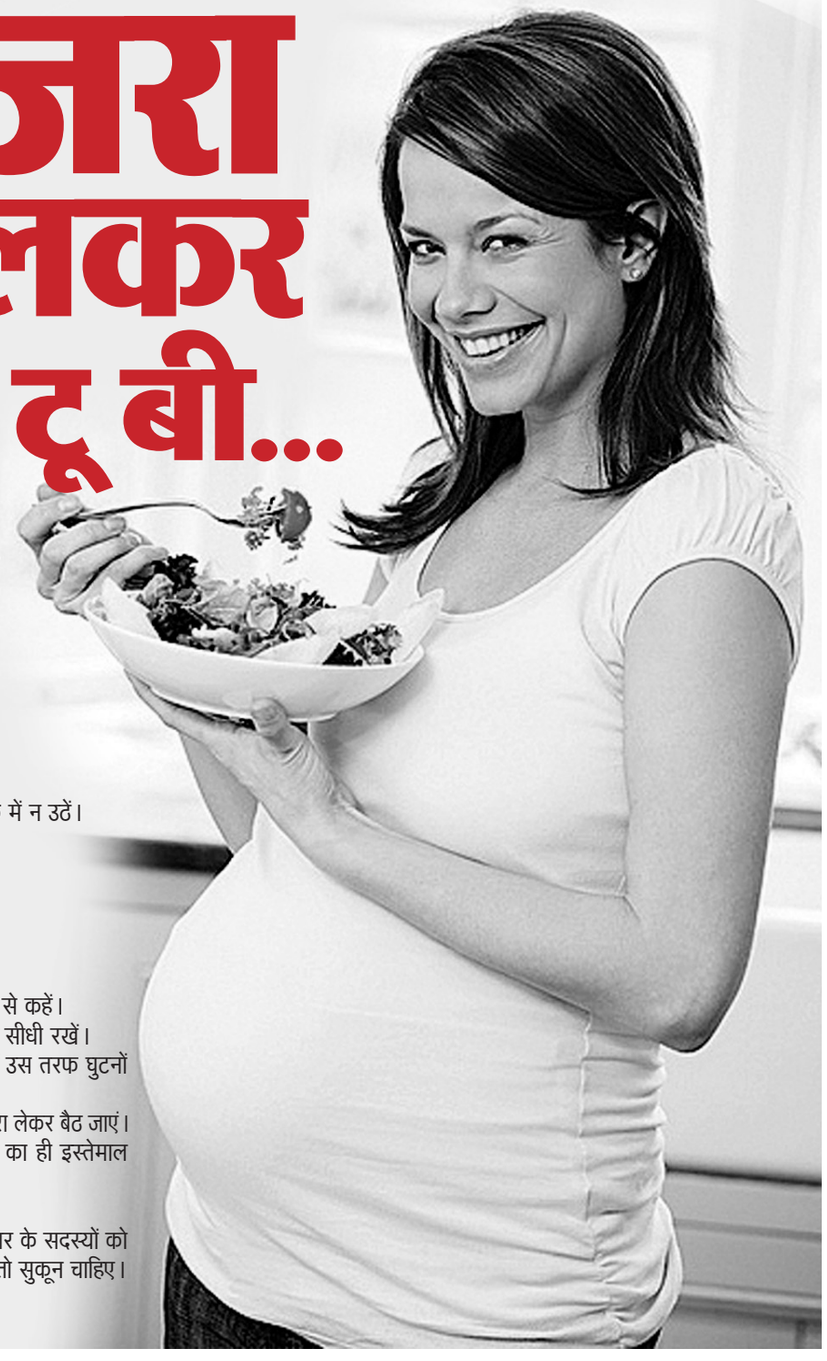

ऐसा न करें

● भारी वस्तुएं न उठाएं। ● कमर को झुकाएं नहीं।
● उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें। ● जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
● ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
● कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
● हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

● भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
● कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
● अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
● नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
● हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
● भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
● जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।

मेस्सी, एमबाप्पे और हैलेंड साल के दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर के पुरस्कार की दौड़ में

ज्यूरिख । फीफा के 2023 के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉल खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए इस बार मुकाबला लियोनल मेस्सी, काइलियान एमबाप्पे और एर्लिंग हैलेंड के बीच है। फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने पुरस्कार की दौड़ में शामिल

खिलाड़ियों की अंतिम सूची की घोषणा की। यही तीनों खिलाड़ी बेलोन डियोर पुरस्कार की दौड़ में भी शामिल थे जिसे अक्टूबर में मेस्सी ने जीता था। बेलोन डियोर में हालांकि 2022 विश्व कप के प्रदर्शन पर भी गौर किया गया था जिसे मेस्सी की अगुआई में अर्जेन्टीना ने जीता था। कतर में खिताबी जीत के लिए मेस्सी फरवरी में पहले ही करियर में सातवीं बार फीफा पुरस्कार जीत चुके हैं। महिलाओं के वर्ग में साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में 2023 विश्व कप विजेता स्पेन की एटाना बोनमेट और जेनी हर्मोसो के अलावा कोलंबिया की लिंडा केइसेडो शामिल है।

नोवाक जोकोविच और आर्यना सबालेंका को आईटीएफ विश्व चैंपियन पुरस्कार

लंदन। नोवाक जोकोविच और आर्यना सबालेंका को इस सत्र में चारों ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के एकल वर्ग में कम से कम सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) के 2023 के विश्व चैंपियन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जोकोविच ने रिकॉर्ड आठवीं बार एटीपी रैंकिंग में नंबर एक पर काबिज रहते हुए सत्र का अंत किया। उन्होंने इस सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के खिताब जीतकर अपने कुल ग्रैंडस्लैम खिताब की संख्या 24 पर पहुंचाई। वह विंबलडन में उपविजेता रहे थे। जोकोविच ने आठवीं बार आईटीएफ विश्व चैंपियन का पुरस्कार हासिल किया और यह भी रिकॉर्ड है। सबालेंका ने पहली बार यह पुरस्कार हासिल किया। उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। वह अमेरिकी ओपन में उपविजेता रही जबकि फ्रेंच ओपन और विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंची थी। वह सितंबर में पहली बार अपने करियर में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची थी। उन्होंने सत्र का अंत इगा स्वियातेक के बाद दूसरे नंबर पर रहते हुए किया।

'विकेट स्पिनरों के लिए बहुत अच्छा था', SA के खिलाफ तीसरे टी20 में पांच विकेट लेकर बोले कुलदीप

जोहानिसबर्ग। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा कि अपनी तेजी और उछाल के लिए मशहूर रहे दक्षिण अफ्रीका के विकेट वर्तमान दौरे में स्पिनरों के भी अनुकूल हैं। कुलदीप ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 17 रन देकर 5 विकेट लिए। वह भुवनेश्वर कुमार के बाद दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं जिन्होंने टी20 में अंतरराष्ट्रीय मैचों में दूसरी बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया। अपना 29वां जन्मदिन मना रहे कुलदीप की शानदार गेंदबाजी से भारत ने यह मैच 106 रन से जीत कर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। कुलदीप ने मैच के बाद कहा, 'यह मेरे लिए विशेष दिन बन गया। मैंने पांच विकेट लेने के बारे में कभी नहीं सोचा था। मैं केवल इतना चाहता था की टीम जीते जो कि अधिक महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा, 'मैं अपनी गेंदबाजी को लेकर थोड़ा चिंतित था क्योंकि मैं कुछ दिनों बाद खेल रहा था और इसलिए मैं लय हासिल करना चाहता था। यह शानदार दिन था। गेंद अच्छी तरह से हाथ से छूट रही थी और परिस्थितियों से भी कुछ हद तक स्पिनरों को मदद मिल रही थी।'

कुलदीप ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो विकेट स्पिनरों के लिए बहुत अच्छा था। इन विकेट की सबसे अच्छी बात यह रही कि गेंद पिच होने के बाद बहुत तेजी से आ रही थी। इसलिए कभी कभार आपको अपनी 'वेरिएशन' बदलनी पड़ती है और अगर आप इसे सही कर देते हो तो फिर इसे खेलना आसान नहीं होता।'

यूईएफए यूरोपा लीग : विलारियल ग्रुप एफ में शीर्ष पर, रियल बेटिस बाहर

मैड्रिड। रियल बेटिस गुरुवार रात यूईएफए यूरोपा लीग से बाहर हो गया है, उसे अपने घरेलू मैदान पर रेंजर्स के हाथों 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही लिमासोल में स्पार्टा प्राग की जीत के साथ, बेटिस की टीम अपने समूह के शीर्ष स्थान से तीसरे नंबर पर खिसक गई।

अब्दुल्ला सिमा ने 10वें मिनट में दाएं पैर से शॉट मारकर रेंजर्स का खाता खोला, हालांकि जुआन मिरांडा ने चार मिनट बाद ही गोल कर बेटिस को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद सिरिएल डेसर्स ने 20वें मिनट में एक और गोल कर रेंजर्स की बढ़त 2-1 कर दी।

बेटिस के लिए इस्को और अयोज पेरेज़ ने मिलकर 37वें मिनट में एक और बेहतरीन गोल कर मैच को 2-2 से बराबर कर दिया। हालाँकि, केमर रूफ ने मैच के 78वें मिनट में गोल कर रेंजर्स को 3-2 से आगे करते हुए टीम की जीत जीत सुनिश्चित की। इसके अलावा ग्रुप एफ के एक

अन्य मैच में रेनेस पर 3-2 की जीत के बाद विलारियल ने अपने समूह में पहला स्थान हासिल किया। जेरार्ड मोरेनो ने 36वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल कर विलारियल को आगे कर दिया, केवल एक मिनट बाद ही लोरेंज एसिनॉन ने गोल कर रेनेस को बराबरी दिला दी। दूसरे हाफ में, इलियास अखोमाच ने गोल कर विलारियल को फिर से आगे कर दिया, हालांकि लुडोविक ब्लास ने 79वें मिनट में गोल कर एक बार फिर रेनेस को बराबरी पर ला दिया। एक मिनट बाद दानी पारेजो ने गोल कर विलारियल को 3-2 से जीत दिला दी।

आईसीसी ने मीरपुर की पिच को असंतोषजनक करार दिया

एंटेबे। युगांडा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 महिला विश्व कप अफ्रीकी क्वालीफायर में ग्रुप बी मैच में नाइजीरिया को छह विकेट से हरा दिया। एंटेबे क्रिकेट ओवल में खेले गए मैच में नाइजीरिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 63 रन बनाए। जवाब में युगांडा ने 15 ओवर में 4 विकेट पर 66 रन बनाकर 6 विकेट से जीत हासिल की। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई युगांडा की कप्तान कॉन्सुलेट अवेको ने मैच के बाद कहा कि यह एक प्यारी जीत है क्योंकि वे अब ग्रुप में शीर्ष पर हैं और सेमीफाइनल में तंजानिया से भिड़ने के लिए तैयार हैं। अवेको ने कहा, तंजानिया के खिलाफ हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा क्योंकि वह मैच हमारे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि हमारा लक्ष्य विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन है। युगांडा के मुख्य कोच लॉरेंस सेसेमाटिम्बा ने सिन्हुआ को बताया

कि वह सेमीफाइनल में पहुंचने पर टीम की जीत की गति से खुश हैं। उन्होंने कहा, ध्यान केंद्रित रहना और अपने गेम प्लान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा गुरुवार को नामीबिया ने करीबी मुकाबले में रवांडा पर 11 रन से जीत हासिल की। रवांडा ने 20 ओवरों में 91/8 का स्कोर बनाया, लेकिन नामीबिया इतने ही ओवरों में 102/7 का स्कोर बनाने में सफल रहा। दूसरे सेमीफाइनल में नामीबिया का मुकाबला जिम्बाब्वे से होगा। शीर्ष दो टीमें अगले साल दुबई में होने वाले वैश्विक क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई करेंगी। 2024 आईसीसी टी-20 महिला विश्व कप बांग्लादेश की मेजबानी में होने वाला है।

एक साल के लिए श्रीलंका क्रिकेट के पूर्णकालिक क्रिकेट सलाहकार नियुक्त हुए सनथ जयसूर्या

कोलंबो। सनथ जयसूर्या को एक साल के लिए श्रीलंका क्रिकेट का पूर्णकालिक क्रिकेट सलाहकार नियुक्त किया गया है। इस भूमिका में, वह खेतारामा में एसएलसी के उच्च प्रदर्शन केंद्र में काम करने वाले खिलाड़ियों और कोचों दोनों की देखरेख करेंगे, खिलाड़ियों के लिए व्यक्तिगत कौशल विकास रणनीतियों में लगे रहेंगे, और कोचिंग स्टाफ की भी निगरानी करेंगे श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) की विज्ञप्ति में कहा गया, जयसूर्या कई अन्य कार्यों के साथ-साथ प्रत्येक कौशल अनुशासन में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए प्रमुख कर्मचारियों के साथ राष्ट्रीय विशेषज्ञ कौशल कार्यक्रम भी स्थापित करेंगे।

2019 में आईसीसी की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई द्वारा दो साल के लिए सभी क्रिकेट से

प्रतिबंधित किए जाने के बाद एसएलसी के साथ जयसूर्या की यह पहली भूमिका है। उन पर यह प्रतिबंध दो आरोपों को स्वीकार करने के बाद लगाया गया था, जिसमें पहला भ्रष्टाचार विरोधी संहिता के तहत जांच में सहयोग करने में विफलता या इनकार करना, और दूसरा जांच में बाधा डालना या देरी करना था। वह पहले दो विवादास्पद कार्यकालों में श्रीलंका के मुख्य चयनकर्ता रह चुके हैं। पहले उन पर उस सरकार के करीबी खिलाड़ी का पक्ष लेने का आरोप लगाया गया था जिसका वह संसद सदस्य के रूप में हिस्सा थे। दूसरे कार्यकाल में पुरुषों की राष्ट्रीय टीम में पर्याप्त बदलाव हुआ। समझा जाता है कि एसीयू के आरोप मुख्य चयनकर्ता के रूप में उनके दूसरे कार्यकाल से संबंधित हैं। जयसूर्या की नियुक्ति पिछले कुछ दिनों में दूसरी महत्वपूर्ण नियुक्ति है, इसी सप्ताह उपुल थरंगा की अगुवाई वाली चयन समिति का भी चयन किया गया है।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 10 रन से हराया, टी20 श्रृंखला में बनाई बढ़त

सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा)। ब्रैंडन किंग के नाबाद अर्धशतक और अलजारी जोसेफ की शानदार गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को 10 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 से बढ़त बनाई। इंग्लैंड ने टॉस जीत कर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और जल्द ही उसका स्कोर 4 विकेट पर 54 रन कर दिया।

सलामी बल्लेबाज किंग ने ऐसे में 52 गेंद पर नाबाद 82 रन बनाए जबकि कप्तान रोवमैन पावेल ने 28 गेंद पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 50 रन बनाए जिससे वेस्टइंडीज ने 7 विकेट पर 176 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर खड़ा किया। पावेल ने सैम कुरेन के एक ओवर में चार छक्के और एक चौका जड़ा। किंग ने अपनी पारी में आठ चौके और पांच छक्के लगाए। इंग्लैंड की तरफ से आदिल राशिद और टाइमल मिल्स ने दो-दो विकेट लिए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 7 विकेट पर 166 रन ही बना पाई। उसकी तरफ सैम कुरेन ने सर्वाधिक 50 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की तरफ से जोसेफ ने 39 रन देकर तीन और अकील हुसैन ने 24 रन देकर दो विकेट लिए। ऑलराउंडर आंद्रे रसेल काफी महंगे साबित हुए। उन्होंने चार ओवर में 66 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। इंग्लैंड को अंतिम ओवर में 28 रन की जरूरत थी और उसने रसेल के इस ओवर में 17 रन बनाए।

मेजबान नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाफ मुकाबले से जीत का राह पर लौटने की कोशिश करेगा मोहन बागान

गुवाहाटी। मोहन बागान सुपर जायंट्स की टीम आज रात इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 मुकाबले में मेजबान नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी का सामना करेगी।

कई चोटिल खिलाड़ियों की परेशानियों से जुझते हुए, मैरिनर्स ने अपने घरेलू मैदान पर खेले पिछले आईएसएल मैच में ओडिशा एफसी को 2-2 के ड्रा पर रोका था। इस सीजन में स्पेनिश हेड कोच जुआन फेरांडो की टीम के सामने दो प्रमुख लक्ष्य थे, पहला आईएसएल में लीग तालिका के शीर्ष पर पहुंचना था और दूसरा एएफसी कप में अच्छा प्रदर्शन करना था। घरेलू मोर्चे पर, उन्होंने लगातार पांच जीत के साथ शुरुआत की, जो आईएसएल इतिहास में इतने मैचों के बाद सबसे अच्छा रिकॉर्ड है।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने अपने पिछले चार मुकाबलों में दो ड्रा खेले हैं और दो हारे हैं। वह छठे स्थान पर मौजूद चेन्नइयन एफसी से दो अंक पीछे है, जिसने हाईलैंडर्स से एक मैच अधिक खेला है। शक्तिशाली मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ खेलना कभी आसान नहीं होता है, लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच जीत के लिए उन्हें कठिन चुनौतियों से पार पाना होगा। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के स्पेनिश हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में

कहा, 'वो एक अच्छी टीम है, बहुत अच्छी टीम है और उसका कोई भी खिलाड़ी अंतर पैदा कर सकता है। हम उस पैसे को नहीं देखते है (जो मोहन बागान सुपर जायंट ने खर्च किया है)। क्योंकि अंत में, मुकाबला 11 बनाम 11 के बीच है। पैसा लंबी अवधि में फर्क डालता है, कम अवधि में फर्क नहीं

वह छठे स्थान पर मौजूद चेन्नइयन एफसी से दो अंक पीछे है, जिसने हाईलैंडर्स से एक मैच अधिक खेला है।

पड़ता। आपने बहुत सारा पैसा खर्च किया है, इसका मतलब यह नहीं है कि आप जीत जाएंगे। इसीलिए हमारे पास पेरिस सेंट-जर्मेन का उदाहरण है। हम एक जुझारू टीम हैं। हम जानते हैं कि क्या करना है, क्या नहीं करना है और हम उन्हें पिच में देखेंगे। मोहन बागान सुपर जायंट के सहायक कोच क्लिफोर्ड मिरांडा ने इस मुकाबले की तैयारी में पूरी ताकत वाली टीम के महत्व पर बात की। उन्होंने कहा, 'यह हमेशा महत्वपूर्ण रहा है कि हमारे पास सभी खिलाड़ी उपलब्ध हों, ताकि हमारे पास चयन करने के लिए खिलाड़ियों की एक विस्तृत पूल हो, क्योंकि हम कुछ खिलाड़ियों तक ही सीमित रहने के बजाय अपनी टीम को बेहतर तरीके से बना सकें। बता दें कि दोनों टीमों के बीच अब तक 8 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें से मोहन बागान सुपर जायंट ने 5 और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने 2 में जीत दर्ज की है, जबकि 1 मैच ड्रा रहा है।

जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप : भारत सेमीफाइनल में जर्मनी से 4-1 से हारा

कुआलालंपुर। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम गुरुवार को यहां एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप मलेशिया 2023 के सेमीफाइनल में जर्मनी के खिलाफ कड़े मुकाबले में 1-4 से हार गई। उत्तम सिंह के नेतृत्व वाली भारतीय टीम अब दिन में फ्रांस और स्पेन के बीच खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल में हारने वाली टीम से भिड़ेगी।

पहले क्वार्टर में भारतीय टीम को पहले चार मिनट के भीतर दो पेनल्टी कॉर्नर मिले थे, लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा पाई। मैच के आठवें मिनट में बेन हस्बैक (8%) ने गोल कर जर्मनी को 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि तीन मिनट बाद ही सुदीप चिरमाको ने शानदार फील्ड गोल कर भारत को 1-1 की बराबरी दिला दी। पहला क्वार्टर 1-1 के स्कोर के साथ समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में भी भारत को पेनल्टी कॉर्नर के रूप में कई मौके मिले, लेकिन भारतीय टीम किसी को भी गोल में बदलने में असमर्थ रही। दूसरे क्वार्टर के आखिरी मिनट में जर्मनी को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला और उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया और बेन हस्बैक (30%) ने अपना दूसरा गोल किया। मध्यांतर तक जर्मनी की टीम 2-1 से आगे रही। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत फ्रंटफुट पर की और उन्हें अपने आक्रामक रवैये का

इनाम मिला, उन्होंने तीसरे क्वार्टर में छह मिनट शेष रहते अपना ग्यारहवां पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, हालांकि टीम इस मौके को भी नहीं भुना पाई। पॉल ग्लैंडर (41) ने दूसरे पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर तीसरे क्वार्टर के अंत में जर्मनी को 3-1 से आगे कर दिया।

चौथे क्वार्टर में भारतीयों ने जर्मनों पर दबाव बनाया लेकिन वे उनकी रक्षापंक्ति को भेदने में असमर्थ रहे। खेल में दस मिनट से भी कम समय शेष रहने पर भारत को दो बैक-टू-बैक पेनल्टी कॉर्नर के रूप में उम्मीद मिली, लेकिन जर्मन रक्षकों के अथक प्रयास के कारण कोई भी गोल नहीं हो सका। फ्लोरियन स्पिलिंग (58) ने जर्मनी के लिए चौथा गोल तब किया जब समय समाप्त होने में कुछ ही मिनट बाकी थे और भारत को 4-1 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

सूर्या और कुलदीप के दमपर भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराया, बराबरी पर रही श्रृंखला

जोहान्सबर्ग। टी20 श्रृंखला के तीसरे और आखिरी मुकाबले में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 106 रनों से हराया दिया है। इस तरह ती मैचों की यह श्रृंखला 1-1 से बराबरी पर रही। सीरीज का पहला मैच जहां बारिश की वजह से रद्द हो गया था, वहीं दूसरे मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने 5 विकेट से जीत दर्ज की थी।

भारत की ओर से मिले 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम शुरू से ही विशाल टारगेट के दबाव में नजर आई। तेज गति से रन बनाने के चक्कर में मेजबान टीम थोड़े-थोड़े अंतराल पर विकेट खोती रही और आखिर में 14वें ओवर में पूरी टीम 95 रन पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए डेविड

मिलर ने 35 रन, कप्तान एडन मारक्रम ने 25 रन और डेविड फेरिरा ने 12 रन की पारी खेली। इन तीनों के अलावा कोई भी बल्लेबाजी दहाई का आंकड़ा पार नहीं सक सका। वहीं भारत के लिए कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा की स्पिनर जोड़ी ने सात विकेट चटकाए। कुलदीप को पांच और जडेजा को दो सफलता मिली। वहीं मुकेश कुमार और अर्शदीप सिंह ने एक-एक विकेट झटके। इससे पहले, टीम इंडिया तेज शुरुआत की और दो ओवर में 29 रन बनाए। हालांकि तीसरे ओवर में केशव महाराज ने पहले गिल (8 रन) और अगली गेंद पर तिलक वर्मा को शून्य पर पवेलियन भेज दिया। तीसरे विकेट लिए यशस्वी जायसवाल और कप्तान सूर्यकुमार यादव के बीच 112 रन की बेहतरीन साझेदारी हुई। यह साझेदारी यशस्वी (60 रन) के आउट होने पर टूटी। फिर सूर्या ने रिंकू सिंह के साथ 47 रन जोड़कर टीम मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लेकिन एक बार फिर भारतीय टीम आखिरी के ओवर में रन जोड़ने में नाकाम रही। आखिरी दो ओवर में टीम ने 13 रन जोड़े और चार विकेट गवाएं। हालांक इस बीच सूर्यकुमार यादव ने शतक जड़ा।

उन्होंने 56 गेंदों में 7 चौके और 8 छक्के की मदद से 100 रन की पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका के लिए केशव महाराज और लिजार्ड विलियम्स को दो-दो सफलता मिली, जबकि नांद्रे बर्गर और तबरेज शम्सी ने एक-एक विकेट चटकाए।

धोनी पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगाने वाला आईपीएस ऑफिसर मुश्किल में, कोर्ट ने दिखाया जेल का रास्ता

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगाने वाले आईपीएस अधिकारी अब मुश्किल में हैं। मद्रास उच्च न्यायालय ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी जी संपत कुमार को धोनी द्वारा दायर अदालत की अवमानना के एक मामले में 15 दिन के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायमूर्ति एस एस सुंदर और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की खंडपीठ ने सजा को 30 दिन के लिए निलंबित कर दिया ताकि संपत कुमार को सजा के खिलाफ अपील दायर करने का मौका मिल सके। धोनी ने उच्चतम न्यायालय के खिलाफ कथित रूप से अवमानना वाले बयान देने के लिए आईपीएस अधिकारी के

खिलाफ अदालत की अवमानना का मामला दर्ज कराया था। धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सट्टेबाजी में अपना नाम लिए जाने को लेकर 2014 में मानहानि का मुकदमा दायर किया था जिसमें हर्जाने के तौर पर 100 करोड़ रुपए का भुगतान करने का भी अनुरोध था। 18 मार्च 2014 को कोर्ट ने अंतरिम आदेश में संपत कुमार पर धोनी के खिलाफ बयान देने से रोक लगा दी थी। इसके बाद संपत कुमार ने कथित तौर पर सुप्रीम कोर्ट के पास हलफनामा दायर किया, जिसमें न्यायपालिका और मामले में राज्य के वरिष्ठ वकीलों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की गई थी। धोनी ने अपनी याचिका में संपत के बयानों का भी जिक्र किया है।

प्रीति जिंटा

ने बताया अपना असली नाम, Bobby Deol के चलते फैली अफवाह पर तोड़ी चुप्पी

कल हो ना हो, लक्ष्य और वीर जारा जैसी फिल्मों में अपनी अदायगी का जलवा बिखेर चुकीं प्रीति जिंटा (Preity Zinta) ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने असली नाम का राज खोल दिया है। कुछ समय से खबरें चल रही थीं कि प्रीति जिंटा का असली नाम कुछ और है। लोगों का कहना था कि प्रीति का रियल नेम प्रीतम सिंह जिंटा (Preetam Singh Zinta) है और उन्होंने फिल्मों में आने के बाद अपना नाम प्रीतम से प्रीति कर लिया था। चल रहीं अफवाहों पर अब अभिनेत्री ने चुप्पी तोड़ी है और फैंस को सच से रूबरू कराया है।

क्या है प्रीति जिंटा का असली नाम ?

प्रीति जिंटा ने गुरुवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया और अफवाहों को खारिज करते हुए अपना असली नाम बताया है। प्रीति ने कहा, इंटरनेट, गूगल और विकिपीडिया, हर ओर लिखा हुआ है कि मेरा नाम प्रीति जिंटा रखा हुआ है, उससे पहले मेरा नाम प्रीतम सिंह जिंटा था। मैं यहां यह कहने आई हूं कि मेरा नाम कभी भी प्रीति सिंह जिंटा नहीं था। मैं जब पैदा हुई तो मेरा नाम प्रीति जिंटा था और अभी भी प्रीति जिंटा है। शादी के बाद प्रीति जी जिंटा (Preity G Zinta) हो गया है।प्रीति ने आगे कहा, मेरे हसबैंड का सरनेम गुडइनफ है, लेकिन मैंने पूरा नाम नहीं लिया, सिर्फ त्र लिया। तो अब मेरा नाम प्रीति जी जिंटा है। मैं क्लियर करना चाहती थी कि प्रीतम सिंह जिंटा मेरा कभी भी नाम नहीं था। लोग हमेशा मुझसे पूछते हैं कि मैंने अपना नाम बदला? जी नहीं, मैंने नाम नहीं बदला। मेरा हमेशा से नाम प्रीति जिंटा है, था और रहेगा। प्रीति जी जिंटा हो गया है अब।

प्रीतम नाम से प्रीति को चिढ़ाते थे बॉबी देओल

प्रीति जिंटा ने वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि बॉबी देओल उन्हें सोल्जर के सेट पर प्रीतम कहा करते थे। प्रीति ने लिखा, आज मैंने मीडिया में एक आर्टिकल पढ़ा कि मेरा असली नाम प्रीतम सिंह जिंटा है तो मुझसे रहा नहीं गया। मैं आपसे कहना चाहती हूं कि यह फेक न्यूज है। सच तो यह है कि हमारी फिल्म सोल्जर के सेट पर बॉबी देओल मुझे मजाक में प्रीतम सिंह बुलाते थे।बकौल प्रीति,फिल्म हिट हो गई और हमारी दोस्ती गहरी हो गई और यह नाम मेरे साथ ऐसा चिपका कि अभी तक मेरा पीछे नहीं छोड़ रहा। तब से आज तक मैं बोल-बोलकर थक गई हूं कि मेरा असली नाम प्रीति जिंटा है और मैंने फिल्म इंडस्ट्री में आने के बाद अपना नाम नहीं बदला। मैं उम्मीद करती हूं कि मीडिया वाले इस सफाई के बाद अपनी गलती ठीक कर लें।

जाह्नवी कपूर

ने किलर लुक से पानी में लगाई आग, फोटो देख फैंस बोले- ठंड लग जाएगी

बॉलीवुड इंडस्ट्री की उभरती हुई एक्ट्रेसेज के बारे में चर्चा की जाए तो उसमें जाह्नवी कपूर का नाम जरूर शामिल होगा। जाह्नवी वो अदाकारा हैं, जो अपने कातिलाना हुस्न के दम पर किसी को भी दीवाना बना सकती हैं।इस बीच जाह्नवी कपूर की लेटेस्ट फोटो सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिनमें एक बार फिर से एक्ट्रेस का किलर अंदाज देखने को मिला है। इतना ही नहीं फैंस ने भी जाह्नवी की इन तस्वीरों पर मजेदार कमेंट्स भी किए हैं।

जाह्नवी कपूर ने शेयर कीं लेटेस्ट फोटो

जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, जिसके चलते अक्सर एक्ट्रेस की तस्वीरें और वीडियो फैंस के बीच चर्चा का विषय बनती रहती हैं। मौजूदा समय में भी कुछ ऐसा ही आलम बना हुआ है। दरअसल बुधवार शाम को जाह्नवी कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है।एक्ट्रेस की ये फोटो उनके लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की हैं, जिसे उन्होंने पानी में बैठकर कराया है। इन फोटो में आप देख सकते हैं कि जाह्नवी अपने किलर लुक से फैंस के दिलों पर बिजलियां गिराने का काम कर रही हैं। इतना ही नहीं रियल लाइफ में अदाकारा कितनी ज्यादा हॉट हैं, उसका अनुमान इन लेटेस्ट फोटो के जरिए आसानी से लगाया जा सकता है।एक्टर ईशान खट्टर के साथ धड़कमूवी से बॉलीवुड में डेब्यू करने वालीं दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी के बेटी जाह्नवी कपूर की इन लेटेस्ट तस्वीरों ने इंटरनेट पर तबाही मचा दी है। जिसके चलते उनके ये फोटो जमकर वायरल हो रही हैं।

फैंस ने एक्ट्रेस की इन फोटो पर दिए ऐसे रिएक्शन

बी टाउन एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की इन लेटेस्ट तस्वीरों को देखकर फैंस काफी प्रभावित हुए हैं। जिसके चलते वे उनकी इन फोटो पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है- ठंड लग जाएगी, फिर छींकती फिरोगी।

दूसरे यूजर ने लिखा है- अब पता चला है कि मुंबई में सर्दी क्यों नहीं पड़ रही। इसके अलावा अन्य कई यूजर्स जाह्नवी कपूर की इन लेटेस्ट फोटो की तारीफ कर रहे हैं।

Shah Rukh Khan ने बेटी Suhana के साथ लिया शिरडी साईं बाबा का आशीर्वाद, मांगी Dunki के लिए दुआ, वीडियो वायरल

हिंदी सिनेमा के बादशाह शाह रुख खान की आगामी फिल्म डंकी कुछ ही दिनों में थिएटर्स में दस्तक देने वाली है। फिल्म रिलीज से पहले शाह रुख माता वैष्णो देवी मंदिर के बाद शिरडी साईं बाबा (Shirdi Sai Baba) के दरबार पहुंचे। इस दौरान उनकी बेटी सुहाना खान (Suhana Khan) और मैनेजर पूजा ददलानी (Pooja Dadlani) भी मौजूद रहीं।

डंकी की रिलीज से पहले शाह रुख पहुंचे साईं बाबा मंदिर

गुरुवार को शाह रुख खान बेटी सुहाना खान के साथ शिरडी साईं बाबा के दर्शन करने पहुंचे।हड्ड के ट्विटर हैंडल पर शेयर किए गए वीडियो में शाह रुख खान डेनिम जींस, व्हाइट टीशर्ट, ओपन ब्लैक शर्ट के साथ कैप और चश्मा लगाए देखा गया। जैसे ही अभिनेता कार से उतरे, चाहने वालों ने अभिनेता को घेर लिया और तस्वीरें लेने लगे। फैंस से मिलने के बाद वह मंदिर में साईं बाबा का आशीर्वाद लेने मंदिर चले गए।

सलवार-सूट में दिखीं शाह रुख की लाडली

जोया अख्तर निर्देशित द आर्चीज (The Archies) से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली सुहाना खान भी अपने पिता शाह रुख के साथ साईं बाबा के दर्शन करने पहुंची। इस दौरान सुहाना ओशियन ब्लू कलर के सलवाल-सूट में नजर आईं। खुले बाल और सिंपल लुक में सुहाना बेहद खूबसूरत लग रही हैं। सलवार-सूट में पूजा ददलानी भी सुहाना के साथ दिखाई दीं।

कब रिलीज हो रही है डंकी ?

शाह रुख खान ने अपनी आगामी फिल्म डंकी के लिए कमर कस ली है। 2023 की दो ब्लॉकबस्टर पठान और जवान देने के बाद उम्मीद की जा रही है कि डंकी भी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा सकती है। राजकुमार हिरानी निर्देशित डंकी 21 दिसंबर 2023 को रिलीज हो रही है। फिल्म में विक्की कौशल, तापसी पन्नू और बोमन ईरानी भी अहम भूमिका में हैं।

एनिमल का नया गाना हुआ रिलीज, कंगना ने किया स्मृति ईरानी का समर्थन

रणबीर कपूर की फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 14 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन फिल्म के लिए फैंस की दीवानगी खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। मेकर्स भी फैंस के लिए एनिमलके क्रेज को देखते हुए एक के बाद एक सरप्राइज उन्हें दे रहे हैं।

बॉबी देओल के जमाल कुडू के बाद अब मेकर्स ने रणबीर कपूर का एंट्री गाना भी रिलीज कर दिया है। इसके अलावा सिंगर सोनू निगम ने पाकिस्तान के सिंगर उमर नदीम के गाना चुराने के आरोपों पर चुप्पी तोड़ते हुए सफाई दी है।मनोरंजन की दुनिया में और क्या कुछ पूरे दिन हलचल मची रही, चलिए बिना देरी किये पढ़ते हैं आज शाम की टॉप 5 न्यूज-

एनिमल से रणबीर कपूर का एंट्री गाना हुआ रिलीज

हाल ही में एनिमल से एक्टर बॉबी देओल का एंट्री सॉन्ग जमाल कुडू रिलीज हुआ है, जिसे फैंस रिपीट मोड में सुनना पसंद कर रहे हैं। इस बीच अब एनिमल से सुपरस्टार रणबीर कपूर यानी रणविजय का एंट्री सॉन्ग रिलीज कर दिया गया है, जो दिग्गज म्यूजिक डायरेक्टर और सिंगर ए आर रहमान के इन गानों का मेडली है।

पाकिस्तानी सिंगर उमर नदीम के आरोपों पर सोनू निगम ने तोड़ी चुप्पी

सोनू निगम पर प्लेजरिज्म के गंभीर आरोप लगे हैं। पाकिस्तान के

सिंगर उमर नदीम सोनू निगम पर अपना गाना चुराने का आरोप लगाया। वहीं, अब इस पर सिंगर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और उमर के इंस्टाग्राम पोस्ट पर रिएक्ट किया है।

कंगना रनोट ने स्मृति ईरानी को किया सपोर्ट

कंगना रनोट बॉलीवुड की बेबाक अदाकार हैं। एक्टर फिल्मों के साथ-साथ दुनियाभर के मुद्दों पर बेझिझक अपनी राय रखती हैं। अब उन्होंने चर्चा में बने पेड मेंस्ट्रुअल लीव पॉलिसी पर टिप्पणी की है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को कहा कि पीरियड्स कोई रुकावट नहीं है। इसके लिए महिलाओं को पेड लीव लेने की कोई जरूरत नहीं है।

अंकिता लोखंडे को मुनव्वर फारुकी ने सुनाई सजा

बिग बॉस 17 में अंकिता लोखंडे मजबूत कंटेस्टेंट्स में गिनी जाती हैं। एक्ट्रेस विनर बनने की भी मजबूत दावेदारी रखती हैं। हालांकि, अब खुलासा हुआ है कि अंकिता लोखंडे शो में चीटिंग कर रही थी, जिसमें उनके पति विक्की जैन भी शामिल थे। जिसके बाद कैप्टन मुनव्वर फारुकी ने उन्हें सजा सुनाई है।